य एषु सुप्तेषु जागर्ति

राजस्थान पत्रिका

वर्ष : 20 | अंक : 223 | पृष्ठ 12 | ₹5.00

patrika.com /rajasthanpatrika /rpbreakingnews /rajasthan_patrika

दिल्ली, राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, गुजरात, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल से प्रकाशित

नई दिल्ली, मंगलवार, 04 मार्च, 2025 | फाल्गुन शुक्ल पक्ष पंचमी, संवत् 2081

चैंपियंस ट्रॉफी

25 साल बाद ऑस्ट्रेलिया से नॉकआउट में भिड़ंत @स्पोर्ट्स &गेमिंग

मास्को-वाशिंगटन आए करीब, ट्रंप की यूरोप को नसीहत; रूस से डरें नहीं @इंडिया&वर्ल्ड

कौन फूंकेगा प्राण ?

गुलाब कोठारी

भारत एक प्राचीन सांस्कृतिक देश है। इतनी भाषाएं, खान-पान, पहनावा, सभ्यताएं। हर प्रांत एक शक्ति स्तम्भ है, एक अनूठा वृक्ष है, देश की बगिया में, रंग-बिरंगे फूल। पांचों महाभूतों का स्वरूप भी भिन्न हैं। धरती माता सबकी एक है। सूर्य सबका आत्मा है। अर्थात्-भीतर सब एक हैं। आज की शिक्षा ने सबको पेट से इतना कसकर बांध दिया कि इतना बड़ा सत्य, देश का तेजस्वी स्वरूप किसी को दिखाई ही नहीं देता। सत्ता का लोभ, धनलोलुपता और मानव संसाधन बस रह गया, शेष सब पीछे छूट गए। नीति में कभी साम-दाम-दण्ड-भेद होते थे। राजनीति में से तो वे भी निकल गए। मूल में तो व्यक्ति भी निकल गया, अर्थ रह गया। इसका परिणाम समय तय करेगा कि अर्थ-अनर्थ-व्यर्थ होगा अथवा पुरुषार्थ।

हाल ही में पत्रिका में एक समाचार छपा था-'हार से कांग्रेस हैरान, नाकारा पदाधिकारियों की होगी छुट्टी।' उम्मीद यह भी जताई है कि एक माह में पहचान करके नए चेहरे लाए जाएंगे। इसमें दो समस्याएं आएंगी- पहली यह कि जिन्होंने पाला-पोसा हो उन्हें बुरा कौन बताए? और दूसरी यह कि कार्रवाई के अन्त में बचेगा कौन? आलाकमान के आदेश जारी करते ही प्रक्रिया भी शुरू हो चुकी। कारण वही है जो प्रत्येक संस्था की गिरावट में बने रहते हैं। फिर प्रत्येक व्यक्ति/देश का भी अपना भविष्य होता है।

प्रकृति का एक नियम है-व्यक्ति अपने किए का फल स्वयं ही भोगता है। जैसा आप दूसरों के साथ करते हैं, वही लौटकर आपके पास आता है। अतः कांग्रेस को पहले यह चिन्तन करना चाहिए कि पिछले 75 सालों में उसने देश को क्या दिया। उत्तर तो इसी प्रश्न में निहित है। देश सदा लेने वाला रहा, कांग्रेस सदा देने वाली बनी रही। दोनों एक नहीं थे। लोकतंत्र में तीनों पाये-विधायिका, न्यायपालिका और कार्यपालिका, तीनों ही देने वाले बने रहे। देश का हिस्सा नहीं बने। कार्यपालिका और कुछ सीमा तक न्यायपालिका तो आज भी भारतीय चिन्तन, भारतीय संस्कृति और देश के विकास में भागीदारी से दूर ही हैं। अंग्रेजी संस्कृति के मोह ने उन्हें सत्ताभोगी और जनता से निरपेक्ष बना रखा है। कार्यपालिका तो अंग्रेजों की भांति दोनों हाथों से लूटने में लगी हुई है। कांग्रेस ने उनको इसी दिशा में प्रशिक्षित किया है।

कांग्रेस के बड़े निर्णय, कानून, संशोधन तथा सामाजिक व्यवहार सत्ता के परिप्रेक्ष्य में अधिक रहे। नेता भाषण देने वाले और कार्यकर्ता सेवादल के रूप में। बड़े नेता जमीनी हकीकत से सदा दूर रहे। अंग्रेजी कानूनों और निर्णय को, शिक्षा नीति को, तुष्टिकरण को देश की संस्कृति से दूर ही रखा। गांधीजी के समय से ही कांग्रेस तुष्टिकरण की नाव पर सवार रही। नेहरू के समय उनकी शेख अब्दुला से नजदीकियां, इंदिरा गांधी का फिरोज गांधी से विवाह और सोनिया गांधी का संगठन पर एकाधिकार तथा राहुल-प्रियंका का भारतीय सांस्कृतिक धरातल से ज्यादा जुड़ाव नहीं होना जैसे कारण रहे जिन्होंने कांग्रेस को जनजीवन में प्रवेश नहीं करने दिया।

सिमट चुके कार्यकर्ता@पेज10

gulabkothari@epatrika.com

तीन फैसले : अभिव्यक्ति की आजादी का पहरुआ बना सुप्रीम कोर्ट

फ्री स्पीच-शालीनता दोनों जरूरी, नैतिकता का ध्यान रख करें रेगुलेट

1 'हम कोई ऐसी व्यवस्था नहीं चाहते जिससे सेंसरशिप बढ़े'

2 '75 साल हो गए, पुलिस बोलने की आजादी को समझे'

3 'पोस्ट ब्लॉक करने से पहले अपलोड करने वाले का पक्ष लें'

कोर्ट रूम लाइव

रणवीर इलाहाबादिया को शो शुरू करने की अनुमति

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. समय रैना के शो 'इंडियाज गॉट लेटेंट' में अभद्र भाषा का इस्तेमाल कर आलोचनाओं के शिकार रणवीर इलाहाबादिया के लिए सोमवार का दिन राहत भरा रहा। सुप्रीम कोर्ट ने यूट्यूबर रणवीर को इस शर्त पर अपने पॉडकास्ट को फिर से शुरू करने की अनुमति दी कि वह 'शालीनता और नैतिकता के मानकों' को बनाए रखेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से कहा कि केंद्र से विचार-विमर्श करके कुछ ऐसे उपाय सुझाएं जो अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार का हनन न करें बल्कि यह सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त प्रभावी हों कि यह 19(4) के दायरे में रहे।

इससे पहले, इलाहाबादिया या उनके सहयोगियों को अगले आदेश तक यूट्यूब या संचार के किसी अन्य ऑडियो/वीडियो विजुअल मोड पर कोई भी शो प्रसारित करने से रोक दिया गया था। जस्टिस सूर्यकांत और एन. कोटिश्वर सिंह की पीठ ने कहा, 'हम कोई ऐसी व्यवस्था नहीं चाहते जिससे सेंसरशिप बढ़े, लेकिन कुछ भी कहने की छूट नहीं दी जा सकती।'

समय रैना की खिंचाई 'युवा पीढ़ी ओवर स्मार्ट, उन्हें पता नहीं क्या हो सकता है' @पेज02

बचाव पक्ष : 280 की आजीविका का सवाल

■ **अभिनव चंद्रचूड़ (इलाहाबादिया के वकील):** शो बंद करने से 31 वर्षीय इलाहाबादिया की आजीविका प्रभावित होगी। अदालत निर्देश दे सकती है कि वह अब एक भी अभद्र शब्द न बोले।

■ **अभिनव चंद्रचूड़:** इलाहाबादिया के साथ 280 कर्मचारी हैं और यही उनकी आजीविका का स्रोत है। ... उनमें हास्य की भावना नहीं है, लेकिन वे खिलाड़ियों, राजनेताओं, आध्यात्मिक नेताओं जैसे व्यक्तित्वों का साक्षात्कार करते हैं। इसी तरह से वे आजीविका कमाते हैं।

सरकार : यह अश्लील नहीं, विकृति

■ **तुषार मेहता:** मैंने जिज्ञासा के कारण शो देखा, और यह अश्लील नहीं, बल्कि विकृत है। हास्य एक चीज है, अश्लीलता दूसरी बात है और विकृति एक तीसरा ही स्तर है। उन्हें कुछ समय के लिए चुप रहने दें।

सुप्रीम कोर्ट : कुछ रेगुलेशन भी जरूरी

■ **पीठ:** समाज के नैतिक मानकों के संदर्भ में अस्वीकार्य कार्यक्रमों के प्रसारण को रोकने के लिए रेगुलेशन की आवश्यकता हो सकती है।

■ **पीठ:** इस संबंध में नियामक उपाय सार्वजनिक डोमेन में रखा जा सकता है ताकि हितधारकों से सुझाव आमंत्रित किए जा सकें।

सोशल मीडिया

'ऐ खून के प्यासे बात सुनो' राष्ट्र विरोधी नहीं

नई दिल्ली. अभिव्यक्ति की आजादी से जुड़े एक अन्य मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि संविधान लागू हुए 75 साल हो गए, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को कम से कम अब तो पुलिस को समझना चाहिए। जस्टिस अभय एस. ओका और जस्टिस उज्जल भुइयां की बेंच ने कांग्रेस सांसद और शायर इमरान प्रतापगढ़ी की एक अपील पर सुनवाई के दौरान कविता 'ऐ खून के प्यासे बात सुनो' की पंक्तियां पढ़ते हुए कहा कि यह तो अहिंसा का संदेश दे रही है जिसका धर्म और राष्ट्रविरोधी गतिविधि से कोई लेना-देना नहीं है। प्रतापगढ़ी पर गुजरात में केस दर्ज किया गया है। कोर्ट ने इस मामले में फैसला सुरक्षित रख लिया।

कंटेंट हटाने से पहले यूजर को नोटिस जरूरी

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट ने एक पीआइएल पर सुनवाई के दौरान सोमवार को मौखिक टिप्पणी की कि सोशल मीडिया से कोई पोस्ट हटाने से पहले यदि उसे अपलोड करने वाले की पहचान है तो उसे नोटिस दिया जाना चाहिए। जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस एजी मसीह की बेंच सोशल मीडिया खातों/पोस्टों को ब्लॉक करने से संबंधित आइटी नियमों को चुनौती देने वाली पीआइएल पर सुनवाई कर रही थी।

पहली तस्वीर : चांद पर उगा सूरज...

टैक्सास. चांद पर सूर्योदय की पहली तस्वीर। अमरीकी कंपनी फायरफ्लाई के रोबोटिक लैंडर 'ब्ल्यू घोस्ट' ने पहली बार चांद पर सूर्योदय को कैमरे में कैद किया। ब्ल्यू घोस्ट 14 मार्च को चांद पर सूर्यग्रहण के नजारे को कैद करेगा क्योंकि इसके लैंडिंग स्थल पर धरती की छाया पड़ेगी। 'ब्ल्यू घोस्ट' रविवार को चांद की सतह पर उतरा है। इसे जनवरी में स्पेसएक्स रॉकेट से लॉन्च किया गया था। फायरफ्लाई निजी क्षेत्र की दूसरी ऐसी कंपनी है जिसे चांद पर उतरने में कामयाबी मिली है।

कारोबारी कूटनीति : आठ मार्च तक दौरे पर मंत्री

ट्रंप टैरिफ की धुंध हटाने के मिशन पर अमरीका गए गोयल

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल अचानक अमरीका दौरे पर रवाना हो गए हैं। यह दौरा ऐसे समय हो रहा है, जब अमरीकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप भारत समेत कई देशों पर रेसिप्रोकल (पारस्परिक) टैक्स लगाने की तैयारी में हैं। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट में सरकारी सूत्रों के हवाले से बताया गया कि पहले से तय बैठकें रद्द करने के बाद गोयल का यह दौरा अप्रत्याशित है। दौरा आठ मार्च तक चलेगा। गोयल ने फिलहाल दौरे पर कोई टिप्पणी नहीं की है। चीन, कनाडा और मेक्सिको पर अमरीका टैरिफ लगा चुका है। शेष@पेज10

यात्रा में संभावना...

- गोयल ट्रंप के **रेसिप्रोकल टैक्स पर चीजों को स्पष्ट करने की कोशिश** करेंगे।
- भारत पर इसके **संभावित प्रभाव का आकलन करने की कोशिश** होगी।
- भारतीय निर्यातकों के लिए **रियायतें मिलने की संभावना पर चर्चा** करेंगे।
- द्विपक्षीय व्यापार समझौते **(बीटीए) को आगे बढ़ाने पर भी बातचीत** होगी।
- सप्लाई चेन मजबूत करने और **व्यापार में पारदर्शिता बढ़ाने पर चर्चा।**

न्यूज विंडो

नेत्र रोग विशेषज्ञ की आंखें दान

इंदौर@ पत्रिका. बैडमिंटन खेलते समय इंदौर में एक डॉक्टर की हार्ट अटैक से मौत हो गई। सोमवार की सुबह एक निजी क्लब में खेलने के दौरान डॉ.अनुराग श्रीवास्तव (64) अचेत होकर गिरे। उन्हें पास के ही अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। डॉ. श्रीवास्तव नेत्र रोग विशेषज्ञ थे। बड़े बेटे के पास स्वीडन गई उनकी पत्नी और आर्मी में पदस्थ बेटे को इसकी सूचना दी गई। परिजनों ने बताया कि दो-तीन माह पहले स्पाइन की सर्जरी हुई थी, लेकिन पूरी तरह स्वस्थ थे। परिवार ने डॉ.श्रीवास्तव की आंखें दान की हैं।

झरोखा

विवाद : क्रिकेट कप्तान पर टिप्पणी से बवाल

कांग्रेस प्रवक्ता बोलीं, रोहित शर्मा मोटे-बेअसर, पार्टी ने पल्ला झाड़ा

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा पर कांग्रेस प्रवक्ता शमा मोहम्मद की टिप्पणी को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। शमा ने रोहित की फिटनेस पर सवाल उठाते हुए सोशल मीडिया पर लिखा, 'खिलाड़ी के तौर पर रोहित शर्मा मोटे हैं, उन्हें वजन कम करना चाहिए।' भाजपा ने बयान की निंदा की तो बीसीसीआइ ने इसे दुर्भाग्यपूर्ण बताया है।

शमा मोहम्मद ने एक्स पर लिखा था, सौरव गांगुली, सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़, महेंद्र सिंह धोनी, विराट कोहली, कपिल देव और रवि शास्त्री जैसे दिग्गजों से तुलना करें तो रोहित शर्मा में ऐसा क्या वर्ल्ड क्लास है? वह औसत दर्जे के खिलाड़ी और अप्रभावी कप्तान हैं। पार्टी की खिंचाई के बाद शमा ने पोस्ट जरूर हटाई, लेकिन सफाई देते हुए कहा, यह एक खिलाड़ी की फिटनेस के बारे में सामान्य ट्वीट था। पार्टी के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने कहा कि शमा की टिप्पणी कांग्रेस का मत नहीं है। हमारी पार्टी खेल हस्तियों का सम्मान करती है। उधर, खेल मंत्री मनसुख मंडाविया ने टिप्पणी को शर्मनाक बताया। उन्होंने कहा, इस तरह की टिप्पणियां हमारे खिलाड़ियों की कड़ी मेहनत और बलिदान को कमतर आंकती हैं। बीसीसीआइ सचिव देवजीत सैकिया ने कहा कि यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि हमारे कप्तान के लिए इस तरह की टिप्पणी ऐसे व्यक्ति की ओर से आई है, जो जिम्मेदार पद पर है।

भाजपा ने की राहुल गांधी से तुलना...

भाजपा नेता शहजाद पूनावाला ने कहा, जो लोग राहुल गांधी की कप्तानी में 90 चुनाव हार चुके हैं, वे रोहित शर्मा की कप्तानी को अप्रभावी बता रहे हैं। दिल्ली में छह बार शून्य पर आउट होना और 90 बार चुनावी हार प्रभावशाली है, लेकिन टी20 विश्व कप जीतना नहीं! कप्तान के रूप में रोहित का ट्रैक रेकॉर्ड शानदार है।

गुजरात दौरा : गिर में खुली जीप में जंगल के राजा को कैमरे में किया कैद

भारत की 28 नदियों में 6327 डॉल्फिन, मोदी ने जारी की पहली आकलन रिपोर्ट

हाथ में कैमरा, सामने शेर... मोदी की गिर नेशनल पार्क में सैर

गुजरात में गिर नेशनल पार्क में सोमवार को जंगल सफारी के दौरान दिखे शेर को कैमरे में कैद करते पीएम मोदी।

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

अहमदाबाद. गुजरात के बन्नी घास के मैदान अब मध्यप्रदेश के गांधीसागर अभयारण्य से लाए चीतों से आबाद होंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यह घोषणा सोमवार को जूनागढ़ जिले के सासण गिर में राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड की 7वीं बैठक में की। उन्होंने देश में पहली बार नदी डॉल्फिन अनुमान रिपोर्ट जारी की। इस रिपोर्ट के अनुसार देश में 6,327 नदी डॉल्फिन हैं। यह अनुमान आठ राज्यों की 28 नदियों का सर्वेक्षण करने के बाद जारी किया गया। इस दौरान 3150 दिन में 8,500 किलोमीटर से अधिक क्षेत्र को कवर किया गया। सबसे अधिक संख्या उत्तर प्रदेश में दर्ज की गई। शेष@पेज10

जंगल सफारी

पीएम मोदी ने जूनागढ़ जिले में गिर अभयारण्य में जंगल सफारी की और शेरों की तस्वीर कैमरे में कैद की। उन्होंने एक्स पर लिखा, विश्व वन्यजीव दिवस पर आइए हम अपने ग्रह की अविश्वसनीय जैव विविधता की रक्षा और संरक्षण की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराएं। विस्तृत @ पेज 02

सियासत : परिसीमन को लेकर स्टालिन की अपील

'नवविवाहित तुरंत बच्चे पैदा करें और उन्हें अच्छा तमिल नाम दें'

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

चेन्नई. तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने केंद्र की कथित प्रस्तावित परिसीमन योजना पर तंज करते हुए राज्य के नवविवाहित जोड़ों से अपील की कि वे तुरंत बच्चे पैदा करें और उन्हें अच्छा तमिल नाम दें। नागपट्टनम के एक समारोह में उन्होंने कहा, मैं पहले नवविवाहितों से परिवार बढ़ाने की योजना बनाने से पहले समय लेने को कहता था, लेकिन अब ऐसा नहीं है। केंद्र परिसीमन की योजना बना रहा है। नवविवाहित अपने परिवार को बढ़ाने की योजना तुरंत बना लें, ताकि जब यह प्रक्रिया (परिसीमन) अपनाई जाए तो हमें लाभ मिल सके।

स्टालिन ने कहा, हमने परिवार नियोजन पर ध्यान केंद्रित किया और सफल रहे, लेकिन हमें इस तरह की स्थिति में धकेल दिया गया। सत्तारूढ़ द्रमुक परिसीमन योजनाओं का विरोध करने में मुखर रही है, जिसमें जनसांख्यिकीय परिवर्तनों के आधार पर संसदीय और विधानसभा क्षेत्रों की सीमाओं को नए सिरे से तय करना शामिल है। शेष@पेज10

एम.के. स्टालिन

भाजपा का पलटवार

भाजपा प्रवक्ता सी.आर. केशवन ने स्टालिन की टिप्पणियों की निंदा करते हुए इन्हें हताश और ध्यान भटकाने वाले नाटक का हिस्सा बताया। केशवन ने कहा कि क्या द्रमुक में राहुल गांधी से सवाल करने और 'जितनी आबादी, उतना हक' के उनके आह्वान पर स्पष्टीकरण मांगने का साहस है?

ट्रेंडिंग न्यूज

जम्मू-कश्मीर

तीन आतंकियों की संपत्तियां कुर्क

श्रीनगर@पत्रिका. कोर्ट के आदेश पर जम्मू-कश्मीर पुलिस ने पुंछ में तीन आतंकियों की 28 लाख रुपए की जमीन कुर्क कर ली है। नजब दीन, मोहम्मद लतीफ व मोहम्मद बशीर नाम के इन आतंकियों पर पीओके से जम्मू-कश्मीर में आतंकी घटनाओं को अंजाम देने का आरोप है।

राजस्थान

आइआइटियन बाबा हिरासत में, जमानत मिली

जयपुर@पत्रिका. आइआइटियन बाबा अभय सिंह को पुलिस ने सोमवार को एक होटल से हिरासत में लिया। पुलिस को सूचना मिली थी कि वह खुदकुशी का प्रयास कर रहे हैं। पुलिस जब पहुंची तो वह नशे में थे। उनके पास मादक पदार्थ की पुड़ी मिली। बाद में जमानत पर छोड़ दिया गया।

छत्तीसगढ़ कोयला घोटाला

निलंबित अधिकारी साहू को अंतरिम बेल

नई दिल्ली@पत्रिका. छत्तीसगढ़ कोयला घोटाला मामले में सुप्रीम कोर्ट ने निलंबित आइएएस अधिकारी रानू साहू को अंतरिम जमानत दे दी है। जांच में ज्यादा वक्त लगने पर इन्हें राहत देते हुए कोर्ट ने सरकार से इनके आचरण पर रिपोर्ट पेश करने को कहा है। विस्तृत @ पेज 07

कोई जीता, कोई हारा | **एडल्ट कॉमेडी 'अनोरा' की धूम, सबसे ज्यादा पांच ट्रॉफी जीतीं**

भारत के लोगों को नमस्कार... ऑस्कर समारोह में गूंजी हिंदी

लाइव एक्शन शॉर्ट फिल्म की श्रेणी में 'अनुजा' खिताब से चूकी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

लॉस एंजिलिस. ऑस्कर अवॉर्ड समारोह में रविवार रात को हिंदी गूंजी। पहली बार यह समारोह होस्ट कर रहे हॉलीवुड के अभिनेता कॉनन ओ ब्रायन ने लॉस एंजिलिस के डॉल्बी थिएटर से हिंदी में भारत का अभिवादन किया। उन्होंने सीधा प्रसारण देख रहे भारतीयों को संबोधित करते हुए कहा, 'भारत के लोगों को नमस्कार। वहां सुबह हो चुकी है, मुझे उम्मीद है कि आप नाश्ते के साथ ऑस्कर समारोह देख रहे हैं।'

लॉस एंजिल्स में चार ऑस्कर अवॉर्ड के साथ फिल्म 'अनोरा' के निर्देशक सीन बेकर। उन्हें पटकथा, फिल्म संपादन, निर्देशन और सर्वश्रेष्ठ चित्र के लिए अवॉर्ड दिया गया।

इस बार ऑस्कर में भारत की किसी प्रविष्टि को नामांकन हसिल नहीं हुआ था। शेष@पेज10

इस बार ये रहे सर्वश्रेष्ठ...

फिल्म	अनोरा
अभिनेता	एंड्रियन ब्रॉडी (द ब्रूटलिस्ट)
अभिनेत्री	माइकी मेडिसन (अनोरा)
सह-अभिनेता	कीरेन कुल्किन (ए रियल पेन)
सह-अभिनेत्री	जोई सल्दाना (एमीलिया पेरेज)
निर्देशक	सीन बेकर (अनोरा)
मौलिक पटकथा	अनोरा
संपादन	अनोरा
फोटोग्राफी	द ब्रूटलिस्ट
विदेशी फिल्म (ब्राजील)	आइ एम स्टिल हियर

फिल्मकार सीन बेकर के नाम जुड़ा रेकॉर्ड

'अनोरा' के निर्देशक सीन बेकर एक ही फिल्म के लिए चार व्यक्तिगत ऑस्कर जीतने वाली पहली हस्ती बन गए हैं। वॉल्ट डिज्नी ने 1953 में चार ऑस्कर जीते थे, लेकिन पांचों अलग-अलग फिल्मों के लिए थे। साठ लाख डॉलर (करीब 52.42 करोड़ रुपए) में बनी 'अनोरा' ने दुनियाभर में 4.1 करोड़ डॉलर (करीब 358 करोड़ रुपए) का कारोबार किया। भारत में यह फिल्म इसी महीने ओटीटी पर रिलीज होगी।

मेडिकल महान : कनाडा में पहली बार 'टूथ-इन-आई' सर्जरी का कारनामा

डॉक्टरों ने दृष्टिहीन महिला के दांत से विकसित किया आंखों का लेंस, फिर देख सकेगी दुनिया

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

वैंकूवर. कनाडा के डॉक्टरों ने ऐसा कारनामा किया है, जिसने दृष्टिहीनों के लिए नई उम्मीद जगा दी है। उन्होंने दस साल से दृष्टिहीन महिला गेल लेन की 'टूथ-इन-आई' सर्जरी की है। दावा किया जा रहा है कि महिला फिर दुनिया देख सकेगी। वैंकूवर के माउंट सेंट जोसेफ अस्पताल में की गई विशेष सर्जरी में महिला के दांत का इस्तेमाल कर उसकी आंखों के लिए लेंस तैयार किया गया। कनाडा में अपने किस्म की यह पहली सर्जरी है।

डॉक्टरों का कहना है कि यह प्रक्रिया उन लोगों के लिए फायदेमंद हो सकती है, जिनकी आंख की बाहरी सतह खराब हो चुकी है, लेकिन रेटिना और ऑप्टिक नर्व स्वस्थ हैं। शेष@पेज10

प्रक्रिया के दो चरण

डॉक्टरों ने पहले महिला का एक दांत निकाला। उसमें प्लास्टिक लेंस डाला गया। दांत तीन महीने के लिए गाल की त्वचा में प्रत्यारोपित किया गया, ताकि उसमें टिश्यू बन सकें। महिला की आंख की ऊपरी सतह को हटाकर उसकी जगह गाल की स्किन का ग्राफ्ट लगाया गया, जो कॉर्निया का काम करेगा।

सिर्फ इन पर कारगर

डॉक्टरों के मुताबिक यह सर्जरी सिर्फ उन लोगों के लिए उपयोगी है, जिनकी दृष्टि गंभीर कॉर्नियल ब्लाइंडनेस के कारण प्रभावित हुई है। सर्जरी के बाद महिला ने कहा, मैंने 10 साल से खुद को नहीं देखा। अगर फिर से देख सकूं तो यह मेरे लिए बहुत खुशी की बात होगी।

पीएम ने नेशनल बोर्ड फॉर वाइल्डलाइफ की 7वीं बैठक की अध्यक्षता की

गुजरात में बन्नी घास के मैदानों में भी होगा चीतों का बसेरा

- एशियाई शेरों की संख्या के 16वें अनुमान की घोषणा
- देश में नदी डॉल्फिन की कुल संख्या 6,327
- घड़ियाल के लिए नया प्रोजेक्ट, कई अहम घोषणाएं

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

नई दिल्ली / अहमदाबाद. जामनगर. जूनागढ़. गुजरात के बन्नी घास के मैदानों में भी अब चीतों का बसेरा होगा। चीता को मध्य प्रदेश के गांधीसागर अभयारण्य से कच्छ के बन्नी घास के मैदानों सहित अन्य क्षेत्रों में भी लाया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यह अहम घोषणा सोमवार को जूनागढ़ जिले के सासण गिर में राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड की 7वीं बैठक की अध्यक्षता करते हुए की। बैठक के दौरान प्रधानमंत्री ने उन्होंने कई अहम घोषणाएं कीं। उन्होंने देश में पहली बार नदी डॉल्फिन अनुमान रिपोर्ट जारी की। इस रिपोर्ट के अनुसार देश में नदी डॉल्फिन की कुल संख्या 6,327 है। इस प्रयास में आठ राज्यों की 28 नदियों का सर्वेक्षण किया गया, जिसमें 8,500 किलोमीटर से अधिक क्षेत्र को कवर करने के लिए 3150 दिनों का समय लगा। सबसे अधिक संख्या उत्तर प्रदेश में दर्ज की गई वहीं इसके बाद बिहार, पश्चिम बंगाल और असम का स्थान रहा।

राष्ट्रीय वन्यजीव रेफरल सेंटर का शिलान्यास : उन्होंने जूनागढ़ में राष्ट्रीय वन्यजीव रेफरल सेंटर की आधारशिला भी रखी। यह वन्यजीव स्वास्थ्य और रोग प्रबंधन से संबंधित विभिन्न पहलुओं के समन्वय और प्रशासन के लिए एक केंद्र के रूप में कार्य करेगा। प्रधानमंत्री ने वर्ष 2025 में आयोजित होने वाले शेरों की संख्या का अनुमान करने के 16 वें चक्र की शुरुआत की घोषणा की। एशियाई शेरों की संख्या का अनुमान हर पांच साल में एक बार किया जाता है। पिछली बार ऐसा 2020 में किया गया था।

बरडा अभयारण्य में शेर संरक्षण पर जोर : एशियाई शेरों के प्राकृतिक फैलाव के माध्यम से पोरबंदर जिले के बरडा वन्यजीव अभयारण्य को अपना घर बनाने को देखते हुए पीएम मोदी ने घोषणा की कि बरडा में शेर संरक्षण को शिकार वृद्धि और अन्य आवास सुधार प्रयासों के जरिए समर्थन दिया जाएगा।

कोयंबटूर में उत्कृष्टता केंद्र स्थापित होगा : पीएम ने मानव-वन्यजीव संघर्ष के प्रभावी प्रबंधन के लिए प्रधानमंत्री ने कोयंबटूर के एसएसीओएन (सलीम अली पक्षी विज्ञान और प्राकृतिक इतिहास केंद्र) में भारतीय वन्यजीव संस्थान परिसर में उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने की घोषणा की। यह केंद्र राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को उन्नत प्रौद्योगिकी के साथ तीव्र प्रतिक्रिया टीमों, ट्रैकिंग, पूर्व चेतावनी के लिए गैजेट से लैस करने में सहायता करेगा। साथ ही मानव-वन्यजीव संघर्ष के हॉटस्पॉट में निगरानी और घुसपैठ का पता लगाने वाली प्रणालियों को निर्धारित करेगा।

रिमोट सेंसिंग, एआई पर जोर: जंगल की आग और मानव-पशु संघर्ष जैसी समस्याओं से निपटने के लिए रिमोट सेंसिंग और भू-स्थानिक मानचित्रण तथा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग के उपयोग पर जोर दिया।

बाघ अभयारण्यों के बाहर संरक्षण की घोषणा : मोदी ने बाघ अभयारण्यों के बाहर बाघों के संरक्षण पर केंद्रित एक योजना की घोषणा की। इस पहल का उद्देश्य स्थानीय समुदायों के साथ सह-अस्तित्व सुनिश्चित करके इन अभयारण्यों के बाहर के क्षेत्रों में मानव-बाघ और अन्य सह-शिकारी संघर्षों को संबोधित करना है।

भालू, घड़ियाल, जीआईबी संरक्षण को टास्क फोर्स बनाएं : पीएम ने घड़ियालों की घटती जनसंख्या को देखते हुए तथा उनके संरक्षण को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उनके संरक्षण के लिए एक नई परियोजना शुरू करने की भी घोषणा की। ग्रेट इंडियन बस्टर्ड (जीआईबी) के संरक्षण प्रयासों को बढ़ाने की आवश्यकता को लेकर उन्होंने राष्ट्रीय ग्रेट इंडियन बस्टर्ड संरक्षण कार्य योजना की घोषणा की। भारतीय भालू, घड़ियाल और ग्रेट इंडियन बस्टर्ड के संरक्षण और विकास पर काम करने के लिए विभिन्न टास्क फोर्स के गठन करने को भी कहा। उन्होंने पर्यावरण मंत्रालय के लिए वन्यजीव संरक्षण रणनीति और भविष्य की कार्रवाई के लिए एक रोडमैप तैयार किया।

2014 के बाद से सभी सूचीबद्ध रेलवे पीएसयू को नवरत्न का दर्जा मिला

अब आईआरसीटीसी और आईआरएफसी हुई नवरत्न

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

नई दिल्ली. केंद्र सरकार ने इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉरपोरेशन (आईआरसीटीसी) और इंडियन रेलवे फाइनेंस कॉरपोरेशन (एआईआरएफसी) को नवरत्न कंपनियों के रूप में अपग्रेड करने की मंजूरी दे दी है।आईआरसीटीसी 25वीं और आईआईएफसी 26वीं नवरत्न कंपनी बनी है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने दोनों कंपनियों की टीम को नवरत्न का दर्जा मिलने पर बधाई दी। मंत्री वैष्णव ने कहा कि 2014 के बाद पहली बार सभी 7 सूचीबद्ध रेलवे पीएसयू को नवरत्न का दर्जा मिला है। यह एक बड़ी उपलब्धि है और यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रेलवे परिवर्तन पर केंद्रित दृष्टिकोण को दर्शाता है। इस अवसर पर रेल मंत्री ने वित्त मंत्री का भी आभार व्यक्त किया।

आईआरसीटीसी का शुद्ध लाभ 1111.26 करोड़

आईआरसीटीसी रेलवे मंत्रालय के अंतर्गत एक केंद्रीय सार्वजनिक उपक्रम है, जिसकी वार्षिक आय 4,270.18 करोड़ है। इसका शुद्ध लाभ 1,111.26 करोड़ और नेट वर्थ 3,229.97 करोड़ है। यह कंपनी इस वर्ष स्थापना के 25 वर्ष पूरे करने जा रही है। यह कैटरिंग, टूरिज्म और ऑनलाइन टिकटिंग सेवाओं में अपनी उत्कृष्टता का जश्न मना रहा है। नवरत्न दर्जा मिलने से यात्रा, पर्यटन और आतिथ्य क्षेत्र में अपने परिचालन का विस्तार करने का अवसर मिलेगा।

नवरत्न का दर्जा मिलने के लाभ

1. **वित्तीय स्वायत्तता**
नवरत्न कंपनियां संयुक्त उपक्रम सहायक कंपनियां बना सकती हैं और अधिग्रहण कर सकती हैं बिना सरकार की सीधी मंजूरी के।
2. **परिचालन स्वतंत्रता**
बिजनेस और निवेश से जुड़े फैसले स्वतंत्र रूप से ले सकते हैं ताकि वे निजी कंपनियों से प्रतिस्पर्धा कर सकें। एचआर प्रबंधन में अधिक लचीलापन, जैसे कि बाजार के अनुसार वेतन पर पेशेवरों की भर्ती कर सकते हैं।
3. **वैश्विक विस्तार**
अंतरराष्ट्रीय बाजारों में प्रवेश, रणनीतिक साझेदारी, और वैश्विक स्तर पर विस्तार बिना अधिक सरकारी हस्तक्षेप के कर सकते हैं।
4. **मजबूत बाजार स्थिति**
नवरत्न कंपनियां वित्तीय रूप से मजबूत मानी जाती हैं, जिससे निवेशकों का अधिक विश्वास मिलता है।उनकी बेहतर वित्तीय स्थिति शेयरधारकों को अच्छा रिटर्न प्रदान करने में मदद करती है।

आईआरएफसी : इंडियन रेलवे फाइनेंस कॉरपोरेशन रेलवे मंत्रालय के अंतर्गत एक प्रमुख वित्तीय संस्थान है। यह भारतीय रेलवे के बुनियादी ढांचे के वित्तपोषण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

स्थापना: 12 दिसंबर 1986 (100% सरकारी स्वामित्व) को हुई। राजस्वः 26,644 करोड़ और शुद्ध लाभ 6,412 करोड़ है। वहीं नेट वर्थ: 49,178 करोड़ है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति हिंदी नहीं थोपेगी

तमिलनाडु का दावा निराधार और राजनीतिक : शिक्षा मंत्री

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

चेन्नई. केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) राज्यों पर हिंदी नहीं थोपेगी। इस संबंध में तमिलनाडु के विरोध के पीछे राजनीतिक कारण हैं। प्रधान ने यहां कहा, हमने एनईपी-2020 में कभी नहीं कहा कि केवल हिंदी होगी। हमने केवल यह कहा है कि शिक्षा मातृभाषा पर आधारित होगी, तमिलनाडु में यह तमिल होगी। शिक्षा मंत्री की यह टिप्पणी एनईपी और तीन भाषा नीति के कार्यान्वयन को लेकर तमिलनाडु सरकार और केंद्र में टकराव के बीच आई है। उन्होंने कहा कि मैं कुछ लोगों की राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं का जवाब नहीं देना चाहता। एनईपी-2020 भारत की विभिन्न भाषाओं पर केंद्रित है, चाहे वह हिंदी हो, तमिल हो, उड़िया हो या पंजाबी। सभी भाषाओं का समान महत्व है। तमिलनाडु में कुछ लोग राजनीति के कारण इसका विरोध कर रहे हैं।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने कहा था कि कृत्रिम मेधा (एआई) के युग में स्कूलों में किसी भी भाषा को तीसरी भाषा के रूप में लागू करना अनावश्यक है। उन्नत अनुवाद तकनीक पहले ही भाषा संबंधी बाधाओं को तुरंत दूर कर देती है। छात्रों पर अतिरिक्त भाषाओं का बोझ नहीं डाला जाना चाहिए।

विश्व वन्यजीव दिवस पर जैव विविधता की रक्षा व संरक्षण की प्रतिबद्धता दोहराने की बात कही

प्रधानमंत्री मोदी ने गिर अभयारण्य में सफारी की, देखे एशियाई शेर

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

अहमदाबाद. जूनागढ़. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को विश्व वन्यजीव दिवस पर एशियाई शेरों के आवास के रूप में प्रसिद्ध गिर अभयारण्य में सफारी पर गए। अपने गुजरात दौरे के तीसरे व अंतिम दिन उन्होंने यहां एशियाई शेर भी देखे। पीएम ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि वे सुबह एशियाई शेरों के घर गिर में सफारी पर गए। हम सभी जानते हैं, गिर एशियाई शेरों का घर है। गिर आकर मुझे गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में मेरे कार्यकाल के दौरान किए गए सामूहिक कार्यों की कई यादें भी ताज़ा हो गई।

सामूहिक प्रयासों से बढ़ रही है एशियाई शेरों की आबादी

उन्होंने यह भी लिखा कि पिछले कई वर्षों में सामूहिक प्रयासों से एशियाई शेरों की आबादी लगातार बढ़ रही है। एशियाई शेरों के आवास को संरक्षित करने में आदिवासी समुदायों और आसपास के क्षेत्रों की महिलाओं की भूमिका भी उतनी ही सराहनीय है।

भारत के योगदान पर गर्व : उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि विश्व वन्यजीव दिवस पर आइए हम अपने ग्रह की अविश्वसनीय जैव विविधता की रक्षा और संरक्षण की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराएं। हर प्रजाति एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है - आइए आने वाली पीढ़ियों के लिए उनके भविष्य की रक्षा करें! हमें वन्यजीवों के संरक्षण और सुरक्षा में भारत के योगदान पर भी गर्व है।

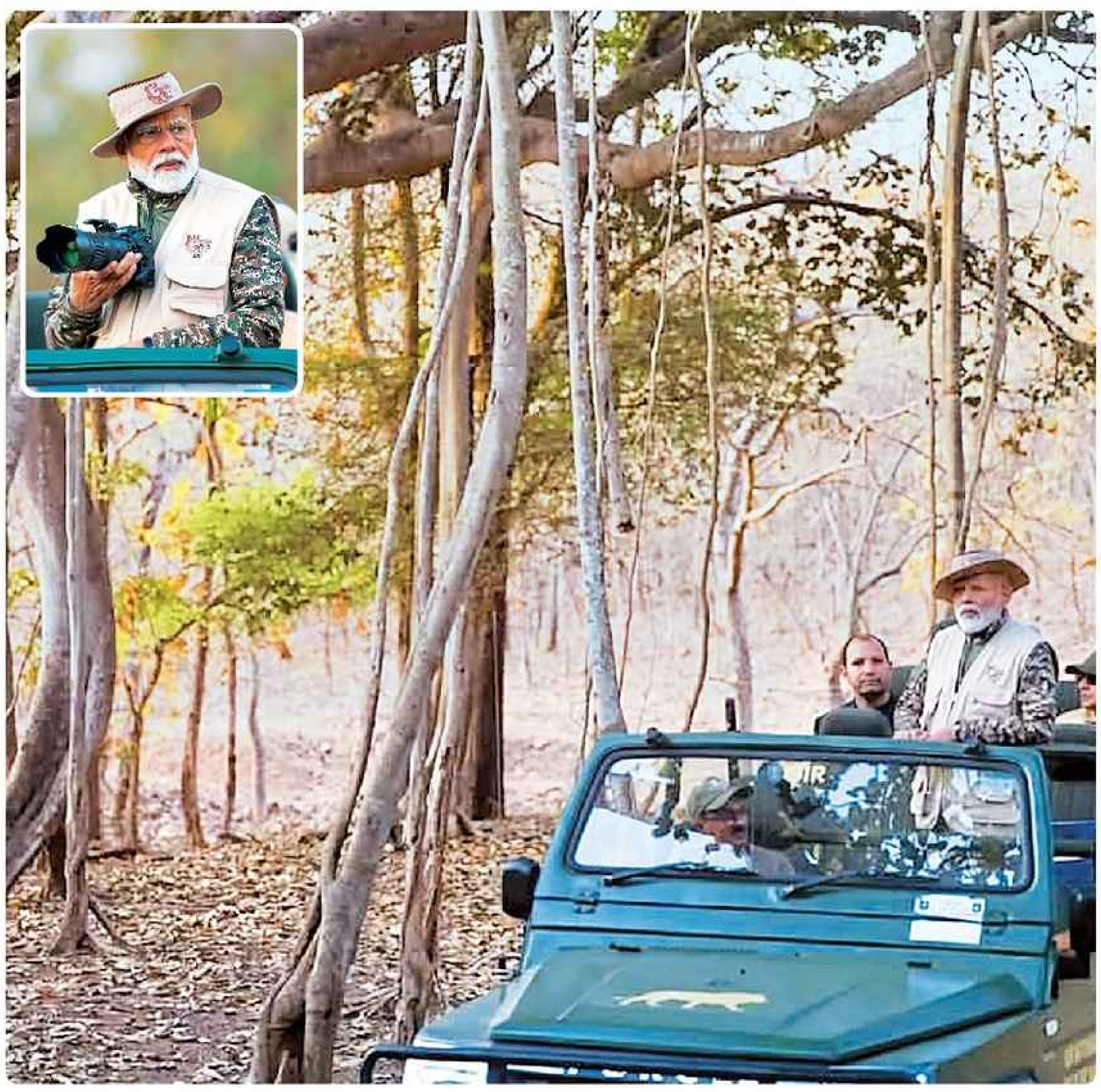

प्रधानमंत्री मोदी ने सोमवार को गिर अभयारण्य में सफारी की और एशियाई शेरों को अपने कैमरे में कैद किया।

सुप्रीम कोर्ट ने की समय रैना की खिंचाई

'युवा पीढ़ी ओवर स्मार्ट, उन्हें पता नहीं क्या हो सकता है'

नई दिल्ली @ पत्रिका. पॉडकास्टर रणवीर इलाहाबादिया की याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कॉमेडियन समय रैना की कनाडा में अपने लाइव शो के दौरान की गई टिप्पणी पर कड़ी आपत्ति जताई। समय रैना का सीधे नाम लिए बिना, जस्टिस सूर्यकांत ने युवा पीढ़ी की आलोचना करते हुए कहा कि वे ओवरस्मार्ट' हैं और सुप्रीम कोर्ट के अधिकार क्षेत्र से अनभिज्ञ हैं। कोर्ट ने कहा, 'उनमें से एक कनाडा गया और इस सब के बारे में बात कीज उन्हें नहीं पता कि क्या किया जा सकता है।' हालांकि, पीठ ने उनकी उम्र को स्वीकार करते हुए कहा, 'हम कार्रवाई नहीं करना चाहते, क्योंकि वे युवा हैं, हम समझते हैं।' अपने एडमोंटन शो के दौरान रैना ने विवाद को हल्के में लेते हुए मजाक में कहा कि टिकट बिक्री से उन्हें कानूनी फीस चुकाने में मदद मिल रही है। एक सहभागी की वायरल फेसबुक पोस्ट में बताया गया कि रैना ने तनाव के बावजूद दर्शकों को कैसे बांधे रखा। उन्होंने मजाकिया अंदाज़ में कहा, 'ऐसे मौकों पर जब मैं कुछ मजेदार कह सकता था,ए तो बस बीयरबाइसेप्स याद रखना, भाई।' रैना ने अपने नाम पर एक नाटक के साथ शो का अंत यह कहते हुए किया कि 'शायद मेरा समय खराब हो, लेकिन याद रखना- मैं ही समय हूं।'

राज्य में तीन नए आपराधिक कानूनों को लागू करने की समीक्षा

3 नए आपराधिक कानूनों के अमल के मामले में आदर्श राज्य बने गोवा : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह

गृहमंत्री अमित शाह ने नई दिल्ली में गोवा के मुख्यमंत्री डॉ. प्रमोद सावंत के साथ की बैठक

शाह ने कहा- 7 वर्ष से अधिक सजा वाले अपराधों में 90 प्रतिशत तक दोषसिद्धि के लक्ष्य के साथ करें कार्य

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

नई दिल्ली. केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने सोमवार को नई दिल्ली में गोवा के मुख्यमंत्री डॉ. प्रमोद सावंत के साथ राज्य में तीन नए आपराधिक कानूनों को लागू करने की समीक्षा करते हुए एक्शन मोड में कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि तीनों कानूनों को लागू करने में गोवा को आदर्श राज्य बनना चाहिए। बैठक में पुलिस, जेल, कोर्ट, अभियोजन और फॉरेन्सिक से संबंधित विभिन्न नए प्रावधानों के कार्यान्वयन और वर्तमान स्थिति की समीक्षा की गई।

गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि त्वरित न्याय दिलाने के लिए जांच और अभियोजन में समयसीमा का सख्ती से पालन होना चाहिए। उन्होंने कहा कि 7 वर्ष से अधिक सज़ा के प्रावधान वाले अपराधों में दोषसिद्धि के प्रमाण को 90 प्रतिशत तक लाने का लक्ष्य रखने की आवश्यकता है। गृह मंत्री ने ई-साक्ष्य पर सभी जांच अधिकारियों के रजिस्ट्रेशन की ज़रूरत पर बल दिया। उन्होंने गोवा में ई-समन को 31 मार्च, 2025 तक पूरी तरह लागू करने का निर्देश दिया।

गृह एवं सहकारिता मंत्री ने एक बार फिर इस बात पर जोर दिया कि संगठित अपराध, आतंकवाद और मॉब लिंचिंग के मामलों की वरिष्ठ पुलिस अधिकारी नियमित मॉनिटरिंग करें ताकि इन अपराधों से जुड़ी धाराओं का दुरुपयोग न हो। इन मामलों से जुड़ी धाराओं के तहत केस दर्ज करने से पहले पुलिस अधीक्षक स्तर के अधिकारी से अनुमति ली जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि पुलिस को अपराधियों के पास से बरामद की गई संपत्ति को नए आपराधिक कानूनों के प्रावधानों के अनुसार उसके असली हकदार को लौटाने की व्यवस्था करनी चाहिए। अमित शाह ने कहा कि फॉरेन्सिक नमूनों की जांच को शत-प्रतिशत तक लाने के लिए सख्ती से काम करें। उन्होंने कहा कि गोवा के मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक तीन नए कानूनों के कार्यान्वयन की प्रगति की निरंतर समीक्षा करें।

आरवीयूएनएल व सिंगरेनी कोलियरीज में एमओयू

थर्मल और सोलर पार्क होंगे स्थापित

जयपुर @ पत्रिका. मुख्यमंत्री निवास पर सोमवार को सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड एवं राजस्थान विद्युत उत्पादन निगम के मध्य एमओयू हुआ। एमओयू के तहत 1600 मेगावाट क्षमता की थर्मल परियोजनाएं तेलंगाना में स्थापित होंगी। इसमें से 800-800 मेगावाट बिजली तेलंगाना एवं राजस्थान को मिलेगी। राजस्थान में 1500 मेगावाट का सोलर पार्क भी स्थापित किया जाएगा।

इस पार्क में लगभग 6 हजार करोड़ रुपए का निवेश होगा। सभी परियोजनाओं की अनुमानित लागत 22 हजार करोड़ रुपए है।

गृह तथा कारागार विभाग की अनुदान मांगों पर चर्चा

एक साल में 221 बार पिटी पुलिस : धारीवाल

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जयपुर. कांग्रेस विधायक शांति धारीवाल ने कहा सरकार नहीं चाहती कि पुलिस का इकबाल कायम रहे। पुलिस का बजट पांच सौ करोड़ रुपए कम कर दिया है। सीएम ने दस अक्टूबर 2024 को बैठक ली थी, इसमें कहा था अपराधी अपराध करना छोड़ दें या फिर राजस्थान छोड़ दें। इसका उल्टा असर हुआ। सीएम को ही जेल से दो बार धमकी मिल गई। प्रदेश में दहशत का माहौल है। पिछले एक साल में 221 जगह घटनाएं ऐसी हुई हैं, जिनमें पुलिस की पिटाई हुई।

धारीवाल ने कहा एससी-एसटी एक्ट में 9 हजार 279 मामले दर्ज हुए हैं। सांचौर के गांव में दलित दूल्हे को घोड़ी से उतारकर पिटाई की गई। हर माह 150 हत्याएं हो रही हैं। हर माह 10 डकैती हो रही हैं। चोरी की 120 घटनाएं रोज हो रही हैं।

'एसपी सुनते नहीं, थानेदार की शिकायत सीएम को करनी पड़ी'

जयपुर @ पत्रिका. सदन में सोमवार को गृह तथा कारागार अनुदान की मांग पर भाजपा के डेगाना विधायक अजय सिंह किलक ने नागौर एसपी पर गंभीर आरोप लगाए और कहा कि वे किसी की सुनते ही नहीं। एक एसएचओ को हटवाने की सुनी नहीं, सीएम को शिकायत देनी पड़ी। इसके बाद कार्रवाई की गई।

किलक ने कहा कि नागौर एसपी को थांवला थानाधिकारी सूरजमल के अवैध बजरी खनन में लिप्त होने की सूचना दी थी, लेकिन उन्होंने कार्रवाई नहीं की। क्षेत्र के लोगों ने बताया कि एसएचओ एक डंपर से 4 हजार से 5 हजार रुपए वसूल करता है।

पोलमपोल भायो

बोलै बाँका गाळ ज्यूं, भारी पड़्ज्या जोस।
आप कमाया कामड़ा, कुण ने देणू दोस!!

अब इतिहास की बात हो गई बनास के मीठे खरबूजे और मतीरे यानी तरबूज की: पहाड़ी से झांकने पर बदहाली पर आंसू बहाती नजर आती है बनास

अवैध बजरी खनन से बंजर में तब्दील हुआ बनास का पेटा

टोंक.राजमहल @ पत्रिका. बनास नदी का पेटा बजरी के अवैध खनन से उबड़-खाबड़ बंजर में तब्दील हो गया है। कभी मीठे पानी की रानी के साथ ही खरबूजे और तरबूज की मिठास के नाम से पहचानी जाने वाली बनास नदी अपनी बदहाली के आंसू बहा रही है। बांध बनने से पूर्व बारिश में तीन माह तक बहती बनास नदी में अब बजरी की आवक बंद हो गई तो कुछ वर्षों से बजरी के धोरों को माफिया की ओर से नोंचती मशीनों ने अब इसे उजाड़ दिया है।

राजमहल. बजरी के अभाव में बंजर होती बनास नदी का 500 मीटर ऊंचाई पर स्थित पहाड़ी से लिया गया दृश्य।

खरबूजे व तरबूज से लेकर तरकारी तक का लुत्फ

आज से बीस वर्ष पूर्व बनास नदी के सम्पूर्ण हिस्से में खरबूजे और तरबूज की खेती होती थी। यहां के खरबूजे व तरबूज राजधानी तक अपनी मिठास को लेकर अलग ही पहचान रखते थे। फिर बीसलपुर में बांध का निर्माण होने के बाद कल- कल कर बहती बनास की जलधारा बांध की कैद में बंद हो गई। वहीं माफिया की ओर से लगातार बजरी का अवैध दोहन का दौर शुरू हो गया। जो खनिज विभाग के नियमों को ताक में रखकर नोंचते रहे। अब किसानों तरबूज से मुंह मोड़कर तरकारी की खेती की ओर रूख किया। मगर अब तो बनास में तरकारी का निशान भी मिटने वाला है।

बनास तय करती है 512 किमी का सफर

बीसलपुर बांध को अपने मीठे पानी की जलधारा से सींचने व राजधानी सहित अजमेर व टोंक जिलों के करोड़ों लोगों के कंठतर करती बनास नदी का उद्गम स्थल राजसमंद जिले के खमनोर की पहाड़ियों में वेंरो का मठ से शुरू होता है। जो राजसमंद, चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा, अजमेर, टोंक जिले से होकर 512 किमी का सफर तय करती हुई सवाईमाधोपुर के रामेश्वर नामक स्थान पर चंबल नदी में विलीन हो जाती है। कभी बनास नदी में बजरी के रेतीले धोरों में बहने से इसका मीठा पानी अब यहां फ्लोराइड युक्त जल बनता जा रहा है।

फ्लोराइड युक्त पानी पीने को मजबूर

जानकार सूत्रों ने बताया कि बीसलपुर बांध के डाउन स्ट्रीम में बहती बनास नदी किनारे के गांव ढाणियों के जलस्त्रोत कभी जल धारा से लबालब होते थे, वहां अब लोग फ्लोराइड युक्त पानी पीने को मजबूर हैं, जिसमें राजमहल, बोटूंदा, नयागांव सतवाड़ा, संथली, बनेडिया चारणान, जलसीना, कंवरावास, सहित टोंक शहर तक दर्जनों गांव ढाणियों में अब जलस्रोत जवाब दे ही चुका है। वहीं कंठ तर करने के लिए लोगों को सरकार के जलसंसाधन विभाग के अधीन नलों में पानी आने का इंतजार करना पड़ रहा है।

कूण के बलीचा गांव की घटना

शिकार के लिए ट्रांसफार्मर पर चढ़ा पैंथर, करंट से मौत

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

कूण.(सलूम्बर). कस्बे के निकटवर्ती बलीचा गांव में सोमवार सुबह एक पैंथर शिकार की फिराक में ट्रांसफार्मर पर चढ़ गया। जहां करंट की चपेट में आने से उसकी मौत हो गई। इधर, विद्युत विभाग की लाइन फॉल्ट हो गई।

ग्रामीणों ने बताया कि बलीचा गांव के राजावासक मार्ग पर सोमवार सुबह करीब 6 बजे शिकार की फिराक में घूम रहा पैंथर अचानक विद्युत विभाग के ट्रांसफर पर चढ़ गया। जहां करंट की चपेट से उसकी मौत हो गई। लाइन के फॉल्ट होने पर खेत में काम कर रहे लोगों ने ट्रांसफार्मर पर देखा तो पैंथर चिपका हुआ मिला। इसे लेकर वन विभाग के अधिकारियों को सूचना दी गई। वन नाका कूण के वनपाल हिम्मत सिंह मय टीम मौके पर पहुंचे। जहां ग्रामीणों की मदद से मृत पैंथर को नीचे उतारा गया। इसकी सूचना लसाड़िया रेंजर हर्षद पाटीदार को दी। मौके पर एसडीएम निलेश कुमार कलाल, तहसीलदार रामजीलाल गुर्जर, रेंजर हर्षद पाटीदार, कूण सरपंच धर्मचंद मीणा पहुंचे और मामले की जानकारी ली।

गींगला, धरियावद व कानोड़ से पशु चिकित्सक को बुलाकर पैंथर का मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवाया गया।

ट्रेंडिंग वीडियो पत्रिका

1.

प्रदेश की सियासत में मोड़, गहलोत के बचाव में उतरे पायलट

2.

गर्ग पर विशेषाधिकार वार, बीजेपी आरएलडी गठबंधन में दरार

youtube.com/@RajasthanPatrikaTV

राज्य के वायरल वीडियो, शॉर्ट्स क्यूआर कोड स्कैन कर देखें।

न्यूज शॉर्ट्स

खाने का बिल चुका रहा था... अटैक आया, मौत

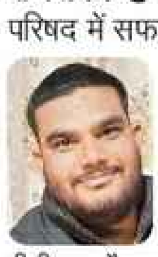

राजसमंद @ पत्रिका. नगर परिषद में सफाई कर्मचारी सचिन गारू(27)की हार्ट अटैक से मौत हो गई। उसके पिता पुलिस में कार्यरत हैं। सचिन टीवीएस चौराहा पर एक रेस्टोरेंट में खाना खाने गया था। खाना खाने के बाद वह बिल चुकाने काउंटर पर गया। वहां पर मौजूद युवक से वह बात कर रहा था। इसी दौरान वह फर्श पर गिर गया। होटल के कर्मचारी और उसके साथी उसे राजकीय आरके चिकित्सालय लेकर पहुंचे। जहां पर चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजन को सौंप दिया।

बाल सभाओं, नो बैग डे के दौरान स्कूलों में होंगे प्रेरक सत्र

बीकानेर @ पत्रिका. स्कूलों में विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण के लिए अब हर सप्ताह प्रेरक सत्र होंगे। बाल सभा तथा नो बैग डे के दौरान संस्था प्रधानों को सप्ताह में एक बार सत्र आयोजित करने को कहा गया है। संस्था प्रधानों को अपने क्षेत्र के वक्ताओं का चयन कर उन्हें सत्रों में आमंत्रित करने के निर्देश भी दिए गए हैं। इनमें विद्यालय के पूर्व विद्यार्थी, जिन्होंने किसी क्षेत्र में विशेष उपलब्धि प्राप्त की हो, सेवानिवृत्त शिक्षक जो प्रेरणास्त्रोत रहे हों, क्षेत्र के प्रतिष्ठित व्यक्ति जो उच्च पद पर हों, चिकित्सक, वैज्ञानिक, लेखक, कलाकार, प्रशासनिक अधिकारी, खिलाड़ी , उद्यमियों को बुलाया जाएगा।

मेघा गांव के पास जली विंड मिल

जैसलमेर @ पत्रिका. मेघा गांव के पास लगी पवन चक्कियों में से एक सोमवार सुबह जलती नजर आई। पशुपालकों ने सुबह 8 बजे विंड मिल को जलते देखा तो इसकी जानकारी हुई। ग्रामीणों ने आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन सफल नहीं रहे। संबंधित कंपनी के कार्मिक भी मौके पर पहुंचे। आग लगने से कम्पनी की यह विंड मिल पूरी तरह से नष्ट हो गई। आग लगने का कारण तकनीकी फॉल्ट बताया जा रहा है। बताया जाता है कि एक विंड मिल को बनाने और स्थापित करने में करीब 5 करोड़ रुपए की लागत आती है।

बिजयनगर प्रकरण: रिमांड खत्म होने पर आरोपी को अदालत में किया पेश

ब्लैकमेल कांड के मुख्य आरोपी की कोर्ट परिसर में जमकर पिटाई

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

अजमेर. बिजयनगर में नाबालिग छात्राओं से देहशोषण, धर्मांतरण व ब्लैकमेल मामले में गिरफ्तार किए गए पूर्व पार्षद हकीम कुरैशी को बिजयनगर थाना पुलिस ने सोमवार दोपहर यहां पॉक्सो न्यायालय में पेश किया। जहां से उसको 11 मार्च तक न्यायिक अभिरक्षा में भेजने के आदेश दिए। जेल ले जाने के दौरान सेशन कोर्ट परिसर में अधिवक्ताओं की भीड़ ने उसकी जमकर पिटाई कर दी। आरोपी को पुलिस ने काफी मशक्कत कर निकाला।

अजमेर. बिजयनगर ब्लैकमेल कांड के आरोपी पूर्व पार्षद हकीम कुरैशी से कोर्ट परिसर में मारपीट करते वकील। फोटो: वाहिद पठान

सोमवार दोपहर पूर्व पार्षद कुरैशी को थानाप्रभारी करणसिंह खंगारोत कड़े सुरक्षा घेरे में लेकर अजमेर सेशन कोर्ट पहुंचे। पेशी के दौरान अदालत परिसर में बड़ी संख्या में अधिवक्ता व अन्य लोग जुट गए। माहौल को देखते हुए वृत्ताधिकारी (नॉर्थ) रूद्र प्रकाश शर्मा ने अतिरिक्त पुलिस जाप्ता मंगवाया। हालांकि सिविल लाइंस थानाप्रभारी राजवीरसिंह पुलिस दल के साथ पहले से मौजूद थे। क्रिश्चियनगंज थानाप्रभारी अरविन्दसिंह चारण भी जाप्ते के साथ पहुंच गए। कुरैशी को कोर्ट से बाहर निकालते ही वहां मौजूद अधिवक्ताओं की भीड़ उस पर टूट पड़ी। पुलिस अधिकारियों और जवानों ने बचाव के प्रयास किए, लेकिन भीड़ ने कुरैशी की जमकर पिटाई लगा दी। सीओ शर्मा व पुलिस के जवान जैसे तैसे उसको खींचते हुए पुलिस वाहन की तरफ ले गए।

कुरैशी बनाता था पीड़िताओं पर दबाव

परिहार ने बताया कि पुलिस पड़ताल में सामने आया कि पूर्व पार्षद हकीम कुरैशी आरोपी युवकों के साथ दुपहिया वाहनों पर आता था। पीड़िताओं को स्कूल जाने के दौरान रास्ते में रोककर उन पर आरोपियों के साथ होटल व कैफे जाने का दबाव बनाता था। कुरैशी अन्य आरोपियों को आर्थिक मदद भी देता था।

अब तक 10 आरोपी गिरफ्तार, तीन निरुद्ध

लोक अभियोजक रूपेन्द्र परिहार ने बताया कि तीन प्रकरणों में अब तक 10 आरोपियों की गिरफ्तारी व 3 नाबालिग को निरुद्ध किया जा चुका है। इसमें 9 आरोपी जेल भेजे जा चुके हैं, जबकि अन्य की तलाश है।

माशिबो की दसवीं-बारहवीं की परीक्षाएं 6 मार्च से

अजमेर @ पत्रिका. राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की उच्च माध्यमिक, वरिष्ठ उपाध्याय (बारहवीं) और माध्यमिक, प्रवेशिका, व्यावसायिक (दसवीं) की परीक्षाएं 6 मार्च से शुरू होंगी। बोर्ड प्रवेश पत्र वेबसाइट पर अपलोड कर चुका हैं। सचिव कैलाशचन्द्र शर्मा ने बताया कि उच्च माध्यमिक, वरिष्ठ उपाध्याय परीक्षा के प्रवेश पत्र तथा माध्यमिक, प्रवेशिका, व्यावसायिक परीक्षाएं 6 मार्च से प्रारंभ होंगी। माध्यमिक प्रवेशिका, व्यावसायिक की परीक्षाएं 4 अप्रेल तक चलेंगी। दसवीं में मूक बधिर की परीक्षाएं 26 मार्च तक चलेंगी। इसी तरह उच्च माध्यमिक, वरिष्ठ उपाध्याय परीक्षाएं 9 अप्रेल तक चलेंगी। मूक बधिर की परीक्षाएं 5 अप्रेल तक चलेंगी। इस वर्ष दसवीं और बारहवीं कक्षा में करीब 20 लाख विद्यार्थी परीक्षा देंगे।

बोर्ड कार्यालय में कंट्रोल रूम शुरू हो चुका हैं। यह 9 अप्रेल तक कार्यरत रहेगा। बोर्ड कंट्रोल रूम के फोन नंबर 0145-2632866, 2632867, 2632868 पर शिकायत दर्ज कराई जा सकेगी। इसके लिए नाम, पता, टेलीफोन, मोबाइल नंबर नोट कराने होंगे।

दोस्ती कर युवती का दो जनों ने किया बलात्कार, आठ गिरफ्तार

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

भीलवाड़ा. भीलवाड़ा शहर में एक युवती के साथ दोस्ती कर कैफे हाउस में बलात्कार करने और एक साल तक यौन शोषण करने का मामला सामने आया है। पीड़िता ने आरोपी के एक साथी पर भी अश्लील वीडियो बनाकर उसे वायरल करने की धमकी देने और बलात्कार करने का गंभीर आरोप लगाया है। पुलिस ने वारदात में लिप्त आठ आरोपियों को सोमवार देर रात गिरफ्तार किया है।

युवती ने रविवार देर रात रिपोर्ट दर्ज करवाई। इसमें पीड़िता का आरोप है कि उसकी सहेली ने मार्च 2024 में शहर के एक कैफे पर बुलाया था। यहां पहले से उसका भाई अशरफ अली उर्फ अशरफ लाला एवं बबलू मौजूद थे। यहां उसे कॉफी में नशीला पदार्थ मिलाकर पिलाया। अशरफ ने बलात्कार किया और वीडियो बनाए। पीड़िता का आरोप है कि अशरफ के दोस्त आमिर व सोहेब ने भी धमकाया और सहेलियों से दोस्ती करवाने का दबाव बनाया। उनकी सोशल मीडिया की आइडी भी जबरन ले ली। आरोपी के दोस्त सनवीर ने 1 जनवरी 2025 को एक कैफे पर बुलाया, सनवीर ने बलात्कार किया। जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह यादव ने बताया कि मामले को गंभीरता से लिया गया। घटना में लिप्त आठ जनों को सोमवार रात को गिरफ्तार किया हैं। इनमें आरोपी भवानीनगर निवासी अशरफ अली उर्फ अशरफ लाला (20), सनवीर मोहम्मद नीलगर (23), शाहरुख खान उर्फ बबलू रंगरेज (30),सोहेब शेख (24), खालिद उर्फ दुल्हा (25) एवं आमिर खान पठान (31) तथा बाबाधाम क्षेत्र निवासी सोयबनूर मोहम्मद मंसूरी उर्फ शोयम (22) व तिलकनगर निवासी फैजान गौरी मंसूरी (24) शामिल हैं।

चालक सहित तीन जने झुलसे

अमराबाद रेस्ट एरिया में टैंकर पलटा, 35 टन केमिकल बहा

लालसोट. अमराबाद रेस्ट एरिया में पलटा टैंकर एवं बहा केमिकल

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

लालसोट (दौसा). दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर रामगढ़ पचवारा थाना क्षेत्र के गांव अमराबाद में बने रेस्ट एरिया पर सोमवार सुबह केमिकल से भरा एक टैंकर पलट गया। टैंकर में भरा केमिकल रेस्ट एरिया में फैलने से हड़कंप मच गया। केमिकल में हाइड्रोक्लोरिक एसिड की मात्रा 30 प्रतिशत ही थी। एसिड की अधिक मात्रा होने पर बड़ा हादसा भी हो सकता था। घटना के दौरान टैंकर में चालक समेत तीन जने मौजूद थे, जो झुलस गए। उन्हें लालसोट से उपचार के बाद जयपुर भेज दिया गया।

लालसोट डिप्टी एसपी दिलीप मीना ने बताया कि केमिकल से भरा एक टैंकर कोटा से सिकंदराबाद जा रहा था, जो कि अमराबाद रेस्ट ऐरिया में पलट गया। टैंकर मालिक के अनुसार इसमें 35 टन हाइड्रोक्लोरिक एसिड था, जो पूरा बह गया। दूसरी ओर जिला हॉस्पिटल में उपचार के लिए पहुंचे हेल्पर तरुण ने बताया कि रेस्ट एरिया की पार्किंग में गाड़ी खड़ी करने के दौरान टायर फटने के बाद टैंकर पलट गया।

रामगढ़ पचवारा उपखंड अधिकारी बद्रीप्रसाद मीना, तहसीलदार मदनलाल मीना, थानाधिकारी रामशरण गुर्जर मौके पर पहुंचे। टैंकर में सवार बुलंदशहर निवासी उमेश, दिल्ली निवासी श्रवण, उत्तरप्रदेश निवासी तरुण एसिड की चपेट में आने से झुलस गए। जिन्हे हाईवे की एंबुलेंस से लालसोट जिला हॉस्पिटल भेजा गया, जहां तीनों को प्राथमिक उपचार के बाद जयपुर रेफर कर दिया गया।

व्यापारी व मेला कमेटी के बीच चल रही खींचतान अब सड़क पर

खाटू का आधा बाजार बंद, पुलिस और प्रशासन के खिलाफ उतरे व्यापारी

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

खाटूश्यामजी. सीकर. मेले के बीच पुलिस व प्रशासन की व्यवस्थाओं के विरोध में परकोटे के व्यापारी उत्तर आए हैं। व्यापारियों ने गलियों को सील करने और व्यवस्था के नाम पर स्थानीय लोगों की परेशानी बढ़ाने का आरोप लगाते हुए सोमवार दोपहर को बाजार बंद कर दिए। बंद की सूचना मिलने पर पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी भी मेला कार्यालय पहुंच गए। देर शाम तक वार्ता नहीं होने पर बाजार बंद रहे। हालांकि खाटू के बाहरी इलाके के बाजार खुले रहे।

पुलिस व प्रशासन के फैसलों के विरोध में बैठक करते व्यापारी।

खबर का असर: पार्किंग ठेका निरस्त

पार्किंग ठेकेदार की ओर से वाहन चालकों से तीन गुना टोल वसूली के मामले में पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी जांच में जुटे रहे। पत्रिका में खबर प्रकाशित होने के बाद प्रशासन ने पार्किंग का ठेका निरस्त कर दिया। वहीं जिन वाहनों से ज्यादा टोल राशि ली गई उनके खातों में राशि वापस जमा कराई जाएगी। अब प्रशासन की ओर से भक्तों को निशुल्क पार्किंग मुहैया कराई जाएगी।

आधार कार्ड के आधार पर मिले प्रवेश की छूट

व्यापारियों ने अधिकारियों से कई मांग की है। इसमें बंद किए गए रास्तों को खोलने, व्यापारियों के कार्ड बनाने, स्थानीय लोगों को आधार कार्ड के आधार पर छूट देने, दुकानों के लिए आने वाले सामान की ट्रांसपोर्ट की गाड़ियों के पास बनाने सहित अन्य मांग की है।

मंदिर इलाके में बाजार बंद होने की वजह से पसरा सन्नाटा।

व्यापारियों की कई मांगों पर बनी सहमति

व्यापारियों से वार्ता हुई थी, इसमें उनके पास जारी करने व आधार कार्ड के आधार पर प्रवेश देने सहित अन्य मांगों पर सहमति बन गई थी। जिन वाहन चालकों से पार्किंग शुल्क ज्यादा लिया गया उनको पार्किंग ठेकेदार की ओर से शुल्क वापस दिए जाने के निर्देश दिए हैं।

मुकुल शर्मा, कलक्टर, सीकर

नयनबारा जंगल के आंबाफला की घटना

घर आंगन में सो रहे बच्चे पर पैंथर ने किया हमला

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

झाड़ोल (उदयपुर). उपखंड क्षेत्र की ग्राम पंचायत नैनबारां के आंबाफला में सोमवार तड़के 4 बजे पैंथर ने घर के आंगन में सो रहे एक बालक पर हमला कर दिया, जिससे बालक का मुंह, आंख और चेहरे के आस-पास पैंथर के नाखून से घाव हो गए।

ग्रामीणों ने बताया कि घर के आंगन में सो रहा नरेंद्र (7) पुत्र ईश्वरलाल पर पैंथर ने हमला किया। पैंथर पहले तो बालक को घर से खींचकर ले जाने लगा। इस दौरान बच्चे के चिल्लाने की आवाज सुनकर परिजन की आंख खुल गई। परिजन ने बच्चे को बचाने का प्रयास किया। परिजन को देख पैंथर जंगल की ओर भाग खड़ा हुआ।

टीम की ओर से घटनास्थल के आस-पास जंगल में निगरानी की जा रही है। अभी तक पैंथर का मूवमेंट नजर नहीं आया है। पैंथर के पगमार्क की पुष्टि होने पर पिंजरा लगा दिया जाएगा।

हीरालाल सैनी, क्षेत्रीय वन अधिकारी, झाड़ोल

शिकायत मिलने पर की जाएगी कार्रवाई

अभिभावकों पर यूनिफॉर्म-किताबों के लिए नहीं डाल सकेंगे दबाव

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

बीकानेर. आगामी शिक्षा सत्र को देखते हुए निजी स्कूल संचालक अभिभावकों पर एक ही दुकान से यूनिफॉर्म एवं पुस्तकों की खरीद के लिए दबाव नहीं डाल सकेंगे। अगर किसी अभिभावक ने स्कूल संचालक की शिकायत कर दी, तो उसके खिलाफ कार्रवाई होगी।

गौरतलब है कि शिक्षा सत्र शुरू होने के साथ ही निजी स्कूल संचालक अभिभावकों पर एक ही विक्रेता से पुस्तकें, यूनिफॉर्म, जूते एवं जुराब आदि खरीदने के लिए दबाव डालते हैं। ऐसे में अभिभावक भी स्कूल संचालक की बताई दुकान से ही इन वस्तुओं की मजबूरन खरीदारी करते हैं। ऐसी शिकायतों को देखते हुए अब शिक्षा विभाग ने गैर सरकारी शिक्षण संस्थानों को निर्देश दिए हैं कि पुस्तकों, यूनिफॉर्म एवं अन्य सामान के विक्रय के लिए विभागीय दिशा निर्देशों की पालना की जाए।

इतना ही नहीं, पुस्तकों की सूची मय प्रकाशक व विक्रेताओं के नाम विद्यालय की वेबसाइट तथा सूचना पटल पर नियमानुसार प्रदर्शित की जाए। जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. रामगोपाल शर्मा ने बताया कि वर्तमान सत्र की समाप्ति तथा नए सत्र के प्रारम्भ पर यदि किसी निजी शिक्षण संस्थान ने एक ही पुस्तक विक्रेता से पुस्तक क्रय करने के लिए अभिभावकों पर दबाव डाला या पाबंद किया अथवा नियमानुसार पुस्तक विक्रेता के नाम शाला की वेबसाइट तथा सूचना पटल पर प्रकाशित नहीं किए, तो इसे विभागीय नियमावली की अवहेलना समझा जाएगा। ऐसी स्थिति में संबंधित संस्था के विरुद्ध नियमानुसार अनुशासनात्मक कार्रवाई प्रस्तावित की जाएगी।

नोडल अधिकारी की नियुक्ति

जिले के निजी विद्यालयों की ओर से दिशा-निर्देशों की पालना एवं पर्यवेक्षण के लिए राउमावि हाडला भाटियान के प्रधानाचार्य शिवशंकर को पर्यवेक्षण अधिकारी नियुक्त किया है।

जंगल की बात | **अभयारण्य में अभी और बढ़ सकता है बाघों का कुनबा**

सरिस्का के 13 शावकों को इस साल मिल जाएगा नाम

जंगल में 18 शावक, तीन का नामकरण पिछले महीने हुआ

दो शावकों का नामकरण रहेगा बाकी

सुशील कुमार
patrika.com

अलवर. सरिस्का टाइगर रिजर्व के 13 शावकों का इस साल के आखिर तक नामकरण हो जाएगा। ये शावक इस साल में अपनी टेरेटरी भी बनाएंगे। करीब दो साल का शावक खुद शिकार करने लगता है। वह अपनी मां से अलग हो जाता है। इनकी टेरेटरी कहां होगी, यह खुद तय करेंगे। इस बीच टेरेटरी की तलाश में यह जंगल से बाहर भी आ सकते हैं।

एसटी 17 के साथ तीन शावक। फाइल फोटो

सरिस्का प्रशासन ने हाल ही एसटी-19 के तीन शावक, जिनकी आयु एक साल 9 माह थी, उनका नामकरण कर एसटी 2403, 2404, 2405 नाम दिया गया। सीनियर गाइड विजय सिंह का कहना है कि यह जंगल में खुद शिकार करते हैं। उनका कहना है कि डेढ़ साल से दो साल के बीच जो शावक होते हैं उनका नामकरण कर दिया जाता है। वह अपनी मां से अलग हो जाते हैं। उसके बाद मां से मुलाकात नहीं होती है। बाघों में इंसानों जैसे रिश्ते नहीं होते हैं। यह अपने परिवार को नहीं पहचानते। वर्ष 2005 में सरिस्का का जंगल बाघविहीन हो गया था। वर्ष 2014 के बाद इनका कुनबा बढ़ने लगा। वर्ष 2024 में 18 शावकों का जन्म हुआ। बताया जा रहा है कि इस साल बाघों का कुनबा और बढ़ सकता है।

इनका होगा नामकरण

1. मार्च 2024 में एसटी 12 ने चार शावकों को जन्म दिया था। कैमरे में ट्रैप होने के दौरान उनकी आयु करीब चार माह थी।
2. मई 2024 में एसटी 27 ने दो शावकों को जन्म दिया। उनकी शावकों की आयु उस समय तीन माह थी।
3. मई 2024 में ही एसटी 22 ने 4 शावकों को जन्म दिया था।
4. जून 2024 में एसटी 17 ने तीन शावकों को जन्म दिया था। कैमरे में ट्रैप होने के दौरान उनकी आयु 4 माह थी।

एरोपोनिक तकनीक से करते हैं खेती

गर्म वातावरण में केसर उगाकर कायम की मिसाल

पत्रिका फीचर डेस्क
patrika.com

कहा जाता है जहां चाह है वहां राह है, यह साबित कर दिखाया है नागपुर की दिव्या और उनके पति अक्षय होले ने। नागपुर की गर्मी में दोनों 400 वर्गफुट के एक कमरे में कश्मीरी केसर की फसल उगा कर सालाना करीब 2 करोड़ का व्यापार कर रहे हैं। इस कृषि से दिव्या और अक्षय ने न केवल किसानों के लिए एक मिसाल कायम की है, बल्कि वे अन्य किसानों को भी इसके लिए प्रेरित कर रहे हैं। उन्होंने करीब 150 किसानों को अपने साथ जोड़ते हुए एक लैब भी स्थापित की है। दिव्या बताती हैं कि साल 2020 तक दोनों नौकरी करते थे। इस दौरान उन्हें किसी ने बताया कि केसर एक महंगा मसाला है और इसकी खेती से अच्छी कमाई हो सकती है। इसके लिए उन्होंने जानकारी एकत्रित की और कश्मीर जाकर दो साल तक वहां खेती की प्रक्रिया जानी और एरोपोनिक तकनीक सीखी। इसके बाद नागपुर में 100 बीजों से 80 स्क्वायर फीट में यह काम शुरू किया, जो आज सालाना 45 किलो केसर की पैदावार में बदल गया है।

कैसे करें घर पर केसर की खेती

दिव्या कहती हैं कि केसर की खेती के लिए ठंडा वातावरण होना चाहिए। जिस कमरे में आप केसर लगा रहे हैं वहां दिन का तापमान 17 डिग्री और रात का तापमान 10 डिग्री सेल्सियस रहना चाहिए। तापमान नियंत्रित रखने के लिए कमरे को थर्माकोल या पफ पैनल से इंसुलेट करें। एरोपोनिक ढाचे में बलुई, रेतीली और चिकनी मिट्टी को भुरभुरा करके डालें। हमेशा मिट्टी में अंकुरित केसर के बल्ब लगाए। कभी भी इसे सीधी धूप में न रखें। वह कहती हैं कि उनके पहले प्रोजेक्ट में पैदावार बहुत कम रही। लोगों ने हमारे प्रयास पर सवाल उठाए एवं फिर से नौकरी करने की सलाह दी। लेकिन हमने हार नहीं मानी, हमें सफलता मिली।

'वर्क @ होम' आइडिया

वीडियो बनाकर दिखाएं अपनी कला और कमाएं पैसे

अगर आपको नई-नई चीजें करने का शौक है तो आप यूट्यूब की सहायता से घर बैठे पैसे भी कमा सकती हैं। यूट्यूबर बनने से पहले आपको अपना विषय चुनना होगा, जिसमें आपकी रुचि हो, जैसे गेमिंग, ब्लॉगिंग, शिक्षा, फिटनेस, कुकिंग, म्यूजिक, डांस आदि। इसके बाद आपको कंटेंट का स्तर तय करना होगा।

- विषय का चुनाव करने के बाद आप वीडियो का आकर्षक थंबनेल और टाइटल बनाएं।
- वीडियो बनाने से पहले एक स्क्रिप्ट या योजना बनाएं। वीडियो से दर्शकों को आकर्षित करने के लिए उसे संक्षिप्त एवं रोचक बनाएं।
- वीडियो पोस्ट करने से पहले आपको कुछ नियमों का ध्यान रखना होगा जैसे कि कॉपीराइट का उल्लंघन ना करना, ट्रेंडिंग टॉपिक्स पर कंटेंट बनाना और समुदाय मार्गदर्शिकाओं का पालन करना।
- वीडियो को सही दर्शकों तक पहुंचाने के लिए वीडियो के टाइटल, डिस्क्रिप्शन और टैग्स में सही कीवर्ड का उपयोग करें ताकि वे अधिक से अधिक खोजे जा सके।
- मोनेटाइजेशन को सक्षम करने के लिए चैनल नियमों का पालन करें।

- आप कई फ्री सोशल मीडिया वेबसाइट से जानकारी एकत्रित करके अपने वीडियो से विज्ञापन जोड़ सकते हैं।
- आपका चैनल बड़ा हो जाता है, तो कंपनियां आपसे अपने उत्पादों का प्रचार करने के लिए संपर्क कर सकती हैं।
- अपने दर्शकों से जुड़ने के लिए वीडियो में कमेंट्स पढ़ें, जवाब दें।

*होम मेकर महिलाओं के लिए **'वर्क@होम'** कॉलम के लिए आपके पास कोई आइडिया है तो आप हमें वॉट्सऐप नंबर **9057531584** पर भेजें।*

गर्म दूध और घी से अच्छी आती है नींद

सीनियर सिटीजन

उम्र बढ़ने के साथ शरीर में वातदोष बढ़ जाता है। इसमें मुख्य रूप से अपच की समस्या देखी जाती है। इसका कारण पाचन क्रिया का धीमा होना या कमजोर होना है। वातदोष से पीड़ित बुजुर्गों को ड्राईफ्रूट्स और ठंडा भोजन लेने से बचना चाहिए।

- आमतौर पर बुजुर्गों को चावल खाने से मना किया जाता है, लेकिन षष्ठिका शाली और रेड शाली इनके लिए बेहतर साबित हो सकते हैं। षष्ठिका शाली चावल, इसे 60 दिन में पकने वाला चावल भी कहते हैं। यह पचाने में आसान और पाचक तत्त्वों से भरपूर होता है। इसमें पोटेशियम और कार्बोहाइड्रेट होते हैं। वहीं रेड शाली शरीर में रक्त की कमी पूरी करता है और आसानी से पचने वाला होता है।
- बुजुर्गों में नींद की समस्या आम बात है। इसे देखते हुए एक गिलास गर्म दूध में एक चौथाई चम्मच घी डालकर पीने से नींद की समस्या में आराम मिलता है। लेकिन अगर आप हृदय रोगी हैं तो इसके लिए अपने चिकित्सक से अवश्य सलाह लेनी चाहिए।
- बुजुर्गों को खाने में आयोडिन युक्त नमक की जगह सेंधा नमक का प्रयोग करना चाहिए। यह उच्च रक्तचाप के मरीजों के लिए अच्छा रहता है।
- बुजुर्गों को हल्की और सुपाच्य मूंग की दाल का सेवन करना फायदेमंद रहता है।
- बुजुर्गों को प्रतिदिन एक आंवला खाना चाहिए। इससे इम्यूनिटी बढ़ने के साथ हड्डियों को कैल्शियम मिलता है।

डॉ. मीनल शर्मा, आहार विशेषज्ञ, patrika.com

किचन में कार्य करते समय खाना बनाने से लेकर उसकी साफ-सफाई तक में काफी तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में अगर आपके पास कुछ किचन सोल्युशन हों तो आपके नाम व अपनी फोटो सहित हमें वाट्सऐप नंबर 9057531584 पर भेजें। शी न्यूज पेज पर इन्हें प्रकाशित किया जाएगा। फेसबुक पेज से जुड़ने के लिए यह क्यूआर कोड स्कैन करें।

पत्रिका शी न्यूज़ | हमसे जुड़ें facebook.com/patrikaSheNews

अर्बुदा गोनंदी तीर्थ में संचालन समिति की बैठक : गोशाला में कार्यों की समीक्षा और आगामी कार्य योजना पर चर्चा

अर्बुदा गोनंदी तीर्थ में 500 बीघा में चारा बुवाई के लिए तैयार करेंगे भूमि

सिरोही. बैठक में मौजूद महाराज व अन्य। पत्रिका

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सिरोही. शहर के श्री अर्बुदा गोनंदी तीर्थ परिसर में गोविंद वल्लभदास महाराज के सानिध्य में संचालन समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में पूर्व में हुए कार्यो की समीक्षा की गई तथा वर्तमान में आगामी कार्य योजना को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही आवश्यक कार्यों को शीघ्र ही प्रारंभ करने की स्वीकृति पर सहमति बनी।

बैठक में 16 गो गृह शेड निर्माण, सुरक्षा के लिए तारबंदी, पानी के लिए तीन लाख लीटर की टंकी, 50-100 का चारा हॉल, 16 ग्वाल गृह, एक जेसीबी खरीदना, 500 बीघा में चारा बुवाई के लिए भूमि तैयार करना, 500 बीघा में वृक्षारोपण की तैयारी करना, 3 ट्यूबवेल करवाना, एनिकट निर्माण करवाना, परिसर में अलग-अलग पांच स्थानों पर तालाब तैयार करवाना तथा धर्म कांटा लगवाने पर सहमति बनी। वहीं, गोविंद वल्लभदास महाराज ने आवश्यक कार्य को शीघ्र करने के निर्देश दिए। बैठक में मैनेजिंग ट्रस्टी श्रवण पुरोहित वराड़ा, रामदास महाराज श्री अर्बुदा गोनंदी तीर्थ, बीटी पुरोहित, लालसिंह धुरासनी, नरेन्द्रपाल सिंह, राजेन्द्र सिंह नरूका, दलपत पुरोहित, मोहन पुरोहित मंडवाड़ा, अशोक पुरोहित आदर्श कार्यालय प्रमुख सहित अन्य संचालन समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

गोनंदी तीर्थ में अब तक के कार्यों की समीक्षा : पथमेड़ा के सीईओ आलोक सिंहल ने बताया कि गो नंदी तीर्थ के अधिग्रहण के समय 566 गौवंश था, जबकि वर्तमान में कुल 1270 गौवंश की सेवा हो रही है। नगर परिषद से अगस्त 2023 से अब तक 770 गौवंश मिले तथा अन्य गौशाला व गौपालकों द्वारा 127 गौवंश मिले। वर्तमान में 27 ग्वाल परिवार व कर्मचारी गौ शाला में सेवा दे रहे हैं।

आहोर में होली पर निभाई जाती हैं कई प्राचीन परंपरा

मधुर स्मृतियों के साथ होगा परंपराओं का निर्वहन, गेर में झलकेगा उत्साह

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

आहोर में होली के दूसरे दिन खेली जानी वाली पत्थर मार होली यानी भाटागेर का विहंगम दृश्य। फाइल फोटो

आहोर. इतिहास की मधुर स्मृतियां जीवन में सदैव खुशी व उत्साह का संचार करती हैं। नगर में पूर्व में होली के दूसरे दिन खेली जाने वाली विश्वप्रसिद्ध पत्थर मार होली भाटागैर के राजस्थान उच्च न्यायालय के प्रतिबंध के चलते पिछले कई वर्षों से बंद होने का नगरवासियों को मलाल जरूर हैं फिर भी भाटागैर की मधुर स्मृतियों को लेकर नगरवासी होली के पावन पर्व पर भाटागैर को छोड़कर अन्य कई प्राचीन परंपराओं का निर्वहन आज भी उत्साह व उमंग के साथ करते हैं। नगरवासी इन दिनों होली के पर्व पर निभाई जाने वाली परंपराओं की तैयारियों में लगे हुए हैं। जिनका निर्वहन होली के पावन पर्व पर उत्साह व उमंग के साथ किया जाएगा।

कलश की अनूठी परंपरा : नगर में प्रतिवर्ष होली के एक माह पूर्व चामुंडा चौक में रोपणी का विधिवत रोपण होने के साथ ही फागण की मस्ती शुरू हो जाती है। नगरवासी होली के मस्ती में डूब जाते है। होलिका दहन से पूर्व होलिका दहन स्थल पर नगर के ठाकुर के नेतृत्व में नगरवासियों द्वारा ढोल-ढमाकों के साथ सात प्रकार के धान से भरे कलश को विधिवत जमीन में गाड़ने की रस्म निभाई जाती है तथा इसके पश्चात नगरवासियों द्वारा होलिका का दहन किया जाता है। धूलण्डी के दिन नगर के ठाकुर के नेतृत्व में नगरवासी गेर के रूप में नाचते-गाते पुनः होलिका दहन स्थल पहुंचते हैं। इसके बाद जमीन में गाड़े हुए कलश को बाहर निकाला जाता है। नगरवासी कलश में रखे विभिन्न धानों से आगामी वर्ष के शगुन देखते है। यह परंपरा नगर में पिछले लंबे समय से चली आ रही है।

सप्ताह भर रहती है गेर नृत्य की धूम : नगर में प्रतिवर्ष होलिका दहन के बाद धुलण्डी के दिन से सप्ताहभर तक चलने वाले गेर नृत्य की धूम शुरू हो जाती है। जिसके तहत प्रतिदिन शाम को नगर में अलग-अलग स्थानों पर सामूहिक गेर नृत्य का आयोजन किया जाता है। जिसमें सभी जाति वर्ग के लोग हिस्सा लेते हैं। अंतिम दिन शीतला सप्तमी पर शाम को शीतला माता चौक में बड़ी गेर का आयोजन होता है।

धुलण्डी के दिन होलिका दहन स्थल पर दिनभर रहेगा नन्हे दूल्हों का जमघट

ढूंढोत्सव आयोजक परिवार के सदस्य होलिका दहन के बाद अपने बच्चों को दूल्हे की तरह सजा-धजाकर ढोल-ढमाकों के साथ होलिका दहन स्थल लेकर जाएंगे। वहां पर चाचा नन्हे दूल्हे को अपनी गोद में लेकर होलिका दहन स्थल की परिक्रमा लगाएंगे। धुलण्डी के दिन होलिका दहन स्थल ले जाने के बाद शाम को इन नन्हे दूल्हों को गेरियों द्वारा ढूंढने की रस्म अदा की जाएगी।

सांचौर : 56 कर्टन अवैध शराब जब्त

जालोर. जब्त की गई कार।

जालोर/ सांचौर @ पत्रिका. सांचौर पुलिस ने 56 कर्टन अवैध शराब बरामद करने के साथ कार को जब्त किया। मौके से तस्कर फरार हो गए। सांचौर थानाधिकारी देवेंद्रसिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर सरहद हाडेतर के पास नाकाबंदी शुरू की। इस दौरान गुजरात पासिंग कार आती दिखाई दी। पुलिस टीम को देखकर चालक गाड़ी को घुमाकर गाड़ी भगाने लगा। जिसके बाद सरहद हाड़ेतर में गाड़ी छोड़कर फरार हो गया। गाड़ी में राजस्थान निर्मित 56 कर्टन अवैध शराब बरामद हुई।

आज का राशिफल मंगलवार, 04 मार्च, 2025

मेष	*चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ* व्यापार विस्तार के लिए मित्रों की सहायता लेनी होगी। आर्थिक समृद्धि के योग हैं। पारिवारिक सुख में कमी होगी।
वृषभ	*ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो* निजी जीवन में चल रहे तनाव यथावत रहेंगे। आर्थिक लाभ के योग बन रहे हैं, मित्रों के साथ किसी नए कार्य को करेंगे।
मिथुन	*क, की, कु, घ, ड, छ, के, को, ह* आपके व्यवहार से सहकर्मी खुश होंगे। अधिकारियों से संबंध मजबूत होंगे। वैवाहिक चर्चाएं सफल रहेगी।
कर्क	*हि, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो* स्वास्थ्य को लेकर लापरवाही ना करें। परामर्श एवं स्वास्थ्य सेवाएं लें। बहनों के साथ संबंध कमजोर होंगे।
सिंह	*मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टु, टे* सकारात्मक सोच के कारण सफलता मिलेगी। व्यापार में साझेदारी को लेकर असमंजस्य की स्थिति बनी रहेगी।
कन्या	*टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो* व्यापारिक स्थिति मजबूत बनेगी, नए कार्य को शुरू करने से आर्थिक व्यवस्था सहज होगी। धार्मिक आयोजन में जाएंगे।
तुला	*रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते* पारिवारिक जीवन में खुशियों का माहौल रहेगा। जीवन शैली में सुधार होगा। मांगलिक आयोजनों की रूपरेखा बनेगी।
वृश्चिक	*तो, ना, नी, नू, या, यी, यू* खर्चों पर नियंत्रण रखें, किसी कार्य को करने के पूर्व उसकी रूपरेखा बनाएं। नए वस्त्र आभूषणों की प्राप्ति होगी।
धनु	*ये, यो, भा, भी, भू, धा, फ, ढ, भे* दूसरों से बहस करना बंद करें, नुकसान होगा। निजी जीवन में विवाद यथावत रहेंगे। संतान के विवाह में अड़चन दूर होगी।
मकर	*भो, जा, जी, जू, खा, खू, गा, गी* आलस की अधिकता के कारण कॅरियर में स्थिति सामान्य रहेगी। मानसिक अशांति के कारण तनाव बढ़ेंगे।
कुम्भ	*गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा* कार्य क्षेत्र में अधिकारों का गलत उपयोग न करें। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी, भाइयों से विवाद बढ़ सकते हैं।
मीन	*दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, चि* परिवार में आपके कार्यों की प्रशंसा होगी। कार्य क्षेत्र में विस्तार होगा, धार्मिक आस्था बढ़ेगी। नए लोगों से संपर्क बनेगा।

ज्यो. पं चंदन श्यामनारायण व्यास, पंचांगकर्ता, उज्जैन

ग्रह-नक्षत्र ज्योतिर्विद व वास्तुविद: पंडित मुकेश भारद्वाज

शुभ वि. सं:	2081	हिजरी सम्वत :	1446	ऋतु:	बसंत
संवत्सर का नाम:	कालयुक्त	मु.मास :	रमजान-03	मास:	फाल्गुन
शाके सम्वत:	1946	अयन:	उत्तरायण	पक्ष:	शुक्ल

आज का दिन

मंगलवार, 04 मार्च, 2025

सूर्योदयकालीन लग्न व ग्रह स्थिति

श्रेष्ठ चौघड़िया: आज दिन में चर, लाभ, अमृत के चौघड़िए क्रमश: 9.46 से 2.04 तक रहेंगे। शुभ का चौघड़िया 3.30 से 4.56 तक रहेगा। ये चौघड़िए मंगल कार्यों के लिए शुभ हैं।

शुभ तिथि: पूर्ण संज्ञक पंचमी तिथि दिन 3.17 तक रहेगी, तदुपरान्त नन्दा संज्ञक षष्ठी तिथि रहेगी। पूर्ण संज्ञक तिथि में मांगलिक कार्य शुभ फलदायी होते हैं। षष्ठी मध्यम शुभ होती है। षष्ठी तिथि के स्वामी स्कंद अर्थात् कार्तिकेय हैं। इनकी पूजा करने से व्यक्ति मेधावी, सम्पन्न एवं कीर्तिवान होता है।

नक्षत्र: भरणी नक्षत्र रात्रि 2.37 तक, तदुपरान्त कृतिका नक्षत्र है। भरणी नक्षत्र "अधोमुख" संज्ञक नक्षत्र है। इस नक्षत्र के स्वामी काल हैं। अधोमुख नक्षत्र में कुआं या नींव खोदना, विक्रय कार्य शुभ रहता है। भरणी नक्षत्र में शुभ मांगलिक कार्य नहीं किए जाते।

योग: ऐन्द्र योग रात्रि 2.06 तक, तदुपरान्त वैधृति नामक योग रहेगा। ऐन्द्र योग के स्वामी पितृ हैं। राज्यपक्ष के रुके हुए कार्य करने के लिए श्रेष्ठा है।

विशिष्ट योग: अभिजित मुहूर्त दिन 12.15 से 1.01 तक रहेगा। अत्यावश्यक शुभ कार्यों का प्रारम्भ इस समय में किया जा सकता है। रवियोग सूर्योदय से रात्रि 6.39 तक तदुपरान्त पुन: प्रारम्भ रात्रि 2.37 पर, दग्धयोग सूर्योदय से 3.17 तक, ज्वालामुखी योग सूर्योदय से 3.17 तक। रवियोग में शुभ कार्य किए जाते है। जबकि दग्ध और ज्वालामुखी योग में शुभ कार्य टाले जाते हैं।

करण: बालव करण दिन 3.17 तक, तदुपरान्त कौलव करण प्रारम्भ होगा। बालव चर संज्ञक करण है। यज्ञ, होम, अध्ययन, सभी प्रकार के शांति कार्यों के लिए शुभ है। कौलव चर संज्ञक व उर्ध्व स्थिति वाला करण है। सभी कार्यों के लिए श्रेष्ठ हैं। यात्रा, नौकरी प्रारंभ करने, संधि प्रस्ताव वार्ता व मांगलिक कार्यों के लिए शुभ है।

व्रत/दिवस विशेष: याज्ञवल्क्य जयंती।

चंद्रमा: सम्पूर्ण दिन रात्रि मेष राशि में होगा।

शुभ मुहूर्त: देव प्रतिष्ठा मुहूर्त 9.44 से 12.30 तक रहेगा।

दिशा शूल: आज उत्तर दिशा में दिशा शूल रहेगा। यदि उत्तर दिशा में यात्रा करना आज आवश्यक हो और टालना संभव ना हो तो यात्रा प्रारंभ करने से पूर्व केले का सेवन अवश्य करें।

राहुकाल (मध्यमान से): दिन 3.00 से 4.30 तक। राहु काल में शुभ कार्यों का प्रारंभ नहीं करना चाहिए। यदि कार्य को टाला जाना संभव ना हो तो मीठे पेय पदार्थ सेवन करके ही कार्य प्रारंभ करें। इससे राहुकाल का दुष्प्रभाव कम होगा।

आज जन्म लेने वाले बच्चे: आज जन्मे बच्चों की राशि मेष होगी। सूर्योदय से रात्रि 2.36 तक भरणी नक्षत्र रहेगा तदुपरान्त कृतिका नक्षत्र होगा। आज जन्मे बच्चों का स्वर्णपाद होगा। श्रेष्ठता की दृष्टि से स्वर्णपाद तीसरे नम्बर पर आता है। आज जन्म लेने वाले बच्चों के प्रथम नामाक्षर ली, लू, ले, लो, अ पर रखे जा सकते हैं। मेष राशि अग्नि तत्व व क्षत्रिय स्वभाव की राशि है, इसके स्वामी ग्रह मंगल हैं। इस राशि में जन्मे बच्चे दबंग, साहसी, कुटुंब का पालन करने वाले, कार्यारम्भ में रूचि रखने वाले, हमेशा सक्रिय, चुनौतियों को स्वीकार करने वाले, जुझारू और थोड़े जल्दबाज होते हैं। शारीरिक सौष्ठव को बनाए रखने के लिए सदा क्रियाशील रहते हैं।

पत्रिका व विभिन्न सामाजिक संगठनों की पहल

राजपूत-जाट, सैनी और विधवा-विधुर, तलाकशुदा के पुनर्विवाह व सर्वसमाज के वैवाहिक विशेषांकों का प्रकाशन 9 को

जयपुर @ पत्रिका. बेटे-बेटियों की उम्र विवाह योग्य हो जाने पर अभिभावक उनके लिए उचित रिश्ते की तलाश में जुट जाते हैं। एकल परिवार के बढ़ते चलन तथा सामाजिक ताने-बाने में आए बदलाव के कारण यह कार्य थोड़ा मुश्किल हो गया हैं। ऐसे में सामाजिक जिम्मेदारियों के निर्वहन के क्रम में पत्रिका समूह की ओर से समाज आधारित वैवाहिक विशेषांक का प्रकाशन किया जा रहा है, जिससे पाठकों को एक साथ बड़ा और नवीन डेटाबेस मिल सके और अपना विवरण देने वालों की डिटेल्स एक दिन में समाचार पत्र एवं समाज के विभिन्न संगठनों के सहयोग से देशभर में लाखों परिवारों तक पहुंच सके।

इस क्रम में 9 मार्च को राजस्थान के समस्त संस्करणों के साथ भोपाल, इंदौर एवं रायपुर के संस्करणों में राजपूत-जाट और सर्व समाज तथा विधवा-विधुर, तलाकशुदा के पुनर्विवाह के वैवाहिक विशेषांकों का प्रकाशन किया जाएगा। इस विशेषांक में जाट, राजपूत, सैनी (माली) समाज अथवा पुनर्विवाह या बिना किसी जाति बंधन के सभी समाजों में योग्य रिश्ता तलाश रहे उच्च शिक्षित प्रोफेशनल युवक-युवतियों के बायोडेटा प्रकाशित किए जाएंगे।

अपने या परिवार के विवाह योग्य युवक-युवती के लिए रिश्ता खोज रहे देश के किसी भी हिस्से में रहने वाले राजपूत , जाट , सैनी (माली) परिवार उसका बायोडेटा इस विशेषांक में नाम मात्र की दर पर छपवा सकते हैं। विज्ञापन बुकिंग के लिए पूरा नाम, शहर का नाम व कॉन्टैक्ट नंबर, वाट्सऐप नंबर 7733014575 पर भेज दें। पत्रिका टीम शीघ्र आपसे फोन पर संपर्क करेगी। रियायती दर पर विज्ञापन 7 मार्च की शाम पांच बजे तक बुक कराए जा सकते हैं। इस कार्य में देशभर से राजपूत, जाट व सैनी (माली) सहित सर्वसमाज के संगठन जुड़ चुके हैं। आप भी इस मुहिम में योगदान देना चाहते हैं तो ऊपर दिए नंबर पर संपर्क कर सकते हैं।

गौरतलब हैं कि गत वर्ष 2, 16 जुलाई, 26 नवंबर व 10 दिसंबर एवं इस वर्ष 7 व 21 अप्रेल और 11 अगस्त को राजपूत समाज और गत वर्ष 26 फरवरी व 5 मार्च, 2023 और इस वर्ष 1 एव 15 दिसंबर को जाट समाज के वैवाहिक विशेषांक का प्रकाशन पत्रिका के उपरोक्त संस्करणों में किया जा चुका है।

अवैध खनन रोकने गए दो युवकों के साथ मारपीट

पाली. मारवाड़ जंक्शन में जब्त की गई कार व ट्रैक्टर मय ट्रॉली।

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

पाली. मारवाड़ जंक्शन थाना क्षेत्र के जानुंदा गांव की नदी में अवैध बजरी खनन रोकने पहुंचे दो युवकों के साथ बजरी माफिया ने मारपीट की। सूचना पर पहुंची मारवाड़ जंक्शन पुलिस ने शांतिभंग के आरोप में तीन युवकों को गिरफ्तार किया। वहीं मारपीट में घायल दोनों युवकों का पाली में उपचार जारी है। साथ ही मौके से तीन वाहन जब्त किए गए हैं।

पुलिस थाना द्वितीय अधिकारी अमराराम मीणा ने बताया कि क्षेत्र के जानुंदा गांव की नदी के पास अवैध बजरी खनन को लेकर मारपीट की सूचना पर हेड कांस्टेबल पुष्पा सोनी मय जाप्ता मौके पर पहुंची। मौके से देवली ढाणी निवासी कैलाश उर्फ वेनाराम , मुकनपुरा निवासी विनोद, देवली ढाणी निवासी सज्जन मीणा को शांतिभंग के आरोप में गिरफ्तार किया। वहीं झगड़े में घायल जानूंदा निवासी गिरधारी सिंह व जीतेंद्र सिंह को उपचार के लिए पाली ले जाया गया। वहीं मौके से खड़े ट्रैक्टर -ट्रॉली, जेसीबी व एक कार जब्त की गई। वही मामले को लेकर जानुंदा निवासी गिरधारी सिंह ने रिपोर्ट दर्ज करवाई कि गिरधारी सिंह व जीतेंद्र सिंह ने जानुंदा नदी में लोगों को बजरी निकालने के लिए मना किया तो उन लोगों ने लाठियों व सरिया से हमला कर दिया।

जब्त की गई जेसीबी ।

सामाजिक समरसता की पहल : दलित समाज की बेटी को घोड़ी पर बिठाया

विदाई से पहले घोड़ी पर बिठाकर बेटी की निकाली बिंदोली

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

कुचामनसिटी. कुचामन शहर के निकटवर्ती गांव में ग्रामीणों ने एक ऐसी मिसाल कायम की है, जिसकी चर्चा हो रही है। ग्राम दीपपुरा में पोषक परिवार (जाट समाज) ने ग्रामीणों के सहयोग से दलित परिवार की बेटी को घोड़ी पर बिठाकर ठाठ-बाट के साथ बिंदोली निकाली गई। यहां पर ग्राम दीपपुरा में श्यामलाल कालिया की पुत्री भारती के विवाह का अवसर था। दीपपुरा के पोषक परिवार ने जात-पांत में भेदभाव मिटाने एवं सामाजिक समरसता का संदेश देने के लिए विवाह से पूर्व भारती को घोड़ी पर बिठाकर बंदौली निकाली गई। पहल में प्रभुराम पोषक, रामनिवास पोषक, रणजीत पोषक, पिन्टू पोषक, देवाराम राठी, मोहन पोषक, सुखाराम पोषक सहित लोगों ने सहभागिता निभाई।

ग्राम दीपपुरा में निकाली गई बिंदोली में शामिल परिवार के सदस्य।

दुल्हन हुई भावुक

दुल्हन भारती को घोड़ी पर बिठाकर बंदौली निकाली गई तो भावुक होती नजर आई। भारती के परिजन ने बताया कि नि:सदेह इस पहल से समाज में जातिवाद को खत्म करने का संदेश आमजन तक जाएगा। बल्कि बालिका को घोड़ी पर बिठाकर बेटे की तरह बेटियों को भी सम्मान अधिकार दिलाने का भी संदेश दिया गया है।

रियल एस्टेट, ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स और लग्जरी आइटम के व्यापार को मिलेगा बढ़ावा

महाकुंभ से प्रयागराज की अर्थव्यवस्था में आएगा उछाल

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

फाइल फोटो

प्रयागराज. महाकुंभ 2025 के आयोजन से आने वाले दिनों में प्रयागराज शहर की अर्थव्यस्था में भारी बढ़ोत्तरी आने का अनुमान है।

कुल 45 दिनों तक चले महाकुंभ के आयोजन से प्रयागराज शहर में सबसे ज्यादा लाभ होटल, रेस्टोरेंट इंडस्ट्री, टूर एंड ट्रैवेल तथा खुदरा व्यापारियों को हुआ, लेकिन महाकुंभ के बाद शहरवासियों की बढ़ी आय रियल एस्टेट, ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स और लग्जरी आइटम के व्यापार को बढ़ावा देगी।

अनुमान व्यक्त किया जा रहा है कि महाकुंभ के आयोजन से बढ़ी आय फ्लो प्रयागराज की इकॉनमी में लगभग 200 से 300 फीसदी का बूस्ट ला सकता है। साथ ही सीएम योगी के विजन के मुताबिक प्रयागराज का आध्यात्मिक टूरिज्म महाकुंभ के बाद सामान्य दिनों में भी बढ़ने की उम्मीद है।

हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री का उत्थान हुआ

महाकुंभ का आयोजन आस्था और आध्यात्मिक उत्थान के साथ आर्थिक वरदान साबित हो रहा है। भव्य आयोजन में 66 करोड़ से अधिक श्रद्धालु प्रयागराज आये, जिससे होटल, रेस्टोरेंट, टूर एंड ट्रैवेल इंडस्ट्री समेत अनाज, सब्जी, गद्दे, बेड, फर्नीचर, टेंट व्यवसायियों को 30 से 40 गुना मुनाफा हुआ। संगम क्षेत्र में नाव चालकों, ऑटो रिक्शा चालकों, टेला-खोमचा लगाने वाले, जनरल मर्चेंट के दुकानदारों की भी अच्छी आमदनी हुई है। प्रयागराज व्यापार मंडल के जनरल सेक्रेट्री शिव शंकर सिंह का कहना है कि आय में हुई ये वृद्धि आने वाले दिनों में इकॉनमी को 200-300% की बढ़ोत्तरी प्रदान कर सकती है।

ट्यूरिज्म इंडस्ट्री को मिलेगा बढ़ावा

व्यापार मंडल सचिव शिवशंकर सिंह ने बताया कि शहरवासियों की महाकुंभ से बढ़ी हुई आय का फ्लो जब स्थानीय बाजार में होगा तो वो इकॉनमी को बूस्ट करेगा। इसके चलते आने वाले दिनों में प्रयागराज में रियल एस्टेट बाजार, ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रानिक्स, लग्जरी गुड्स में वृद्धि देखने को मिलेगी। प्रयागराज में बने 12 कॉरिडोर, संगम क्षेत्र में पक्के घाट के साथ आस-पास के तीर्थ,पर्यटन स्थलों से शहर की कनेक्टिविटी में बढ़ोत्तरी आगामी दिनों में भी टूरिज्म को बढ़ावा देगी।

बिहार में कोरोना ड्यूटी के दौरान जान गंवाने वाले 57 कर्मियों को मिला मुआवजा

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

पटना. बिहार के संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी ने सोमवार को विधानसभा में बताया कि कोविड-19 ड्यूटी के दौरान जान गंवाने वाले 59 सरकारी कर्मचारियों में से 57 को मुआवजा दिया जा चुका है तथा दो मामलों पर अभी निर्णय लंबित है।

चौधरी ने सोमवार को विधानसभा में भाजपा विधायक पवन कुमार जायसवाल के अल्पसूचित प्रश्न का उत्तर देते हुए स्पष्ट किया कि वित्त विभाग को विभिन्न विभागों के 59 सरकारी कर्मचारियों की सूची मिली थी, जिनकी कर्तव्य निर्वहन में कोविड-19 संक्रमण के कारण मृत्यु हुई थी।

उन्होंने कहा कि 57 को पहले ही मुआवजा मिल चुका है जबकि दो मामले अभी भी लंबित हैं। इस पर मंत्री ने स्पष्ट किया कि कोविड-19 के दौरान पूरी दुनिया में लॉकडाउन लगा था और सभी लोग घर से काम कर रहे थे। उन्होंने आगे कहा कि घर से काम करते हुए, कोविड-19 संक्रमण के कारण मरने वाले सरकारी कर्मचारियों को पहले ही चार लाख रुपये का मुआवजा दिया जा चुका है।

जो कर्मचारी अपने निवास पर संक्रमित हुए

मंत्री ने कहा कि यह योजना केवल उन सरकारी कर्मचारियों के लिए है, जो अपने सरकारी कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए कोविड-19 संक्रमण का शिकार हुए थे। जो कर्मचारी अपने निवास पर संक्रमित हुए, उन्हें इस योजना का लाभ नहीं दिया गया। भाजपा विधायक जायसवाल ने पूरक प्रश्न के माध्यम से सवाल उठाते हुए कहा कि कोरोना संक्रमण से सबसे अधिक मौतें हुईं, वहां के किसी भी कर्मचारी को मुआवजा नहीं मिला। उन्होंने आरोप लगाया कि स्वास्थ्य विभाग ने अब तक मुआवजे के लिए कोई सूची नहीं भेजी।

महाकुंभ में 15 देशों, 20 राज्यों के बिछड़ों को यूपी के जवानों ने अपनों से मिलवाया

खाकी ने बड़ी संख्या में बुजुर्गों को संगम में स्नान करने में मदद भी की

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

महाकुंभनगर. महाकुंभ में उमड़े आस्था के महासमुद्र के बीच उत्तर प्रदेश पुलिस, पीएसी, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और अग्निशमन के जवानों ने ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा की अद्वितीय मिसाल पेश की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर संचालित विशेष अभियान के तहत जवानों ने 15 देशों और 20 से अधिक राज्यों के बिछड़े श्रद्धालुओं को उनके परिवारों से मिलाया। ड्यूटी पर तैनात जवानों ने न केवल लाखों रुपए की नकदी, आईफोन, गहने और अन्य कीमती सामान खोने वालों को लौटाए, बल्कि बीमारों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया और प्राथमिक चिकित्सा भी उपलब्ध कराई।

इसके अलावा उत्तर प्रदेश की खाकी ने बड़ी संख्या में बुजुर्गों को संगम में स्नान करने में मदद भी की। बीमारों को सीपीआर से लेकर प्राथमिक उपचार तक दिया गया। इसके परिणामस्वरूप योगी सरकार की कार्यकुशलता की गूंज रूस, अमेरिका और जर्मनी समेत तमाम देशों तक पहुंच गई।

सीएम योगी के निर्देश पर भूले-भटके को मिलाने की बड़ी मिसाल पेश की गई है। प्रभारी पुलिस महानिरीक्षक ने बताया कि हमारे जवानों ने अपनी जान की परवाह न करते हुए महाकुंभ में श्रद्धालुओं की मदद की।

केस 1 :- 17 फरवरी को मेले में जयपुर के पुष्पेन्द्र सिंह शेखावत अपनी पत्नी, दिनेश राठौर के साथ पहुंचे। उनका पर्स, जिसमें दो आईफोन, 69 हजार रुपए नकद, सोने की चेन, दो अंगूठियां और एटीएम कार्ड थे, खो गया। ड्यूटी चेकिंग के दौरान 42वीं वाहिनी पीएसी नैनी प्रयागराज के शिविरपाल अरविंद कुमार सिंह ने अरैल घाट से इसे खोजा। पर्स में मिले मोबाइल से श्रद्धालु से संपर्क किया और उन्हें पर्स सौंप दिया।

केस 2 :- राजकुमारी यादव निवासी भानसोच, आरंग, रायपुर छत्तीसगढ़ की अचानक तबीयत बिगड़ी, जिन्हें 15वीं वाहिनी पीएसी आगरा डी दल के आरक्षी प्रशांत कुमार और रवेन्द्र सिंह ने तत्काल एम्बुलेंस बुलाकर हॉस्पिटल में एडमिट कराया।

केस 3 :- 29 जनवरी को रूस की रीता संगम स्नान के लिए आ रही थी। रात के समय वह भटक गई और पाल बस्ती मवैया में पहुंच गई, तभी 33वीं वाहिनी पीएसी झांसी ई दल के आरक्षी अमरदीप ने साथियों से मिलाया।

केस 4 :- 15 जनवरी को जर्मनी से आए विदेशी श्रद्धालु रास्ता भटक गए। उन्हें नवावगंज जाना था। ड्यूटी पर उपस्थित 28वीं वाहिनी पीएसी इटावा एच दल के आरक्षी राजू सिंह ने उन्हें नवावगंज पहुंचाने में मदद की।

केस 5 :- 15 जनवरी को बंगलुरु से आई महिला श्रद्धालु शोभा को चोट लगने पर 33वीं वाहिनी पीएसी झांसी एफ दल के आरक्षी सुरजीत यादव ने एम्बुलेंस की मदद से अस्पताल पहुंचाया। उन्हें चिकित्सा उपलब्ध कराई गई।

योगी सरकार ने 750 करोड़ रुपए की राशि जारी की

शहरी बाढ़ नियंत्रण की दिशा में उठाया बड़ा कदम

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

लखनऊ. योगी सरकार शहरी बाढ़ की समस्या से निपटने के लिए अभी से एक्टिव मोड में आ गई है। इसके लिए नगर विकास विभाग को जलभराव, बाढ़ से बचाव के लिए आधुनिक तकनीकों, जल निकासी प्रणाली के सुधार और नदी तटों के सुदृढ़ीकरण पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए हैं।

इसी के तहत लखनऊ, मथुरा, मेरठ, गाजियाबाद, शाहजहांपुर सहित अन्य नगर निगमों में आधुनिक जल निकासी प्रणाली विकसित की जा रही है। इसके लिए योगी सरकार ने करीब 750 करोड़ की धनराशि जारी की है। इससे इन शहरों में ड्रेनेज सिस्टम, नालों का पुनर्विकास और निर्माण किया जाएगा।

हाल ही में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शहरों में जल निकासी व्यवस्था को मजबूत करने और बाढ़ नियंत्रण उपायों को लेकर बैठक की थी। इस दौरान सीएम योगी ने नगर विकास विभाग और जल निगम को शहरों में सीवेज एवं ड्रेनेज सिस्टम को मजबूत करने के निर्देश दिए। साथ ही नालों की नियमित सफाई, जलभराव रोकने के लिए वर्षा जल संचयन प्रणाली को बढ़ावा देने और बाढ़ नियंत्रण के लिए नए पंपिंग स्टेशन बनाने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने बताया कि स्मार्ट सिटी मिशन के तहत जल निकासी को अत्याधुनिक बनाया जा रहा है, जिससे जलभराव को कम किया जा सकेगा।

उन्होंने बताया कि लखनऊ, कानपुर, वाराणसी और गोरखपुर जैसे प्रमुख शहरों में बाढ़ से बचाव हेतु विशेष योजनाएं चल रही हैं।

2.5 लाख की आबादी को राहत मिलेगी

सीएम योगी ने बैठक में लखनऊ, मेरठ, गाजियाबाद, मथुरा और शाहजहांपुर में ड्रेनेज सिस्टम को विकसित करने के लिए 733 करोड़ की धनराशि जारी की है। इससे लखनऊ में किला मोहम्मदी नाला का पुनर्विकास होगा। इसके लिए 193.73 करोड़ का बजट निर्धारित किया गया है, जिसके तहत 10.571 किलोमीटर लंबी जल निकासी प्रणाली विकसित की जाएगी। इससे 2.5 लाख की आबादी को राहत मिलेगी।

शाहबेरी ड्रेन का किया जाएगा निर्माण

इसी तरह लखनऊ के गेटापल्ली नाले का डायवर्जन किया जाएगा। इसके लिए 112.47 करोड़ की लागत से 4.435 किलोमीटर लंबी आरसीसी ड्रेनेज लाइन बिछाई जाएगी। इससे 5 लाख लोगों को लाभ मिलेगा। वहीं, मेरठ में ओडेन ड्रेन का निर्माण किया जाएगा। इसके लिए 156.79 करोड़ की लागत से 18.33 वर्ग किमी क्षेत्र को कवर करने वाली जल निकासी प्रणाली विकसित की जाएगी, जिससे 4.35 लाख लोग लाभान्वित होंगे।

जलभराव की समस्या से मिलेगी निजात

इस परियोजना पर 132.65 करोड़ खर्च किए जाएंगे, जिससे 3.9 लाख लोगों को जलभराव की समस्या से निजात मिलेगी। वहीं, मथुरा में भूतेश्वर से अंबाखर नाले तक जल निकासी परियोजना पर 89.71 करोड़ की धनराशि खर्च की जाएगी। इस परियोजना से 75,000 लोगों को राहत मिलेगी। शाहजहांपुर में रोजा अड्डा से दमह पुलिया तक जल निकासी में सुधार किया जाएगा। इसके लिए 47.75 करोड़ की लागत से जल निकासी नेटवर्क का विकास किया जा रहा है।

अपराधियों ने उप मुखिया को गोली मारकर घायल किया

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

छपरा. बिहार में सारण जिले के मांझी थाना क्षेत्र के मुबारकपुर पंचायत के उप मुखिया कमलेश यादव को अपराधियों ने गोली मारकर घायल कर दिया।

सारण के पुलिस अधीक्षक डॉ. कुमार आशीष ने सोमवार को बताया कि घटना की जानकारी मिलने पर परिजन उप मुखिया कमलेश यादव को इलाज के लिए एकमा के निजी अस्पताल में लेकर पहुंचे, जहां प्राथमिक चिकित्सा के बाद चिकित्सक ने उन्हें बेहतर इलाज के लिए पटना भेज दिया।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि घायल कमलेश यादव के बयान पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज करने के साथ ही इस मामले के मुख्य अभियुक्त रूद्रपुर गांव निवासी मनीष कुमार यादव को गिरफ्तार कर लिया है। उन्होंने बताया कि घटना में शामिल अन्य अभियुक्तो के गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापामारी कर रही है।

नीतीश ने हर बार किए वायदों को अमली जामा पहनाया : राजीव

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

पटना. जनता दल यूनाईटेड (जदयू) के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद ने नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के स्वयं को नौजवान और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को 75 बार वर्षीय राजनेता बताकर नीतीश के बजाय उनके वायदों पर यकीन करने संबंधी बयान पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि बिहार में तेजस्वी की दाल नहीं गलने वाली है क्योंकि जनता नीतीश को एक ऐसा मुख्यमंत्री मानती है, जिसने जो भी वायदे किए उसे हर बार पूरा किया है।

प्रसाद ने कहा कि जनता नीतीश कुमार के अनुभव उनके योगदान एवं उनके व्यक्तित्व से परिचित है, उसे तेजस्वी जैसे नेताओं की दरकार ही नहीं है। उन्होंने कहा कि 2005 में उन्हें जो जनादेश मिला था, वह बदहाल कानून व्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए जनता ने दिया था। देखते देखते बिहार बदलने लगा। बाहुबलियों की खैर नहीं थी। स्पीडी ट्रायल, बेहतर अनुसंधान, आधुनिक तकनीक और अचूक मॉनिटरिंग के माध्यम से अपराधियों को सलाखों के पीछे धकेल कर कानून का शासन उन्होंने स्थापित किया।

नीतीश के लिए जनता ही उनका परिवार

जदयू प्रवक्ता ने कहा कि शराबबंदी, हर घर बिजली, हर घर नल का पानी, सड़कों का जाल बिछाने, सभी कमजोर वर्गों का सशक्तिकरण, लाखों नौकरियां एवं रोजगार के वायदों को नीतीश कुमार ने निर्धारित समय सीमा में पूरा करके न केवल जनता से किए गए वादे को पूरा किया बल्कि विकसित राज्य बनने की जमीन भी तैयार कर दी है। उन्होंने कहा कि तेजस्वी जैसे लोग स्वयं एवं अपने परिवार के हितों के लिए राजनीति में आए हैं जबकि नीतीश कुमार के लिए जनता ही उनका परिवार है।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की नकल की थी

विधान परिषद की सदस्यता बहाली करने की मांग

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

पटना. राजद नेता सुनील कुमार सिंह ने विधान परिषद के सभापति से तत्काल प्रभाव से उनकी सदन की सदस्यता बहाल करने का अनुरोध किया।

सिंह ने पत्र में 25 फरवरी को आए सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय का हवाला देते हुए कहा कि अदालत ने स्पष्ट और बाध्यकारी निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने 26 फरवरी को भी सभापति को पत्र लिखकर संविधान और कानून के शासन को बनाए रखने के लिए सदस्यता बहाल करने की अपील की थी। राजद नेता ने कहा कि उच्चतम न्यायालय के आदेश पूरे देश में बाध्यकारी हैं और इनका तत्काल अनुपालन किया जाना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि इस फैसले को लागू करने में देरी को संवैधानिक आदेशों की अवहेलना माना जा सकता है, जो न्यायालय की अवमानना के समान होगा। राजद नेता ने फैसले को न्याय की जीत बताया और कहा था कि नीतीश कुमार के निर्देश पर उनकी सदस्यता रद्द कर दी गई थी, जो सरासर अन्याय था। उन्होंने परिषद के सभापति से अनुरोध किया कि 28 फरवरी से शुरू हुए बजट सत्र में उन्हें जन सरोकार के मुद्दे उठाने का मौका दिया जाए।

नहर पर सोए स्विस नागरिक की पुलिस ने मदद की

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

मोतिहारी. बिहार में पूर्वी चंपारण जिले के हरपुर थाना क्षेत्र में भटकते विदेशी नागरिक को पुलिस ने सहायता देकर ट्रेन से गन्तव्य के लिए भेजा है।

पुलिस ने बताया कि रविवार देर रात 10 बजे सूचना मिली कि हरपुर थानाक्षेत्र के चिकनी नहर रोड के किनारे एक गाड़ी में कोई विदेशी नागरिक सोया हुआ है। पुलिस पहुंची और गाड़ी में सोए व्यक्ति का नाम पते का सत्यापन हरपुर थाना पुलिस ने किया। पुलिस ने उक्त विदेशी नागरिक के पास उपलब्ध कागजातों की जांच से उसकी पहचान स्वीटजरलैंड की नागरिक बुगीमान के रूप में की है।

सड़क हादसे में तीन मरे, एक घायल

अमरोहा. उत्तर प्रदेश में अमरोहा जिले के देहात थाना क्षेत्र में सोमवार को कांठ रोड पर दो बाइकों की टक्कर में घायल दंपती समेत चार लोगों को मिनी ट्रक ने रौंद दिया। जिनमें तीन की मौत हो गई जबकि एक अन्य गंभीर रुप से घायल हो गया।

पुलिस ने बताया कि सोमवार सुबह छावी के पास दो बाइकों की आमने-सामने की टक्कर में तेज़ रफ्तार मिनी ट्रक ने दंपती समेत चार लोगों को कुचल दिया। हादसे में दंपती समेत तीन की जान चली गई जबकि राजू गंभीर रुप से घायल हो गया। हादसे में मरने वालों में जयवीर सिंह तथा उनकी पत्नी आदेश, जितेंद्र शामिल हैं। मृतक जितेन्द्र के दोस्त राजू की हालत अभी नाजुक बनी हुई हैं। उसे हायर सेंटर के लिए रैफर किया गया हैं।

10 हजार लीटर के बाद 21 हजार की खेप पहुंचेगी

नोएडा में 'महाकुंभ अमृत जल' का वितरण शुरू

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

महाकुंभनगर. प्रयागराज के संगम का पवित्र जल नोएडा में पहुंच चुका है। फायर ब्रिगेड की गाड़ियों से लाया गया गंगाजल सेक्टर-52 स्थित फोनरवा कार्यालय में वितरित किया जा रहा है।

इस अवसर पर सांसद डॉ. महेश शर्मा, डीसीपी नोएडा और चीफ फायर ऑफिसर मौजूद रहे। जल वितरण की शुरुआत पूजा-अर्चना के बाद की गई, जिसके बाद श्रद्धालुओं में पवित्र जल वितरित किया गया। सोमवार को कुल 10 हजार लीटर गंगाजल का वितरण किया जा रहा है जबकि 21 हजार लीटर जल की नई खेप फायर गाड़ियों के माध्यम से जल्द नोएडा पहुंचेगी।

ऑटो रिक्शा और डंपर में भिड़ंत, चार मरे

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

रायबरेली. उत्तर प्रदेश में रायबरेली जिले के लालगंज इलाके में डंपर की चपेट में आने से ऑटो रिक्शा सवार चार लोगों की मौत हो गई जबकि सात अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि लालगंज इलाके में टोल प्लाजा से करीब दो किलोमीटर पहले गंगापुर बसर इलाके में करीब साढ़े दस बजे के तेज़ रफ़्तार डंपर की चपेट में आकर रायबरेली की ओर जा रहा ऑटो रिक्शा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

हादसे में चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और सात लोग घायल हो गए। घायलों में दो की हालत गंभीर बनी हुई है। उन्होंने बताया की रायबरेली की ओर जा रहा ऑटो लालगंज की ओर जा रहे डंपर की चपेट में आ गया।

ट्रैक्टर ट्राली की चपेट में आने से नदी में गिरी बाइक, एक की मौत

सहारनपुर @ पत्रिका. मिर्जापुर क्षेत्र में गंदेवड़ हथनीकुंड मार्ग पर ट्रैक्टर ट्राली का किनारा लगने से बाइक सवार तीन युवक नहर में गिर गए। जिनमें से एक की मौत हो गई जबकि दो को बचा लिया गया। पुलिस ने बताया कि सचिन, लवीस और कार्तिक निवासी गांव लतीफपुर भूड़ पावटा साहिब से बाइक से गांव लौट रहे थे कि गांव नौशेरा के पास सामने से आ रही ट्राली की चपेट में आने से बाइक बेकाबू होकर नहर में जा गिरी।

इनामी अपराधी समेत पुलिस ने दो को दबोचा

कटिहार @ पत्रिका. कटिहार के मुफस्सिल थाना पुलिस ने 15 हजार रुपए के इनामी समेत दो अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस ने बताया कि फरार चल रहे 15 हजार रुपए का इनामी अपराधी बिजली यादव की तलाश थी। थाना को अपराधी के एक ठिकाने पर होने की सूचना मिली। पुलिस ने रविवार देर रात छापेमारी की। इस कार्रवाई में पुलिस ने बिजली यादव और उसके एक सहयोगी अपराधी को गिरफ्तार कर लिया।

नीतीश-भाजपा सरकार वंचितों के आरक्षण की विरोधी : सत्येंद्र

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

पटना. माकपा विधायक सत्येन्द्र यादव ने आरोप लगाया है कि सीएम नीतीश कुमार भाजपा सरकार वंचितों और गरीबों के आरक्षण की विरोधी सरकार हैं और आरक्षण को संविधान के नौवीं अनुसूची में शामिल नहीं करना उनकी आरक्षण विरोधी मानसिकता को दर्शाता है।

65% आरक्षण को संविधान के नौवीं अनुसूची में शामिल करने, स्मार्ट बिजली मीटर पर रोक लगाने, गरीब और मध्यम वर्ग के आमलोगों पर विद्युत विभाग की गुंडागर्दी पर रोक लगाने सहित अन्य मांगों को लेकर विधानसभा परिसर में माकपा और भाकपा के विधायकों ने प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में माकपा विधायक अजय कुमार, सत्येन्द्र यादव और विधायक सूर्यकान्त पासवान शामिल रहे। इस अवसर पर कहा कि नीतीश-भाजपा सरकार वंचितों और गरीबों के आरक्षण की विरोधी है। उन्होंने कहा कि आरक्षण को संविधान के नौवीं अनुसूची में शामिल नहीं करना उनकी आरक्षण विरोधी मानसिकता दर्शाता है।

मायावती ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया

आकाश आनंद अब बहुजन समाज पार्टी से भी निष्कासित

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

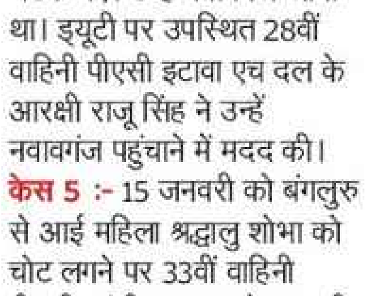

लखनऊ . बहुजन समाज पार्टी के नेता आकाश आनंद को राष्ट्रीय समन्वयक सहित सभी पदों से हटाये जाने के एक दिन बाद ही अनुशासनहीनता के आरोप में पार्टी से भी निष्कासित कर दिया गया है।

बहुजन समाज पार्टी प्रमुख मायावती ने सोमवार को यह जानकारी दी। मायावती ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर सिलसिलेवार पोस्ट में कहा कि आकाश आनंद अपनी गलतियों का पश्चताप करने और व्यवहार में परिपक्वता दिखाने के बजाय पार्टी के फैसलों पर लंबी चौड़ी प्रतिक्रिया देकर अनुशासहीनता कर रहे हैं इसलिए उन्हें पार्टी से निष्कासित किया जा रहा है।

उन्होंने कहा , "बीएसपी की आल-इण्डिया की बैठक में आकाश आनन्द को पार्टी हित से अधिक पार्टी से निष्कासित अपने ससुर अशोक सिद्धार्थ के प्रभाव में लगातार बने रहने के कारण नेशनल कोआर्डिनेटर सहित सभी जिम्मेदारियों से मुक्त कर दिया गया था। जिसका उसे पश्चताप करके अपनी परिपक्वता दिखानी थी। लेकिन इसके विपरीत आकाश ने जो अपनी लम्बी-चौड़ी प्रतिक्रिया दी है वह राजनीतिक मैच्युरिटी का नहीं है।

खाटूश्याम जी के दर्शन कर वापस यूपी जा रहे थे कार सवार

कार ने बाइक को मारी टक्कर, लाइनमैन की मौत

जयपुर-रायसर. क्षेत्र से गुजर रहे दौसा-मनोहरपुर राजमार्ग पर सोमवार दोपहर बाद एक तेज रफ्तार कार ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। हादसे में मोटरसाइकिल सवार लाइनमैन की मौके पर ही मौत हो गई। टक्कर के बाद लाइनमैन हाईवे से करीब 30 फीट उछलकर खाई में गिर गया और कार भी असंतुलित होकर पलट गई। पुलिस ने शव को एंबुलेंस की सहायता से चंदवाजी स्थित निम्स अस्पताल पहुंचाया। वहीं कार सवार तीन लोगों को गंभीर घायल होने पर आंधी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाकर भर्ती करवाया। पुलिस ने बताया कि रायसर थाना क्षेत्र के देवीतला निवासी लाइनमैन सुरेश कुमार (30) पुत्र जगन्नाथ मीणा बांकी माता मेले में ड्यूटी के दौरान लूनेठा गांव में मीटरों की रीडिंग लेकर वापस बांकी माता के लौट रहा था। वहीं कार सवार तीन जने खाटू श्याम जी के दर्शन कर उत्तर प्रदेश जा रहे थे। कार हाईवे पर लूनेठा गांव के पास बांकी माता कट पर गलत दिशा में जाकर मोटरसाइकिल को टक्कर मारकर पलट गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि मोटरसाइकिल सवार उछलकर हाईवे से करीब 30 फीट दूर जाकर गिरा और मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने ग्रामीणों की सहायता से शव को चंदवाजी स्थित निम्स अस्पताल पहुंचाया। वहीं कार सवार घायल चालक जयप्रकाश ब्राह्मण (35), सुभाष जोगी (38) निवासी परखम थाना करह जिला मथुरा, उत्तर प्रदेश व राहुल ब्राह्मण (31) निवासी मगेरा थाना कृष्ण नगर मथुरा उत्तर प्रदेश को कार से बाहर निकालकर आंधी सीएचसी पहुंचाकर भर्ती करवाया। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवा परिजनों को सुपुर्द कर दिया।

बिहार विधानसभा में डिप्टी सीएम ने पेश किया बजट

बिहार कैंसर केयर सोसाईटी' की स्थापना होगी

बिहार में पीपीपी मॉडल पर खोलेंगे नए चिकित्सा महाविद्यालय

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

पटना. बिहार में स्वास्थ्य सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए सरकार ने प्रदेश में निजी-सार्वजनिक भागीदारी मॉडल के आधार पर नये चिकित्सा महाविद्यालय खोलने की घोषणा की।

उप मुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री सम्राट चौधरी ने विधानसभा में वित्त वर्ष 2025-26 के लिए बजट पेश करने के बाद घोषणा करते हुए कहा कि निजी क्षेत्र के सहयोग से राज्य में नए निजी चिकित्सा महाविद्यालय संचालित किये जायेंगे। उन्होंने कहा कि पीपीपी के आधार पर नए सरकारी चिकित्सा महाविद्यालय खोले जायेंगे। कैंसर इलाज के लिए 'बिहार कैंसर केयर सोसाईटी' की स्थापना की जायेगी।

जीएसडीपी के 12.4 फीसदी की दर से बढ़ने का अनुमान: आगामी वित्त वर्ष में सकल राज्य घरेलू उत्पाद के पिछले वित्तीय वर्ष के 9.77 लाख करोड़ रुपये के मुकाबले 12.4 प्रतिशत की दर से बढ़कर 10.97 लाख करोड़ रुपये पर पहुंचने का अनुमान है।उप मुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री सम्राट चौधरी ने 2025-26 के लिए 316895.02 करोड़ रुपये का बजट पेश किया।

विपक्ष का हंगामा, सदन से बर्हिगमन : पटना. बिहार विधानसभा में आज विपक्षी सदस्यों ने सामाजिक सुरक्षा पेंशन की राशि में वृद्धि, कब्रिस्तान की घेराबंदी और बनारस में सासाराम की एक लड़की के साथ बलात्कार सहित कई मुद्दों को लेकर जमकर हंगामा किया। भारत की कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी-लेनिनवादी (भाकपा-माले) के सदस्यों ने सभा की कार्यवाही शुरू होते ही विपक्षी दलों के कुछ अन्य सदस्यों के साथ मिलकर उत्तर प्रदेश के बनारस में रोहतास जिले के सासाराम की एक लड़की के साथ बलात्कार का मुद्दा उठाया और सदन का ध्यान आकर्षित करने का प्रयास किया।

हो सकता है मैं आपके विचारों से सहमत न हो पाऊं फिर भी विचार प्रकट करने के आपके अधिकारों की रक्षा करूंगा। –वाल्तेयर

राजस्थान पत्रिका
संस्थापक
कर्पूर चन्द्र कुलिश

हाइवे निर्माण में न हो पर्यावरण की अनदेखी

सृष्टि में कोई भी जीव बिना पानी और भोजन के कुछ घंटों या दिन तक जीवित रह सकता है लेकिन थोड़े समय के लिए भी बिना सांस लिए रहना मुश्किल हो जाता है। जाहिर है जीवन की आधारभूत जरूरत शुद्ध हवा के लिए पर्यावरण को संरक्षित रखना ज्यादा जरूरी है। सब-कुछ जानते-बूझते भी विकास की होड़ में पर्यावरण को लगातार नुकसान पहुंचाने का काम हो रहा है। हरियाली पर लगातार चलाई जा रही कुल्हाड़ी के बीच चिंता की खबर यह है कि पिछले पांच साल के दौरान देश में हाइवे निर्माण के लिए करीब 57 लाख पेड़ों की बलि ले ली गई। उससे भी बड़ी चिंता यह कि इन काटे गए पेड़ों के बदले महज 3.28 लाख पौधे लगाए गए इनमें से भी एक चौथाई के नष्ट होने का अनुमान है।

इसमें दो राय नहीं कि पिछले वर्षों में देश के अलग-अलग हिस्सों में हाइवे का, जो जाल बिछा है उससे आवागमन सुगम हुआ है। समय और श्रम की बचत होने लगी है सो अलग। आवागमन शुरू करने के लिए चौड़ी सड़कों की जरूरत भी हैं। हाइवे जब भी बनते हैं या सड़कों की चौड़ाई बढ़ती है तो स्वाभाविक रूप से दोनों तरफ आने वाले पेड़ों पर कुल्हाड़ी चलती है। नियमानुसार हाइवे पर काटे गए पेड़ों की एवज में नए पौधे लगाकर पुरानी स्थिति में लाने का काम होना चाहिए। लेकिन यह देखने में आता है कि पौधे लगाने के नाम पर खानापूर्ति होकर रह जाती है। नीम, शीशम और सागवान जैसे पेड़ लगाने के बजाय हरियाली के नाम पर सजावटी पौधे लगाकर दायित्व की इतिश्री कर ली जाती है। ऐसे में पेड़ के बदले पेड़ लगाने का मकसद कागजों में ही रह जाता है। एक ओर पर्यावरण संरक्षण के लिए दुनियाभर में हरियाली बढ़ाने की चिंता की जा रही है। सरकारें भी अपने स्तर पर इस दिशा में प्रयास कर रही हैं। वहीं दूसरी ओर हाइवे बनाने के दौरान हरियाली के इस तरह के खात्मे को तो जीव हत्या का अपराध ही कहा जाएगा।

पेड़ों को जड़ सहित उठाकर दूसरी जगह लगाने की तकनीक भी पिछले सालों में इस्तेमाल होने लगी है लेकिन पूरी तरह से नहीं। हाइवे निर्माण के दौर में पेड़ों को हटाना हो तो इन्हें दूसरी जगह शिफ्ट करने के काम को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। पर्यावरण और विकास के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए यह आवश्यक है। बात सिर्फ हाइवे के किनारे आने वाले पेड़ों को हटाने की ही नहीं है। जहां तक संभव हो, आधारभूत सुविधाएं जुटाने के हर मामले में पेड़ों को सुरक्षित रखने के प्रयास होने चाहिए। हरियाली बचाने के लिए हाइवे की संरचना में जरूरी एहतियात बरतते हुए बदलाव भी किया जा सकता है।

सामयिक: यूरोपीय देशों के सामने धर्मसंकट, यूक्रेन के साथ खड़े होने से अमरीका नाखुश

ट्रंप को मनाने व यूक्रेन का मनोबल बढ़ाने की चुनौती

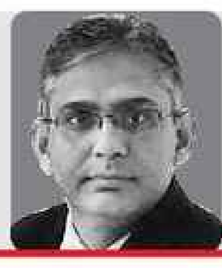

विनय कौड़ा
अंतरराष्ट्रीय मामलों के जानकार
@patrika.com

अमरीकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के साथ वाइट हाउस में अप्रत्याशित वाक् युद्ध के बाद, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमीर जेलेंस्की डैमेज कंट्रोल में उतर गए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया है कि अमरीकी समर्थन उनके लिए 'अत्यंत आवश्यक' है और वे यूक्रेन के प्राकृतिक संसाधन की डील करने को तैयार हैं। नाटो प्रमुख मार्क रुटे ने भी ट्रंप-जेलेंस्की बैठक को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा है कि जेलेंस्की को अमरीकी नेतृत्व के साथ अपने संबंधों को पुनः सुधारने का मार्ग ढूंढना होगा। अमरीकी नाराजगी के व्यापक अभिप्राय पश्चिमी जगत का हर देश समझता है।

ट्रंप का तर्क यह है कि संघर्ष के इस मोड़ पर यूक्रेन अपनी शक्ति खो चुका है। चूंकि जेलेंस्की के पास अब कोई मजबूत कूटनीतिक कार्ड नहीं है तो रूस से शांति समझौता उनकी मजबूरी है। अमरीकी अधिकारियों की बेबाक टिप्पणियों से स्पष्ट है कि ट्रंप का रुख युद्ध को किसी भी कीमत पर समाप्त करने का है। अगर शांति वार्ता के लिए यूक्रेन को रूस के समक्ष झुकना भी पड़े, तो भी इससे गुरेज नहीं करना चाहिए क्योंकि ट्रंप रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ रिश्ते सुधारने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। शीतयुद्ध की समाप्ति के उपरान्त पश्चिमी गठबंधन में यह सबसे विनाशकारी विभाजन है। इस फूट ने इस विचार को मजबूती दी है कि ट्रंप के नए कार्यकाल की शुरुआत में ही 'मुक्त विश्व' टूटने की कगार पर पहुंच गया है, जिसे नए नेतृत्व की आवश्यकता है। यूरोप ने जेलेंस्की के पक्ष में एकजुट होकर अपना समर्थन तो जताया है लेकिन घटनाक्रम यही दर्शाता है कि तीन साल पहले आरंभ हुए यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के प्रयासों में पश्चिमी देशों के बीच मतभेद गहरे हो रहे हैं। फिलहाल सभी यूरोपीय देशों का फोकस इस बात पर है कि बीच-बचाव का रास्ता निकाल ट्रंप को मना भी लिया जाए और साथ ही यूक्रेन का मनोबल भी बरकरार रखा जाए। ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने लंदन में पश्चिमी नेताओं के सम्मेलन में जेलेंस्की को सम्मानित अतिथि के रूप में आमंत्रित कर यूक्रेन की रक्षा के लिए मजबूत गठबंधन का वादा किया।

वाक् युद्ध से दुनिया अवाक!

सीरीज-2

यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने कहा कि यूक्रेन के सहयोगी देशों को उसे लोहे के कंटीले जानवर जैसे बनाना होगा जो संभावित आक्रमणकारियों के लिए असहनीय हो। फ्रांस और ब्रिटेन ने यूक्रेन में एक महीने के सीमित संघर्षविराम का प्रस्ताव रखा। दरअसल यूरोपीय नेतृत्व सक्रिय रूप से यूक्रेन की रक्षा के लिए एक ठोस योजना बनाने की दिशा में चल पड़ा है। लेकिन अमरीका इन यूरोपीय प्रयासों से खुश नहीं है। अमरीकी खुफिया एजेंसियों की प्रमुख तुलसी गबार्ड ने उन यूरोपीय देशों को आड़े हाथों लिया है, जो जेलेंस्की के समर्थन में खड़े हो रहे हैं। यूरोपीय देशों को आशंका है कि यूक्रेन में अपने लक्ष्य पूरे करने पर पुतिन के हौसले और बुलंद हो जाएंगे। हालांकि, यूक्रेन की स्थिति उतनी भी कमजोर नहीं है, जितना आलोचक इसे प्रस्तुत करने का प्रयास कर रहे हैं। अपनी कुछ जमीन खोने के बावजूद, यूक्रेन ने इस युद्ध में अपनी स्वतंत्रता को बनाए रखा है और अपनी सैन्य क्षमता के माध्यम से रूस को भारी नुकसान पहुंचाया है।

वहीं, रूस की स्थिति लगातार कमजोर हो रही है, चाहे वह सैन्य हो या आर्थिक। युद्ध के प्रभाव से रूस की अर्थव्यवस्था भी गंभीर रूप से प्रभावित हुई हैं। हालांकि रूस ने अपनी सैन्य क्षमता बढ़ाने के लिए उत्पादन में तेजी लाने का प्रयास किया है लेकिन यह प्रयास युद्ध की दिशा को निर्णायक रूप से बदलने के लिए पर्याप्त नहीं हैं। रूस को ईरान और उत्तर कोरिया से जो सैन्य सहायता मिल रही है, वह भी युद्ध के परिणाम को एकतरफा बदलने में सफल नहीं हो पाई है। अगर यूक्रेन की सैन्य स्थिति की बात करें, तो उसे पश्चिमी देशों से निरंतर सहायता मिल रही है, जो उसकी सैन्य क्षमता बनाए रखने में सहायक सिद्ध हुई है। पश्चिमी सहायता के बलबूते ही यूक्रेन ने युद्ध में गतिरोध बनाकर रखा है। जेलेंस्की अब अपने राजनीतिक जीवन के सबसे चुनौतीपूर्ण मोड़ पर खड़े हैं। उन्हें या तो इस दरार को पाटना होगा या फिर अमरीकी सहायता के बिना युद्ध जारी रखना होगा। अगर वे इस समय सत्ता छोड़ते हैं, तो युद्ध के अग्रिम मोर्चे पर गंभीर संकट उत्पन्न हो सकता है और राजनीतिक स्पष्टता में भी कमी आ सकती है। यदि अमरीकी सैन्य सहायता में रुकावट आती है, तो यूरोप को उसकी जगह भरने के लिए अपनी नई भूमिका तलाशनी होगी। यूक्रेन की मदद के लिए यूरोपीय देशों को ऐसे हथियार और युद्ध सामग्री खरीदने के लिए तैयार रहना होगा जो वे तुरंत प्रदान नहीं कर सकते। इसके साथ ही, यूरोप को अपनी सैन्य उत्पादन क्षमता भी बढ़ानी होगी ताकि वह यूक्रेन को दी जा रही सहायता को निरंतर जारी रख सके।

अमरीका का दृष्टिकोण काफी हद तक रूस के रुख से मेल खाता है, जो अक्सर पश्चिमी देशों पर यह आरोप लगाता है कि वे अपनी रणनीतिक महत्वाकांक्षाओं के चलते यूक्रेन युद्ध को बढ़ावा दे रहे हैं। लेकिन यूरोपीय नेता यूक्रेन के समर्थन को लोकतांत्रिक मूल्यों और रूस के खिलाफ एक साझा मोर्चा बनाए रखने के रूप में देख रहे हैं। यूरोप के सामने चुनौती इसलिए भी अहम है क्योंकि रूस का यूरोपीय राजनीति और सुरक्षा पर गहरा प्रभाव है।

यदि यूरोप ने रूस की विजय को रोकने में सफलता पाई, तो न केवल यूक्रेन की स्वतंत्रता बनी रहेगी, बल्कि यह यूरोप के समग्र सुरक्षा ढांचे को भी मजबूत करेगा। लेकिन, यह यूरोपीय देशों के सामूहिक प्रयास और एकजुटता पर निर्भर करेगा।

रीडर्स व्यू : इस मुद्दे पर पाठकों के विचार क्यूआर कोड स्कैन कर पढ़ें और अपने विचार भी ई मेल edit@epatrika.com पर भेज सकते हैं।

पत्रिका डिजिटल पर भी पढ़ें विशेष लेख

वर्तमान समय में तकनीकी साक्षरता ही समाधान है
नीता टहलयानी
shorturl.at/y2tjt

यदि आप भी समसामयिक विषयों, सामाजिक मुद्दों पर लिखते हैं तो हमें writers@in.patrika.com पर ई-मेल करें।

प्रसंगवश

प्रशिक्षक ही नहीं तो फिर कैसे आगे बढ़ेंगी खेल प्रतिभाएं?

सच तो यह है कि यदि खिलाड़ियों को दक्ष प्रशिक्षकों का मार्गदर्शन मिले तो वे राज्य का नाम रोशन कर सकते हैं

खेलों को बढ़ावा देने के लिए सरकार कोई कोर-कसर नहीं छोड़ने का वादा करती रही है। लेकिन खेलों को बढ़ावा देने के लिए बनी राजस्थान क्रीडा परिषद में मानव संसाधन की हालत देखकर ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि सरकार अपने इस ध्येय के प्रति कितना चिंतित है? क्रीडा परिषद में 68 फीसदी पद रिक्त हैं। यहां स्वीकृत 443 पदों में से 330 पद खाली हैं। वहीं खेल प्रशिक्षकों के तो 88 फीसदी पद रिक्त हैं। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर प्रशिक्षकों के अभाव में यहां खिलाड़ियों को किस तरह से तैयार किया जा रहा होगा? हैरत की बात यह है कि पिछले 12 साल से क्रीडा परिषद में खेल प्रशिक्षकों की भर्ती ही नहीं हुई है। गत वर्ष पेरिस ओलंपिक में दुनियाभर से साढ़े दस हजार खिलाड़ी शामिल हुए थे, जिनमें भारत के भी 117 खिलाड़ी थे। जबकि राजस्थान से गत वर्ष मात्र दो खिलाड़ी ही पेरिस ओलंपिक में जा सके थे। यह मुद्दा विधानसभा में भी उठा था। राष्ट्रीय-अन्तरराष्ट्रीय खेल स्पर्धाओं में पदक लाने के बाद सरकार खिलाड़ियों को पुरस्कार देकर सम्मानित तो करती है, लेकिन पदक लाने वाले खिलाड़ी ज्यादा से ज्यादा हों इसकी चिंता शायद किसी को नहीं होती। स्वाभाविक है कि यदि खिलाड़ियों को दक्ष प्रशिक्षकों का मार्गदर्शन मिले तो वे राज्य का नाम रोशन कर सकते हैं।

अभी तो स्थिति यह है कि सरकार की ओर से खेलों को लेकर चलाई जा रही योजनाओं व बजट का भी खिलाड़ियों को पूरा फायदा नहीं मिल पाता। खुद क्रीडा परिषद के जिम्मेदार लोगों को भी अपनी बात उचित मंच तक पहुंचानी चाहिए, ताकि खेल व खिलाड़ियों की बेहतरी के लिए काम हो सके। प्रदेश के गांव-कस्बों में अनेक खेल प्रतिभाएं छिपी हुई हैं, लेकिन जरूरत उन्हें तराशकर सही मौका देने की है। कुछ ही दिनों पहले प्रतापगढ़ की एक बालिका का सोशल मीडिया पर क्रिकेट खेलते हुए वीडियो वायरल हुआ, जिसे क्रिकेट सितारे सचिन तेंदुलकर तक ने सराहा। आरसीए ने इस बालिका के आगे के प्रशिक्षण का दायित्व भी हाथ में लिया है। ऐसी ही कई खेल प्रतिभाएं प्रदेश के हर हिस्से में मिल जाएंगी, जिन्हें समुचित प्रोत्साहन दिया जाए तो वे बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं। जरूरत क्रीडा परिषद जैसी संस्थाओं को मजबूत करने की है, ताकि वे अपना काम समुचित तरीके से कर सकें। - **नरोत्तम शर्मा**

narottam.sharma@in.patrika.com

साइबेरियाई यूनिकॉर्न

39 हजार साल पहले पाया जाता था यह प्राचीन गैंडा

एलास्मोथेरियम, जिसे 'गांबीयन साइबेरियाई यूनिकॉर्न' भी कहा जाता है, यह विलुप्त प्रजाति का विशालकाय गैंडा था, जो यूरेशियाई क्षेत्र में लेट प्लायोसिन और प्लेइस्टोसीन युग (लगभग 39,000 साल पहले) में पाया जाता था। यह अपने विशाल सींग और फर से ढके शरीर के लिए प्रसिद्ध था, जो इसे अन्य गैंडों से अलग बनाता था। यह प्राचीन गैंडा लगभग 5 मीटर लंबा और 2 मीटर ऊंचा था, और इसका वजन लगभग 4 से 5 टन तक हो सकता था। यह प्रजाति 1808 में जोहान फिशर वॉन वाल्डहेम की ओर से नामित की गई थी, जो उस समय मॉस्को के प्राकृतिक इतिहास संग्रहालय के निदेशक थे। एलास्मोथेरियम का सींग अत्यंत बड़ा था और इसका आकार आधुनिक गैंडों के मुकाबले कहीं अधिक था, जो इसे एक प्राचीन यूनिकॉर्न की छवि से जोड़ता है। इसी कारण कई शोधकर्ताओं का मानना है कि यह प्रजाति यूनिकॉर्न की प्राचीन कथाओं और मिथकों का आधार हो सकती है, जो आज तक मानव सभ्यता में प्रचलित हैं। यह जीव विलुप्त प्रजातियों की सूची में शामिल है।

आत्म दर्शन

इस संसार में कुछ भी अनुपयोगी नहीं

जीवन की गुणवत्ता समय, ऊर्जा और साधनों के सम्यक रूप से नियोजन पर निर्भर करती है। प्रत्येक मनुष्य को जन्म से ही जीवन की उच्चतर सम्भावनाओं को उद्घाटित करने और परमात्मा की प्राप्ति का अधिकार है, किन्तु महान वही बन पाया, जिसने प्राप्त अवसरों का समय पर उपयोग किया। इस संसार में कुछ भी अनुपयोगी नहीं है, हम जिसे हेय और त्यागने योग्य मानते हैं, उनमें भी कहीं कोई श्रेष्ठता छिपी हुई है, इसलिए सकारात्मक दृष्टिकोण रखें एवं सभी का आदर करें। अवसर ईश्वर की ओर से मानव को भेजे गए प्रदत्त दुर्लभ व अनुपम उपहार हैं। प्रभु जिस उद्देश्य से मनुष्य को सुअवसर प्रदान करते हैं, यदि मनुष्य उस अदृश्य सत्ता के संकेतों को समझ जाए और उसका सदुपयोग करे तो जीवन का कायाकल्प सम्भव है। अवसर वह अनमोल मोती है, जिसे प्राप्त करने के लिए विध्वंसक व सर्जक सदैव आतुर रहते हैं। यदि अवसर विध्वंसक के हाथ लगता है तो विनाश, अत्याचार, अराजकता, अनाचार, पीड़ा, दंश, असंतोष और पश्चाताप बनकर जीवन को पीड़ामय बनाता है, लेकिन यदि यह सर्जक के हाथ लगता है, तो आनन्द, उत्साह, जिज्ञासा, संतोष, प्रेरणा, हर्ष, विकास, ज्ञान, सुख, शान्ति, सौहार्द, प्रेम व भाईचारे की आधार भूमि बनता है। ईश्वर द्वारा प्रदत्त अवसर का सदुपयोग या दुरुपयोग ही हमारे भावी व्यक्तित्व के अच्छे व बुरे होने का निर्धारण करता है। वह इस धरती पर किसी भी जीव को जीवन व अवसर निरर्थक नहीं प्रदान करता। अवसर उसे महत्त्व देता है और जो अवसर को महत्त्व देता है। अवसर उस द्रुतगामी रेलगाड़ी की तरह है, जिसे निश्चित समय पर दूरस्थ यात्रा के लिए निकलना ही है।

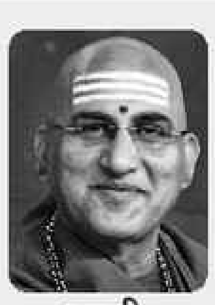

स्वामी अवधेशानंद गिरि
@patrika.com

मेंटल हैल्थ: पुलिसकर्मी मानसिक स्वास्थ्य के संकट से खामोशी से जूझते हैं, जिससे उनका जीवन प्रभावित होता है

उनकी खाकी वर्दी के पीछे छिपा होता है गहरा दर्द

डॉ. शीतल नायर
लेखक
साइकोथैरेपिस्ट और टेड एक्स स्पीकर हैं
@patrika.com

लंबे समय तक ड्यूटी, अपराध और हिंसा के लगातार सम्पर्क में रहना और जनता की कठोर निगरानी उनके व्यक्तिगत स्वास्थ्य के लिए बहुत कम गुंजाइश छोड़ती है।

हमारे व्यस्त शहरों और छोटे कस्बों के शांत कोनों में एक मूक युद्ध लड़ा जा रहा है। यह युद्ध हथियारों से या अदालतों में नहीं, बल्कि हमारी रक्षा और सेवा में रत पुलिसकर्मियों व अधिकारियों के मन में लड़ा जा रहा है। वर्दी और अलंकरणों से ढके तन के पीछे पुलिस वाला एक ऐसा व्यक्ति है जो तनाव, आघात और कर्तव्य की भारी भावना से दबा हुआ है। एक पुलिस अधिकारी का जीवन विरोधाभासों से भरा है- वे समाज के रक्षक होने के बावजूद अक्सर अपने ही मानसिक स्वास्थ्य की रक्षा नहीं कर पाते। लंबे समय तक ड्यूटी, अपराध और हिंसा के लगातार सम्पर्क में रहना और जनता की कठोर निगरानी उनके व्यक्तिगत स्वास्थ्य के लिए बहुत कम गुंजाइश छोड़ती है।

शोध बताते हैं कि पुलिसकर्मियों में अवसाद, चिंता और यहां तक कि आत्महत्या की दर आम जनसंख्या की तुलना में अधिक है। फिर भी, पुलिस बल में मानसिक स्वास्थ्य एक वर्जित विषय बन हुआ है, जहां मदद मांगने को अक्सर कमजोरी समझा जाता है। 'मजबूत पुलिस अधिकारी' की धारणा के बीच भावनात्मक द्वंद्व के लिए कोई जगह नहीं है, इसलिए कई अधिकारी चुपचाप पीड़ा सहते रहते हैं। कल्पना कीजिए कि आप उस अपराध स्थल पर कदम रख रहे हैं, जहां अभी-अभी हिंसक घटना घटी है। खून से सना फर्श, बेजान बच्चे को सीने से लगाए मां की चीखें, अपने परिवार की रक्षा न कर पाने वाले पिता की बेबसी-यही देखना-सहना एक पुलिस अधिकारी की रोजमर्रा की सच्चाई है। उन्हें भावशून्य रहना पड़ता है, इस भयावहता को दर्ज करना होता है, हालात को नियंत्रित करना पड़ता है और फिर ऐसे आगे बढ़ जाना होता है, मानो कुछ हुआ ही न हो। ऐसा लगभग हर दिन होता है।

26/11 के मुंबई आतंकी हमलों के दौरान अहम भूमिका निभाने वाले मुंबई पुलिस के अधिकारी विश्वास नांगरे पाटिल ने कई साक्षात्कारों में बताया है कि उस रात जो रक्तपात और मौतें उन्होंने देखीं, वे वर्षों बाद भी उनका पीछा नहीं छोड़तीं। निर्दोष जीवन छिन जाने के दृश्य, यह अहसास कि वह सभी को बचा नहीं सके-ये यादें कभी नहीं मिटतीं। दिल्ली में एक युवा कांस्टेबल ने अपराधियों से नहीं, बल्कि अपने ही अवसाद से जान गंवा दी। उसने अपनी सर्विस रिवॉल्वर से अपने मन की चीखों को शांत करने की कोशिश की।

उसके सुसाइड नोट में लिखा था कि वह अब इस दबाव को सहन नहीं कर सकता। वह अपराधियों के सामने दृढ़ता से खड़ा रहा, लेकिन उसकी अपनी निराशा ही उसकी सबसे बड़ी दुश्मन बन गई और फिर दिल्ली पुलिस का वह अधिकारी, जिसके वायरल वीडियो ने लोगों को हंसाया-मेट्रो में लड़खड़ाते हुए, ठीक से खड़े होने में असमर्थ। इंटरनेट ने उसे 'ड्यूटी पर नशे में' बता दिया। लेकिन वे सच्चाई नहीं जानते थे। उसे ब्रेन स्ट्रोक हुआ था। वर्षों तक बिना नींद के रातें बिताने, अपराधियों का पीछा करने और हमेशा 'सुपरह्यूमन' बने रहने की अपेक्षाओं ने उसके शरीर को तोड़ दिया था। जब कानून के रखवाले ड्यूटी पर होते हैं, तो वे वर्दी पहनते हैं, लेकिन घर पर वे एक पति, पत्नी, माता-पिता और संतान भी होते हैं। पर वे उन भयावह घटनाओं को अपने मन से कैसे मिटाएं? जिस दिन वे किसी मृत शरीर को अपने हाथ से उठाते हैं, उस दिन अपनी संतान को गले कैसे लगाएं?

कल्पना कीजिए- एक सम्मानित पुलिस अधिकारी की छोटी-सी बेटी अपने जन्मदिन पर पिता के घर आने का इंतजार कर रही है। केक तैयार है, मोमबत्तियां जल चुकी हैं। लेकिन वह नहीं आता। इसलिए नहीं कि वह शहर की सुरक्षा में व्यस्त है, बल्कि वह अपनी कार में अकेले बैठा शून्य में ताक रहा है और घर में प्रवेश करने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहा। उनके मन पर अभी-अभी देखे गए अपराध स्थल का बोझ हावी है। उनके परिवार उनसे प्यार तो करते हैं, लेकिन हमेशा उन्हें समझ नहीं पाते और समाज? समाज केवल वर्दी को देखता है, उनके अंदर के इंसान को नहीं।

जब कोई अधिकारी टूट जाता है तो उसे उपहास का पात्र बना दिया जाता है। जब वे क्रोध व्यक्त करते हैं तो उन्हें असंवेदनशील कहा जाता है। जब वे मदद मांगते हैं तो उन्हें 'और मजबूत बनने'की सलाह दे दी जाती है। आखिर कब तक? कितनी देर तक वे खुद को संभाल सकते हैं, इससे पहले कि वे पूरी तरह बिखर जाएं? पुलिस सेवाओं में मानसिक स्वास्थ्य संकट स्पष्ट दिखने के बावजूद विभागीय सहयोग नगण्य हैं। मनोवैज्ञानिक परामर्श दुर्लभ है और मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम लगभग नदारद हैं। हमारे कानून के रखवाले आधुनिक योद्धा हैं, फिर भी हम उन्हें उनके मानसिक कल्याण को सुरक्षित रखने के लिए आवश्यक उपकरणों से लैस करने में विफल रहे हैं। अब चुप्पी तोड़ने का समय आ गया है। उनके मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। यह न केवल उनके लिए, बल्कि सुरक्षा के लिए उन पर निर्भर समाज के लिए भी जरूरी है।

आपकी बात

अज्ञात लिंक पर क्लिक न करें

अपने बैंकिंग विवरण को गोपनीय रखें और किसी के साथ ओटीपी या पासवर्ड साझा न करें। केवल अधिकृत और सुरक्षित वेबसाइटों से ही भुगतान करें और अज्ञात लिंक पर क्लिक करने से बचें। लेन-देन के बाद बैंक स्टेटमेंट को नियमित रूप से जांचें और धोखाधड़ी होने पर साइबर थाने में शिकायत करें।

- **संजय माकोड़े**, बैतूल

मजबूत पासवर्ड बनाएं

मजबूत पासवर्ड का इस्तेमाल करें। हर अकाउंट के लिए अलग-अलग पासवर्ड जरूर रखें। सार्वजनिक वाइ-फाइ के जरिए वित्तीय लेनदेन न करें। किसी भी नए पोर्टल पर जाकर ट्रांजेक्शन करने से पहले चेक कर लें कि वह विश्वसनीय है या नहीं। अपने ही कम्प्यूटर व मोबाइल का इस्तेमाल करें।

- **शिवजी लाल मीना**, जयपुर

आज का सवाल

महिलाओं को उद्यमिता में बढ़ावा देने के लिए क्या प्रयास किए जा सकते हैं?

ईमेल करें
edit@epatrika.com

patrika.com पर पढ़ें

पाठकों की अन्य प्रतिक्रियाएं

पत्रिकायन का सवाल था, 'ऑनलाइन ट्रांजेक्शन करते समय क्या सावधानियां बरतनी चाहिए?' अन्य पाठकों की प्रतिक्रियाएं ऑनलाइन भी देख सकते हैं।

इसे स्कैन करें

https://shorturl.at/97shs

बाड़ी में छिपा कर रखा 9 किलो गांजा किया जब्त

रायगढ़ @ पत्रिका. बाड़ी में छिपा कर रखा गया 9 किलो गांजा को पुलिस ने जब्त किया है। अवैध रूप से गांजा बिक्री किए जाने के मामले में पुलिस ने एक आरोपी को भी गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई लैलूंगा पुलिस ने जामबहार गांव में की है।

इस संबंध में पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार पुलिस टीम को मुखबिर से सूचना मिली कि गोजाराम यादव गांजा छिपाकर बिक्री के लिए रखा है। सूचना मिलते ही लैलूंगा थाना प्रभारी निरीक्षक राजेश जांगड़े के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मौके पर दबिश दी। इस बीच ने संदेही के टिकरा व पैरावट की तलाशी ली। वहां 9 पैकेट गांजा (प्रत्येक 1 किलो) बरामद हुआ। उसे आरोपी ने ओडिशा से लाने की बात स्वीकार की। गांजा जब्त होने के साथ ही पुलिस ने आरोपी गोजाराम यादव पर एनडीपीएस एक्ट की धारा 20(बी) के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में आरोपी ने पुलिस को बताया कि वह गांजा को ओडिशा से लाया था और घर में ही उसकी बिक्री करता है। अब पुलिस इस मामले में बैकवर्ड व फारवर्ड लिंक तलाश करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। रायगढ़ पुलिस ने लोगों से अपील है कि अगर कहीं भी अवैध नशे का कारोबार हो रहा है, तो तुरंत पुलिस को सूचित करें।

ईडी ऑफिस के सामने कांग्रेसियों का धरना, बोले- साहस है तो भाजपा ऑफिस की करें जांच

ईडी भाजपा के अनुषांगिक संगठन की भांति कर रही काम : कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष बैज

नेता प्रतिपक्ष बोले- डबल इंजन की सरकार में ईडी का दुरुपयोग

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

ईडी ऑफिस के सामने कांग्रेस ने धरना दिया।

रायपुर. ईडी की कार्यप्रणाली के विरोध में तथा ईडी द्वारा कांग्रेस के दफ्तर में नोटिस भेजने एवं कांग्रेस के महामंत्री मलकीत सिंह गैंदू को जबरिया घंटों ईडी ऑफिस में बैठाने के विरोध में कांग्रेस ने ईडी ऑफिस के सामने धरना दिया। इस दौरान कांग्रेसी नेताओं ने कहा, आरएसएस का 12 मंजिल का भवन करोड़ों में बना है। ईडी उसकी जांच क्यों नही कर रही है। ईडी में साहस है तो वह भाजपा के 150 करोड़ रुपए की लागत से बने भाजपा कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे के रुपए कहां से आए इसकी जांच करें?

ईडी-सीबीआई का दुरुपयोग कर विपक्ष को कर रहे कमजोर : महंत

नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने कहा, दुर्भाग्य की बात कि ईडी राजीव भवन तक आ गई थी। डबल इंजन की सरकार में ईडी का दुरुपयोग किया जा रहा हैं। भाजपा के इशारे पर ईडी कार्यवाही कर रही हैं। डबल इंजन की सरकार में विपक्ष के यहां छापा मारा जाता है। भाजपा की सरकार सूची बनाकर ईडी को देती है और छापा मारने का आदेश देती है। विपक्ष को परेशान करने के लिए भाजपा ईडी और सीबीआई का दुरुपयोग करती है। भाजपा विपक्ष को कमजोर करना चाहती है।

भाजपा के इशारे पर कांग्रेसियों को परेशान कर रही ईडी

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा, देश के इतिहास में पहली बार राजनीतिक दल के दफ्तर पर सेंट्रल एजेंसी आता है और आकर कहता है कि आपके नाम से नोटिस आया है, समन आया है। ईडी द्वारा भेजे गए समन के आधार पर जानकारी देने गए कांग्रेस के प्रभारी महामंत्री मलकीत सिंह गैंदू को जबरिया ईडी ऑफिस में घंटों बैठाया जाना बेहद ही आपत्तिजनक है। ईडी ने भाजपा के इशारे पर कांग्रेस के वरिष्ठ पदाधिकारी को अनावश्यक घंटों बैठाए रखा था। ईडी भाजपा के अनुषांगिक संगठन की भांति काम कर रही है जो सर्वथा अस्वीकार्य है।

भाजपा सरकारी तंत्र का दुरुपयोग कर रही

एआईसीसी सचिव एवं छत्तीसगढ़ प्रभारी जरिता लैतफलांग ने कहा, भाजपा सरकार सरकारी तंत्र का दुरुपयोग विपक्ष के नेताओं को परेशान करने के लिए कर रही हैं। पिछले 15 महीनों से भाजपा की सरकार आई है। न्याय और प्रशासन पूरी तरह ठप पड़ चुकी है। भाजपा को जासूसी में दिलचस्पी है। धरने में पूर्व मंत्री ताम्रध्वज साहू, सत्यनारायण शर्मा, शिव कुमार डहरिया सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस के विधायक, पूर्व विधायक और पदाधिकारी उपस्थित थे।

ईडी विपक्षी दलों को कर रही परेशान : भूपेश

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा, ईडी वहां जाती है, जहां उनके आका निर्देश देते हैं। मनी लांड्रिंग और भ्रष्टाचार जहां हुआ वहां ईडी नहीं जाती हैं। ईडी तो सिर्फ विपक्षी दलों को परेशान करने के लिए आती है क्योंकि उनको ऊपर से आदेश मिलता है। ईडी में साहस है तो देश में मनी लांड्रिंग और भ्रष्टाचार और विदेश से देश में पैसा आया है उसकी जांच करे। ईडी इस मामले में कुछ क्यों नही कर रही है। ईडी भाजपा के एजेंट के तरह काम कर रही है।

एमडी-एमएस में 5 परसेंटाइल से प्रवेश, लेकिन कोई नोटिफिकेशन जारी नहीं

नए सिरे से कराना होगा ऑनलाइन पंजीयन

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

रायपुर. नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी) ने पीजी कोर्स एमडी-एमएस में प्रवेश के लिए कटऑफ मार्क्स को घटा दिया है। अब नीट पीजी में 5 परसेंटाइल लाने वाले छात्र भी प्रवेश के लिए पात्र होंगे, लेकिन इसके लिए कोई नोटिफिकेशन जारी नहीं किया गया है। इसके लिए चिकित्सा शिक्षा विभाग को नए सिरे से ऑनलाइन पंजीयन करवाना होगा। यानी अब पीजी कोर्स में एडमिशन लेने की तारीख बढ़ेगी। कमिश्नर मेडिकल एजुकेशन के अनुसार, एडमिशन की तारीख बढ़ाने के लिए एनएमसी को पत्र लिखा गया है।

अधिकारियों के अनुसार, हाईकोर्ट ने इन सर्विस कोटे के डॉक्टरों को बोनस व पात्रता के अनुसार प्रवेश देने को कहा है। यही नहीं, हाईकोर्ट ने काउंसलिंग को स्थगित भी नहीं किया है। बोनस अंक व रैंक के अनुसार मेरिट में आए छात्रों को सीटें आवंटित की जाएंगी। हालांकि अगर छात्र ऊपर रैंक में आते हैं तो मेरिट प्रभावित होगी। ऐसे में एडमिशन प्ररि या फिर से करानी पड़ सकती है। अधिकारियों का दावा है कि एडमिशन रद्द करने की जरूरत नहीं है। नंबर के अनुसार, सीटों का आवंटन कर दिया जाएगा। इन सर्विस कैटेगरी में मिले बोनस नंबरों के विवाद के बाद कमिश्नर मेडिकल एजुकेशन कार्यालय ने हैल्थ डायरेक्टर को पत्र लिखकर बोनस नंबर का वेरिफिकेशन की मांग की है। नंबर के वेरिफिकेशन के बाद सही नंबर भी भेजने को कहा गया है, जिससे विवाद की स्थिति खत्म हो।

स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही पड़ रही भारी: मेडिकल कॉलेजों में संचालित पीजी कोर्स एमडी-एमएस की काउंसलिंग में बार-बार देरी स्वास्थ्य विभाग के कारण हो रही है। दरअसल, बोनस नंबर स्वास्थ्य विभाग (डीएचएस) देता है और इनसर्विस कोटे के डॉक्टरों को गलत बोनस नंबर दे रहा है। इससे काउंसलिंग बुरी तरह प्रभावित हो रही है। पिछले साल 29 नवंबर को काउंसलिंग स्थगित की गई थी, जब पहले राउंड में एडमिशन चल रहा था। 17 नवंबर को हाईकोर्ट में केस दायर होने के बाद स्ट्रे राउंड की च्वॉइस फिलिंग स्थगित की गई थी। इसके बाद हाईकोर्ट के आदेश का इंतजार किया जा रहा था। प्रदेश में तीन राउंड की काउंसलिंग पूरी हो चुकी है।

हाईकोर्ट का आदेश मिल गया है, जिसमें इनसर्विस कोटे के छात्रों को पात्रतानुसार एडमिशन देने को कहा है। पूरा एडमिशन रद्द नहीं किया गया है। डीएचएस से बोनस नंबर वेरिफाई करने को कहा गया है। साथ ही एनएमसी को पत्र लिखकर एडमिशन की तारीख बढ़ाने को भी कहा गया है।
किरण कौशल, कमिश्नर मेडिकल एजुकेशन

मुनाफा का झांसा देकर 70 साल के बुजुर्ग से 5.70 लाख रुपए की ठगी

भिलाई @ पत्रिका. जुनवानी मॉडल टाउन सूर्या आपार्टमेंट निवासी 70 वर्षीय बुजुर्ग प्रमोद कुमार संगल 5 लाख 70 हजार रुपए साइबर ठगी के शिकार हो गए। एक अनजान युवती ने इनवेस्ट करने पर 20 प्रतिशत लाभ का झांसा दिया। उसकी बातों पर विश्वास कर इनवेस्ट कर दिया। शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 420, 34 के तहत प्रकरण दर्ज किया है।

वैशाली नगर थाना पुलिस ने बताया कि प्रमोद कुमार संगल के मोबाइल पर 22 अप्रैल 2024 को एक युवती ने कॉल आया। उसने अपना नाम सुनीता सिंह बताया। उसने कहा कि हमारी कंपनी जंबी रिसर्च इंस्टीट्यूट एम्पलाई है। उसमें रकम इनवेस्ट करेंगे तो कंपनी उन्हें कम समय में 20 प्रतिशत कमीशन देगी। प्रमोद उसके झांसे में आकर सुनीता पर विश्वास कर लिया। उसी दिन यूको बैंक खाते से सुनीता द्वारा दिए गए बैंक खाते में 50 हजार रुपए ट्रांसफर कर दिया। इसके बाद 23 अप्रैल 2024 को यूको बैंक भिलाई ब्रांच से 50 हजार रुपए, 4 लाख और 50 हजार रुपए समेत 5 लाख 70 हजार रुपए ट्रांसफर किया।

पुलिस को बताया कि जब उसने 50 हजार रुपए ऑनलाइन जंबी रिसर्च इंस्टीट्यूट कंपनी को दिया तो अगले दिन उसने उनसे प्रॉफिट सहित रिटर्न मांगा। इस पर कंपनी ने कहा कि उनके एकाउंट में रिटर्न सहित पैसा दिख रहा है, लेकिन उसके विड्रा के लिए लिमिट बढ़ाना होगा। तब कंपनी के झांसे में आकर 50 हजार रुपए ट्रांसफर कर दिया।

सुप्रीम कोर्ट : बेल के बाद भी मुश्किलें कम नहीं

कोल घोटाला : आईएएस रानू, सौम्या सहित 12 को जमानत

डीएमएफ घोटाले में रानू साहू, सौम्या चौरसिया और सूर्यकांत तिवारी गिरफ्तार

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

बिलासपुर . छत्तीसगढ़ के कोल लेवी घोटाले में सुप्रीम कोर्ट ने निलंबित आईएएस रानू साहू और सौम्या चौरसिया समेत 12 आरोपियों को अंतरिम जमानत दे दी है। हालांकि जमानत के बाद भी रानू साहू, सौम्या चौरसिया और सूर्यकांत तिवारी की मुश्किलें कम नहीं होंगी, क्योंकि डीएमएफ घोटाले में ईओडब्ल्यू-एसीबी ने उन्हें पुनः गिरफ्तार कर लिया है।एजेंसियों ने आरोपियों की 6 दिन की पुलिस रिमांड मांगी है।

सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस कोटेश्वर सिंह ने सशर्त जमानत देते हुए कहा कि आरोपी जमानत के बाद भी उचित आचरण बनाए रखें और अदालत के निर्देशों का सख्ती से पालन करें। अगर वे किसी गवाह को प्रभावित करने, सबूतों से छेड़छाड़ करने या जांच में बाधा डालने में लिप्त पाए जाते हैं, तो राज्य सरकार अंतरिम जमानत रद्द करने के लिए कोर्ट में आवेदन कर सकती है और ऐसी स्थिति में अंतरिम जमानत रद्द कर दी जाएगी। बता दें कि इन सभी हाई प्रोफाइल आरोपियों को एंटी करप्शन ब्यूरो की ओर से दर्ज मामले में अंतरिम जमानत मिली है।

इन्हें मिली है अंतरिम जमानत

निलंबित आईएएस रानू साहू, निलंबित आईएएस समीर बिश्नोई, निलंबित राज्य सेवा अधिकारी सौम्या चौरसिया, कारोबारी सूर्यकांत तिवारी, शिवशंकर नाग, दीपेश टांक, हेमंत जायसवाल, राहुल कुमार सिंह, चंद्रप्रकाश जायसवाल, शेख मोइनुद्दीन कुरैशी, रोशन कुमार सिंह और संदीप कुमार नाग को अंतरिम जमानत दी है।

मवेशियों की तस्करी करते 4 गिरफ्तार, 2 वाहन जब्त

जशपुरनगर @ पत्रिका. जशपुर पुलिस ने बीती रात्रि वृहद स्तर पर ऑपरेशन शंखनाद के नाम से कुल 4 मवेशी तस्करों के विरूद्ध कार्यवाही कर उनसे कुल 15 नग मवेशियों को जप्त किया गया। तस्करों से बगीचा एवं नारायणपुर क्षेत्र से 2 नग पिकअप भी जप्त किया गया। पुलिस के बढ़ते दबाव से थाना नारायणपुर क्षेत्र से अज्ञात गौ-तस्कर वाहन को रास्ते में छोड़कर भाग गए।

घटना के संबंध में पुलिस सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह को बीती रात्रि में विष्वस्त मुखबिर से सूचना मिली, कि कुछ गौ-तस्कर सरगुजा क्षेत्र से वाहन से मवेशियों की तस्करी करते हुए जशपुर जिला होते हुए झारखंड की ओर ले जाने वाले हैं। इस सूचना पर जशपुर जिले के विभिन्न थानों को अलर्ट कर रात्रि में ही नाकाबंदी कर आने-जाने वाले वाहनों की चेकिंग की जा रही थी। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनिल सोनी द्वारा थाना प्रभारियों को लगातार दिशा-निर्देश दिया जा रहा था।

कार्रवाई : जांच में हुई भ्रष्टाचार की पुष्टि

तेंदूपत्ता बोनस की राशि हड़प गया सुकमा डीएफओ, निलंबित

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

जगदलपुर . छत्तीसगढ़ में वन विभाग में जारी भ्रष्टाचार को लेकर बड़ी कार्रवाई सामने आई है। बस्तर संभाग के सुकमा जिला मुख्यालय के वन मंडल अधिकारी (डीएफओ) अशोक कुमार पटेल को निलंबित कर दिया है। बताया जाता है कि सरगुजा संभाग में भी एक डीएफओ पर गंभीर भ्रष्टाचार के आरोप लगे हैं। यह अधिकारी सीधे आईएफएस नहीं हैं, बल्कि छोटे पद से डीएफओ बने हैं और कई अनियमितताओं को अंजाम दे चुके हैं। स्थानीय लोग इनके खिलाफ लगातार शिकायतें करते रहे हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है, जिससे वे कुर्सी पर बने हुए थे।

बता दें कि सुकमा डीएफओ अशोक पटेल पर भूपेश सरकार के समय भी लेंटाना, सामाजिक वानकी और कांगेर वैली में खाद घोटाला में करोड़ों की राशि के गबन के मामले सामने आए थे। लेकिन बड़ी शिकायतों के बावजूद विभाग में कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो रही थी।

सुकमा वन मंडल में वर्ष 2021-22 का बोनस तेंदूपत्ता संग्राहकों को नकद वितरित किया जाना था। बोनस वितरण में घोटाले की शिकायत मिलने के बाद इस मामले की जांच करवाई गई। इसकी प्रारम्भिक रिपोर्ट अभी प्राप्त हुई है जिसमे बोनस वितरण अनियमितता की पुष्टि हुई है। इस मामले में राज्य शासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए डीएफओ को निलंबित कर दिया है।
-आर सी दुग्गा, सीसीएफ जगदलपुर

बीसीआई को चुनाव नियमों में संशोधन प्रस्तुत करने के निर्देश, अगली सुनवाई दो दिन बाद

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

बिलासपुर. स्टेट बार काउंसिल के चुनाव नहीं होने के मामले में हाईकोर्ट ने बार काउंसिल ऑफ इंडिया का शपथपत्र प्रस्तुत नहीं किए जाने पर नाराजगी जताई। बीसीआई को चुनाव के संशोधित नियमों की जानकारी देनी है ताकि उसी अनुसार चुनाव कार्यक्रम तैयार हो सके। कोर्ट ने अगली सुनवाई 6 मार्च को रखी है।

सोमवार को चीफ जस्टिस रमेश कुमार सिन्हा, जस्टिस रविन्द्र कुमार अग्रवाल की डिवीजन बेंच ने सुनवाई के दौरान राज्य बार काउंसिल ऑफ छत्तीसगढ़ और बार काउंसिल ऑफ इंडिया के सचिव से मांगे गए शपथपत्र के बारे में जानकारी ली। इस पर बीसीआई के सचिव द्वारा शपथपत्र डिस्पैच किए जाने की जानकारी दी गई, जिसकी प्राप्ति नहीं हुई है। उल्लेखनीय है कि 18 फरवरी 2025 को सुनवाई में डिवीजन बेंच ने आदेश दिया था कि नियमों-अधिसूचनाओं या बार काउंसिल ऑफ इंडिया द्वारा नियमों में लाए गए किसी भी संशोधन को ठीक से पढ़ें और अगली सुनवाई में चुनाव कार्यक्रम तय करने के संबन्ध में शपथपत्र पर जवाब दें। ताकि बीसीआई के अपडेट नियमों के अनुसार चुनाव कार्यक्रम तैयार किया जा सके और कोई अनावश्यक स्थगन न मांगा जाए।

बीसीआई नियमों में लाए गए संशोधन का चुनाव कार्यक्रम तैयार करते समय ध्यान नहीं रखा गया है। इसलिए राज्य बार काउंसिल के सचिव से भी 30 जनवरी 2015 की अधिसूचना को ध्यान में रखते हुए एक नया शपथपत्र प्रस्तुत करने का आदेश दिया था।

बता दें कि छत्तीसगढ़ स्टेट बार कौंसिल का बीते 4 साल से चुनाव नहीं हो पाया है। निर्वाचित पदाधिकारियों के नहीं होने से अधिवक्ताओं के वेलफेयर से लेकर कई जरूरी काम अटके हुए हैं। हाईकोर्ट ने इस पर स्वतः संज्ञान में लेकर जनहित याचिका के रूप में सुनवाई प्रारंभ की है।

हाईकोर्ट : पूर्व पैटर्न के अनुसार निजी स्कूल ले सकेंगे परीक्षा

निजी और अशासकीय स्कूलों में नहीं होगी पांचवीं व आठवीं की बोर्ड परीक्षा

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

बिलासपुर . राज्य सरकार द्वारा इस सत्र से ली जा रही पांचवी और आठवीं की बोर्ड परीक्षा निजी और अनुदान प्राप्त अशासकीय स्कूलों में नहीं होंगी। हाईकोर्ट ने अपने महत्वपूर्ण फैसले में राज्य की केंद्रीयकृत परीक्षाओं से निजी स्कूलों को अलग कर दिया है। जस्टिस बीडी गुरु की सिंगल बेंच ने यह निर्णय छत्तीसगढ़ प्राइवेट स्कूल मैनेजमेंट एसोसिएशन के साथ अन्य दो याचिकाओं पर दिया है।

बता दें कि छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल से मान्यता प्राप्त स्कूलों में इसी सत्र से 5वीं और 8वीं की बोर्ड परीक्षा लेने के शिक्षा विभाग का आदेश के खिलाफ निजी स्कूलों के साथ अभिभावकों ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। निजी स्कूल एसोसिएशन का कहना था कि उन्होंने पहले ही शिक्षा विभाग को लिखकर दिया था कि वे सीजी समग्र एवं मूल्यांकन पैटर्न पर बच्चों को पढ़ा रहे हैं। अब तक इन कक्षाओं के होम एग्जाम हुआ करते थे। लेकिन सत्र के आखिरी चरण में 5वीं और 8वीं की परीक्षा आयोजित करने का निर्णय राज्य शासन ने लिया है, जिससे बच्चों को परेशानी होगी। इस फैसले से स्कूलों और विद्यार्थियों पर दबाव बढ़ गया है।

याचिका में कहा गया था कि बच्चों की पूरी पढ़ाई निजी प्रकाशकों की किताबों से हुई है, और अब सीजी बोर्ड के पैटर्न पर परीक्षा देना बच्चों के लिए कठिन हो सकता है। याचिका में यह भी कहा कि अगर बोर्ड परीक्षा के आदेश को बरकरार रखा जाता है, तो छात्रों और स्कूलों को नए सिरे से तैयारी करनी होगी। निजी स्कूल एसोसिएसन की ओर से पैरवी कर रहे सीनियर एडवोकेट आशीष श्रीवास्तव ने कहा कि, शासन एक तरह से स्कूली बच्चों में भेदभाव कर रहा है।

सरकारी स्कूल बोर्ड परीक्षा के लिए तैयार

सोमवार को सुनवाई के दौरान राज्य शासन की ओर से महाधिवक्ता ने जवाब में कहा कि सरकार ने फैसला लिया है कि फिलहाल इस सत्र में पांचवीं और आठवीं की इन केंद्रीयकृत परीक्षाओं से निजी स्कूलों को अलग कर दिया जाए। इसके साथ ही अनुदान प्राप्त स्कूलों में भी यह बोर्ड परीक्षा नहीं होंगी। चूंकि सरकारी स्कूलों के शिक्षकों और पालकों की ओर से कोई आपत्ति या याचिका नहीं आई है इसलिए प्रदेश भर के सरकारी स्कूलों में इन दोनों कक्षाओं की केंद्रीयकृत परीक्षाएं होंगी। सरकारी स्कूलों के लिए समय सारिणी जारी करने के साथ ही प्रश्न पत्र का ब्लू प्रिंट भी जारी कर दिया गया है।

अपराध | पुलिस ने तीन आरोपियों को किया गिरफ्तार, एक अन्य अभी भी फरार

बदमाशों ने नशे की हालत में प्रधान आरक्षक को पीटा

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

अंबिकापुर. मामूली सी बात पर बेखौफ युवकों ने शराब के नशे में स्कॉर्पियो सवार प्रधानआरक्षक की बेदम पिटाई कर दी। उसे इतना पीटा कि वह मौके पर ही बेहोश हो गया। इस दौरान कोतवाली से ड्यूटी कर घर जा रही महिला प्रधान आरक्षक ने बीच बचाव करने की कोशिश की तो युवकों ने उसे भी मारने की कोशिश की। उसे मारने के लिए दौड़ाया और उसका मोबाइल छीनकर पटक दिया। गंभीर रूप से जख्मी प्रधान आरक्षक को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मामले में कोतवाली पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। वहीं एक अन्य आरोपी अभी भी फरार है। पुलिस ने गिरफ्तार तीनों आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। प्रधान आरक्षक सतीश सिंह मणिपुर थाना में पदस्थ है। वह रविवार की रात करीब 9 बजे स्कॉर्पियो से विभाग के कार्य से कहीं जा रहा था। शहर के जनपद रोड स्थित मिशन चौक के पास पहुंचा ही था कि कार सवार युवकों ने स्कॉर्पियो को टक्कर मार दी। इस पर वाहन चला रहे प्रधानआरक्षक ने कांच नीचे कर कहा कि गाड़ी ठीक से चलाया करो। इतनी सी बात पर कार सवार चार युवक नाराज हो गए और प्रधान आरक्षक को वाहन से बाहर खींचकर हाथ-मुक्का व ईंट से बेदम पिटाई करने लगे। इस दौरान उसी रास्ते से कोतवाली थाना से ड्यूटी कर घर जा रही महिला प्रधान आरक्षक राधा यादव की नजर प्रधानआरक्षक सतीश सिंह पर पड़ी। चारों युवक उसे बेरहमी से पीट रहे थे। यह देख महिला प्रधानआरक्षक ने बीच-बचाव करने की कोशिश की और युवकों से कहा कि वह पुलिस स्टाफ है। इसके बावजूद बदमाशों ने एक न सुनी और उसकी पिटाई करते रहे।

महिला प्रधान आरक्षक को भी दौड़ाया

महिला प्रधानआरक्षक राधा यादव ने बीच बचाव करने की कोशिश की तो बदमाशों ने उसे भी मारने की कोशिश की। बदमाशों ने उसे कुछ दूर तक मारने के लिए दौड़ाया भी। इस दौरान महिला प्रधानआरक्षक ने अपने मोबाइल से घटना का वीडियो बनाने की कोशिश की तो बदमाशों ने छीनकर पटक दिया। इससे उसका मोबाइल भी टूट गया है।

महिला प्रधान आरक्षक ने ही पुलिस को दी सूचना

प्रधानआरक्षक के साथ मारपीट किए जाने की सूचना महिला प्रधानआरक्षक राधा यादव ने कोतवाली व मणिपुर पुलिस को दी। यह सूचना मिलने पर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। तब तक बदमाशों ने प्रधानआरक्षक को इतना पीट दिया था कि वह मौके पर ही बेहोश हो गया था। बदमाश उसे मृत समझकर वहां से फरार हो गए थे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने प्रधानआरक्षक को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया।

कोर्ट में तनाव की स्थिति

पुलिस जब गिरफ्तार तीनों आरोपियों को कोर्ट लेकर पहुंची तो वहां तनाव की स्थिति निर्मित थी। आरोपियों के परिजन ने गिरफ्तारी के बाद पुलिस पर मारपीट का आरोप लगाया है।

आरोपियों के खिलाफ लगी ये धाराएं

प्रधान आरक्षक के साथ बेरहमी से मारपीट किए जाने के मामले में कोतवाली पुलिस ने आरोपी आयुष मिश्रा, उम्र 28 वर्ष पिता डीएस मिश्रा, प्रद्युम्न कुशवाहा पिता मुरारी कुशवाहा उम्र 28 वर्ष व लालजी कुशवाहा पिता स्व. हेमराज उम्र 30 वर्ष के खिलाफ बीएनएस की धारा 296, 351 (3), 221, 121 (1), 109, 3 (5) के तहत कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

झटका : 100 से ज्यादा जवानों की हत्या में शामिल

8 लाख के इनामी नक्सली का सरेंडर

पत्रिका ब्यूरो @ बीजापुर. नक्सलियों की गंगालूर एरिया कमेटी के सचिव और हार्डकोर नक्सली कमांडर दिनेश मोडियम ने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है। आत्मसमर्पण के समय उसकी पत्नी और बच्चे भी साथ थे। दिनेश अलग-अलग वारदातों में रहकर करीब 100 से ज्यादा जवानों की हत्याओं में शामिल रहा है। उसपर 8 लाख रुपए का इनाम घोषित है। दिनेश, जिले के पेद्दाकोरमा का रहने वाला है। कम उम्र में ही नक्सली इसे अपने साथ लेकर चले गए थे और हथियार चलाना, एंबुश लगाना, आईडी प्लांट करने का गुर सिखाया।

दिनेश नक्सल वारदातों का मास्टरमाइंड

दिनेश के काम को देखकर बड़े लीडर्स ने गंगालूर एरिया कमेटी का सचिव और डीवीसीएम कैडर का जिम्मा दे दिया था। बीजापुर जिले में हुई नक्सल घटनाओं में अधिकांश घटनाओं का यही मास्टरमाइंड रहा है। पुलिस का लगातार बढ़ते दबाव और एनकाउंटर के डर से दिनेश ने परिवार के साथ समर्पण किया है। दिनेश, नक्सल संगठन के हार्डकोर नक्सली कमांडर माड़वी हिड़मा, बटालियन नंबर 1 का कमांडर देवा, दामोदर, सुजाता, विकास जैसे बड़े नक्सली कैडर्स के साथ काम कर चुका है। पूछताछ में कई बड़े खुलासे हो सकते हैं।

इंदौर के एमवायएच में ऑक्युपेशनल थेरेपी : हर दिन पहुंच रहे 60 से 70 बच्चे, रील्स और मोबाइल की लत वाले बच्चे इनमें ज्यादा

खुद को कार्टून कैरेक्टर समझने लगा था बच्चा, तीन माह की थेरेपी में हुआ सामान्य

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

इंदौर. ऑटिज्म से पीड़ित बच्चों की संख्या बढ़ने के साथ तेजी से इनकी हालत में सुधार भी नजर आ रहा है। एमवायएच के फिजियोथेरेपी विभाग के आंकड़ों के अनुसार हर दिन 60 से 70 बच्चे थेरेपी के लिए आ रहे हैं। हर माह नए लगभग 200 केस पहुंच रहे हैं, जिनमें रील व मोबाइल एडिक्शन की समस्या वाले बच्चे शामिल हैं। यह एक से छह महीने तक थेरेपी से ठीक हो रहे हैं। कई बच्चों की मानसिक व शारीरिक क्षमता इससे बढ़ी है। कई बच्चों ने मोबाइल, रील या गेम्स की लत से छुटकारा पाया। महज 10 रुपए के सरकारी शुल्क पर बच्चे थेरेपी ले रहे हैं।

तीन मामले आए सामने

केस-1
7 साल की बच्ची को रील देखने की आदत लगी। माता-पिता ने मनोचिकित्सक को दिखाया। वहां से उसे फिजियोथेरेपी विभाग भेजा गया। चार माह में रील की आदत छूटने के साथ ही मानसिक स्थिति में भी बदलाव आया है। अब स्कूल आने-जाने की दिनचर्या सहित उग्र स्वभाव में भी कमी आ चुकी है। थेरेपी से यह संभव हो पाया है।

केस-2
9 साल की एक बालिका को मोबाइल एडिक्शन के कारण परिजन लेकर पहुंचे। बच्ची में एकाग्रता की कमी थी। वह 30 सेकंड भी एक चीज पर ध्यान नहीं दे पा रही थी। 6 माह उपचार के बाद अब वह खुद से कई चीज याद करने लगी है व गणितीय समझ भी बढ़ी है। वह वर्ष, माह व तारीख आदि की गणना भी कर रही है। लगातार सुधार हो रहा है।

केस-3
4 वर्षीय बालक को कार्टून कैरेक्टर की नकल करने की आदत हो गई। उनकी आवाज में ही बात करने लगा व खुद को भी वैसा समझने लगा। माता-पिता डॉक्टर्स के पास पहुंचे। उसे थेरेपी के लिए भेजा गया। यहां 3 माह की थेरेपी के बाद वह समझ गया कि वह और कार्टून कैरेक्टर अलग-अलग हैं। पढ़ाई के साथ सामान्य व्यवहार करने लगा है।

कोरोना के बाद बढ़ी संख्या

ऑक्युपेशनल थेरेपी विभाग के प्रभारी डॉ. मनीष गोयल के अनुसार शुरुआत में कम लोग ऑटिज्म की समस्याओं को समझते थे। उस समय जन्मजात बीमारियों के कारण मूवमेंट में कमी से पीड़ित बच्चे पहुंचते थे। कोरोना के बाद से विभाग में रील, मोबाइल एडिक्शन, गेम्स एडिक्शन वाले मरीजों की संख्या बढ़ी है। अब हर रोज लगभग 70 बच्चे उपचार के लिए पहुंच रहे हैं।

इस तरह हो रही रिकवरी

विभाग में अलग-अलग थेरेपी और खेल के माध्यम से फिजियोथेरेपी के स्टूडेंट्स इलाज उपलब्ध करा रहे हैं। इसमें शारीरिक गतिविधियों के साथ ही मानसिक गतिविधियां भी शामिल हैं। कोई एक माह में सामान्य स्थिति में पहुंच रहा है तो किसी केस में छह माह तक लग रहा है।

ऑटिज्म के कई प्रकार होते हैं। कई बच्चे जन्मजात बीमारियों से मानसिक संतुलन नहीं बना पाते। ऐसे बच्चे लगभग 2 साल में दैनिक कार्य करने की स्थिति में पहुंच रहे हैं। मोबाइल एडिक्शन वाले बच्चों की संख्या पहले से अधिक हो गई है। यह अच्छी बात है कि इनकी 100% रिकवरी हो रही है। थेरेपी के साथ ही माता-पिता के ध्यान देने से यह संभव हो पा रहा है। इससे बच्चों के विकास में मदद मिल रही है।

डॉ. गौतम सुरागे, प्रभारी ऑक्युपेशनल थेरेपी विभाग, एमवायएच

न्यूज विंडो

फायर कराने वाला गुर्गा गिरफ्तार

जबलपुर. नरसिंहपुर में पुलिस एनकाउंटर में मारे गए गैंगस्टर विजय यादव के भाई रतन यादव पर फायरिंग कर उसकी हत्या की कोशिश करने वाले आरोपी अंकित सोनी को डेढ़ साल बाद पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उस पर पांच हजार का इनाम था। वह जेल में बंद गैंगस्टर छोटू चौबे की गैंग का गुर्गा है। पुलिस ने उससे दो पिस्टल और दो कारतूस जब्त किए। उस पर लार्डगंज थाने में प्रकरण दर्ज किया गया।

जबलपुर के युवकों पर दौसा में फायरिंग

जबलपुर. रांझी क्षेत्र के चार युवकों पर एनएच-21 पर राजस्थान के दौसा में कार सवार बदमाशों ने फायरिंग की। अनुराग दुबे (20), जीशान खान (21), अभिषेक मिश्रा (20) और आशुतोष सिंह (22) 26 फरवरी को अजमेर और खाटू श्याम के दर्शन कर लौट रहे थे। रास्ते में बदमाशों ने पीछा कर कार रोकी और गोली चलाई, जो अनुराग को लगी। उसे निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

दंपती बिछड़े, रेल कर्मियों ने मिलवाया

रतलाम. स्टेशन पर भीड़ के कारण पत्नी तो ट्रेन में चढ़ गई, परंतु पति प्लेटफार्म पर ही रह गए। दो रेलकर्मियों ने परेशान दंपती को मिलवाया। 2 मार्च को सोमनाथ एक्सप्रेस से प्रमिला बेन और हरीश भाई सीहोर से अहमदाबाद तक आरक्षण था। जब ट्रेन प्लेटफार्म से चलने लगी तो प्रमिला ने आवाज लगाकर ट्रेन खींचने को कहा। वाणिज्य निरीक्षक नीरज कुमार व टीटीई ने ट्रेन रुकवाई।

बसों के कारण जाम, लगाई याचिका

इंदौर. इंदौर में बसों और ई-रिक्शा के कारण बिगड़ रहे यातायात को बचाने अफसरों के कुछ नहीं करने के बाद, अब हाईकोर्ट में याचिका लगाई गई है। याचिकाकर्ता अभिभाषक अनिल ओझा ने बताया, शहर में यातायात के बिगड़ने का मुख्य कारण बसें, ई-रिक्शा, ऑटो आदि हैं, लेकिन कोई रोक नहीं है। जब आरटीओ ने जवाब नहीं दिया, तब याचिका लगाई है।

@10 जिले
अधिकतम तापमान

कहां- कितना

ग्वालियर	28.6	सागर	34.0
भोपाल	32.4	सतना	32.5
उज्जैन	31.8	जबलपुर	33.8
खजुराहो	32.4	नौगांव	30.5
दमोह	34.0	इंदौर	30.7

(आंकड़े डिग्री सेल्सियस में)

भोपाल : शोर करने पर टोका, कवर्ड कैंपस में 20 युवकों ने की तोड़फोड़

आधी रात गुंडागर्दी... खिड़कियों के कांच फोड़े, विवाद-मारपीट

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

तीन घंटे चले हंगामे के बीच पहुंची पुलिस रस्मअदायगी कर रवाना, जवानों के जाते ही मारपीट, 4 आरोपियों पर मामला दर्ज, दो हिरासत में

भोपाल. मिसरोद के जाटखेड़ी स्थित एपी एवेन्यू पार्क कॉलोनी में रविवार रात जमकर बवाल हुआ। रात करीब 2.30 बजे से शुरू हुआ विवाद सुबह करीब 5.30 बजे तक चलता रहा। उपद्रवियों ने फायर एक्सटिंग्विशर निकालकर दरवाजों-खिड़कियों पर मारे। कॉलोनी की एक मल्टी के फ्लोर से शुरू हुआ हंगामा पूरी कॉलोनी में फैल गया। दहशत इतनी थी कि लोगों ने घरों के दरवाजे-खिड़कियां, लाइट्स बंद कर ली। कॉलोनी से थाना कुछ ही दूरी पर है, तीन घंटे चले हंगामे के बीच पुलिस पहुंची और रस्म अदायगी कर रवाना हो गई। पुलिस जवानों के रवाना होते ही फिर विवाद शुरू हो गया और मारपीट हो गई। इसमें तीन लोगों को चोट आई है। घायलों की शिकायत पर पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर दो लोगों को हिरासत में लिया है। पुलिस दो अन्य फरार युवकों की तलाश कर रही है। घटना के बाद चौथी मंजिल से नीचे तक वहां रह रहे लोगों के दरवाजों के सामने और सीढ़ियों पर कांच बिखरा पड़ा रहा। सीढ़ियों पर खून की बूंदे थीं।

उपद्रवियों ने फायर एक्सटिंग्विशर निकालकर फ्लैट की खिड़कियों पर मारे, जिससे कांच फूट गए। मारपीट के बाद बिखरी खून की बूंदें।

ऐसे शुरू हुआ विवाद

कॉलोनी के ए ब्लॉक के सेकंड फ्लोर के फ्लैट नंबर 201 में हर्ष राजपूत किराए से रहता है। वह यहां रहकर एमबीए की पढ़ाई कर रहा है, हर्ष का बर्थ-डे था। इस पर वह दोस्तों के साथ पार्टी कर रहे था। यह फ्लैट अरुण कुमार शर्मा का है। इसी ब्लॉक की चौथी मंजिल पर हेमलता दास का फ्लैट नंबर 404 है, जिसमें दीपराज किराए से रहता है। वह एक निजी कंपनी में काम करता है। साथ ही यहां रहकर वर्कफ्रॉम होम करता है, वह भी दोस्तों के साथ पार्टी कर रहा था। रात करीब पौने तीन बजे वह शोर-शराबा करते हुए नीचे उतर रहे थे। इस दौरान फ्लैट नंबर 201 के पास पहुंचे, तभी उसमें रहने वाले हर्ष ने उन्हें शोर मचाने से मना किया। इस पर दोनों पक्षों में कहासुनी हो गई। विवाद गाली गलौच तक पहुंच गया। देखते ही देखते मारपीट शुरू हो गई।

तीन को आई चोट, दो आरोपियों की तलाश

मारपीट में तीन युवकों हर्ष राजपूत, शिशिर थापक और पुरू अग्रवाल को चोट आई है। पीड़ितों की शिकायत पर पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ गाली गलौच, मारपीट सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर दो लोगों दीपराज 30 वर्ष और रोहित रैकवार(25) को हिरासत में लिया है। मामले में शामिल दो अन्य लोगों की तलाश कर रही है।

पेड़ पर फंदे से लटका मिला तेंदुए का शव

टीकमगढ़@पत्रिका. गौना वन रेंज में एक तेंदुए की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। रिछा महोली के जंगल में सोमवार को ग्रामीणों ने एक पेड़ पर तार के फंदे में लटका तेंदुए का शव देखा। सूचना मिलते ही क्षेत्रीय वन रेंज अधिकारी सुभाष वर्मा टीम के साथ मौके पर पहुंचे। वन विभाग ने तत्काल कार्रवाई करते हुए शव को अपने कब्जे में ले लिया। तीन चिकित्सकों का एक विशेष पैनल गठित किया गया है, जो तेंदुए की मौत के कारणों का पता लगाने के लिए पोस्टमार्टम करेगा। वन विभाग की टीम मामले की जांच कर रही है। तेंदुए की मौत के पीछे के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

दो करोड़ की ड्रग के साथ दो को पकड़ा

आरक्षक का ड्रग तस्कर से 'याराना', जेल भेजा, तस्करों की कॉल डिटेल से खुलासा

इंदौर@पत्रिका. ड्रग तस्करों से मिलीभगत व अनुचित लाभ पहुंचाने के आरोप में आजाद नगर थाना में पदस्थ आरक्षक लखन गुप्ता पर कार्रवाई कर जेल भेजा है। हाल ही में तेजाजी नगर पुलिस ने 2 करोड़ रुपए की एमडी ड्रग्स के साथ दो तस्करों विजय पाटीदार (25) निवासी खजुरिया सारंग (मंदसौर) और मोहम्मद शाहनवाज (28) निवासी आजाद नगर इंदौर को गिरफ्तार किया था, जिनकी कॉल डिटेल और बयान में लखन का नाम सामने आया। पिछले दिनों रालामंडल-कस्तूरबा ग्राम रोड पर बाइक सवार दो संदिग्ध को पुलिस ने रोका। पुलिस को देख उन्होंने भागने की कोशिश की, लेकिन दोनों को दबोच लिया। तलाशी में इनसे 200 ग्राम एमडी ड्रग्स बरामद हुई, जिसकी कीमत 2 करोड़ रुपए आंकी गई।

कॉल रिकॉर्डिंग व पूछताछ में खुला राज

आरोपी शाहरुख से पूछताछ और उसकी कॉल डिटेल्स खंगालने पर आरक्षक लखन की संलिप्तता सामने आई। पुलिस को दोनों के बीच कई बार हुई बातचीत की रिकॉर्डिंग भी मिली है। इसी आधार पर लखन को जेल भेजा गया है।

पहुंचाता था फायदा

सूत्रों के अनुसार, लखन गुप्ता कोर्ट मुंशी के रूप में काम करते हुए ड्रग तस्करों को समन और वारंट की तामिली में देरी करने जैसी अनियमितताओं के जरिए फायदा पहुंचाता था। इसके बदले में वह उनसे अनुचित लाभ अर्जित करता था।

बड़े नेटवर्क की तलाश

एडिशनल पुलिस कमिश्नर अमित सिंह ने बताया, आरक्षक लखन गुप्ता पर एमडी ड्रग्स मामले में पकड़ाए आरोपी की कॉल डिटेल और पूछताछ में खुलासे के आधार पर कार्रवाई की है। टीम जब आरोपियों का नेटवर्क खंगाल रही थी, तब लखन व आरोपी में कई बार बातचीत का खुलासा हुआ। आरोपी ने भी लखन का नाम लिया। यह गिरोह मंदसौर और इंदौर में ड्रग्स सप्लाई के बड़े नेटवर्क से जुड़ा हो सकता है। तस्करों से पूछताछ में अहम् जानकारी सामने आई हैं, जिनके आधार पर जांच कर रहे हैं।

वन विभाग ने 27 तोतों को दो सौदागरों से किया था जब्त

हाईकोर्ट के आदेश पर पिंजरे से आजाद हुए तोते, नापा आसमान

खंडवा@पत्रिका. सौदागरों से जब्त तोतों को कोर्ट के आदेश पर खुले आसमान में छोड़ा गया। वहीं दोनों सौदागरों की जमानत खारिज हो गई। सोमवार को कोर्ट खुलते ही तोतों को पेश किया गया। वन विभाग की टीम पिंजरे में तोतों को कोर्ट लेकर पहुंची थी।

रेंजर मिश्रा ने बताया कि कोर्ट के आदेश पर सभी तोतों का वेटनरी डॉक्टर से मेडिकल कराया गया। इसके बाद कोर्ट के आदेश पर सभी तोतों को रिहा कर दिया गया। बता दें, वन विभाग की टीम ने दो दिन पहले शनिवार को भीमा मोंगिया और सोनू कहार से 27 तोतों को जब्त किया था। आरोपियों ने काल्जाखेड़ी में पेड़ पर जाल बिछाकर तोतों को पकड़कर पिंजरे में कैद कर रखा था। रविवार हाट बाजार में तोतों को बेचने की तैयारी में थे। वहीं कोर्ट में पेश करने पर दोनों आरोपियों ने कान पकड़कर माफी मांगी। उन्होंने वन अधिकारियों को कहा कि गलती हो गई। हमें माफ कर दो। अब हम दोबारा यह काम नहीं करेंगे।

रोइंग चैंपियनशिप शुरू, 500 खिलाड़ी दिखा रहे कौशल

भोपाल@पत्रिका. राजधानी में 42वीं नेशनल सीनियर रोइंग चैंपियनशिप का सोमवार को आगाज हो गया। बड़ा तालाब स्थित मध्यप्रदेश राज्य वॉटर स्पोर्ट्स अकादमी, बोट क्लब पर आयोजित स्पर्धा में देशभर के 500 से अधिक खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। स्पर्धा 7 मार्च तक चलेगी। प्रतियोगिता में रोइंग के 14 इवेंट में देशभर की कुल 27 टीमों में से 23 राज्यों के साथ ही भारतीय सेना, भारतीय नौसेना, भारतीय वायुसेना और सर्विस स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड की टीमों के प्रतियोगी भाग ले रहे हैं। इसमें 2 इवेंट पैरा सिंगल स्कल महिला और पुरुष वर्ग के होंगे। फाइनल 7 मार्च को होंगे।
फोटो : सुभाष ठाकुर

भोपाल : आयकर विभाग ने किया था सर्वे

फर्जी कंपनी व राइस मिल पर घिरे सफायर ग्रुप के संचालक

भोपाल@पत्रिका. आयकर विभाग ने जिस सफायर ग्रुप पर सर्वे की कार्रवाई की थी, उसके संचालक के सोमवार को आयकर विभाग में बयान हुए। हालांकि बयान में क्या पूछा गया, इसकी पुष्टि नहीं हो सकी। बताया गया, कर्मचारी के नाम पर फर्जी कंपनी बनाने और राइस मिल में शॉर्ट स्टॉक आदि के बारे में पूछताछ की गई। विभाग ने इस ग्रुप पर करीब 15 करोड़ से अधिक की टैक्स चोरी का अनुमान लगाया है। दरअसल आयकर विभाग ने 20 फरवरी को सफायर ग्रुप के मालवीय नगर, रायसेन रोड़ स्थित राइस मिल, होटल, कार्यालय आदि पर सर्वे की कार्रवाई की थी। जांच के दौरान कंपनी संचालक के देश से बाहर होने की बात सामने आई थीं। तीन दिन चली जांच में विभाग ने दस्तावेज जब्त कर लिए थे। इसके लिए कंपनी संचालक को बयान के लिए बुलाया गया था।

टैक्स चोरी सामने आई

सूत्रों ने बताया कि सफायर ग्रुप के ठिकानों पर सामने आया था कि संचालक ने एक कर्मचारी के नाम पर कंपनी बना ली थी, इसके माध्यम से 6 से 7 करोड़ रुपए घुमाए गए हैं। राइस मिल में भी स्टॉक शार्ट मिला था। जबकि ग्रुप के राइस विदेशों में भी निर्यात किए जाते हैं। विभाग का अनुमान है कि प्रारंभिक जांच में 15 से 16 करोड़ रुपए की टैक्स चोरी सामने आ सकती है।

ट्रेंडिंग न्यूज

पीथमपुर

आज से हर घंटे जलेगा 180 किग्रा यूका कचरा

पीथमपुर. यूनियन कार्बाइड का 10 टन जहरीला कचरा बीते 3 दिनों में पीथमपुर के रामकी प्लांट में जलाया जा रहा है। पहले चरण के ट्रायल का सोमवार को आखिरी दिन रहा। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी एसएन द्विवेदी ने बताया, मंगलवार से ट्रायल का दूसरा चरण होगा। इसमें 180 किग्रा कचरा हर घंटे जलाया जाएगा।

भिंड

ग्वालियर के पुष्पेंद्र ने जीता आयरन मैन का खिताब

भिण्ड. चौ. दिलीप सिंह फाउंडेशन द्वारा आयोजित आयरन मैन ट्रॉफी बॉडी बिल्डिंग चैंपियनशिप में पहला खिताब ग्वालियर के पुष्पेंद्र राणा ने जीता। गौरी सरोवर किनारे आयोजित प्रतियोगिता रविवार-सोमवार की रात 12 बजे तक चली। प्रतियोगिता का आयोजन रविवार को गौरी सरोवर किनारे किया गया। चैंपियनशिप में 62 पहलवानों ने हिस्सा लिया।

नीमच

खेत से गांजे और अफीम की फसल बरामद

नीमच. कुकडेश्वर में खेत से अवैध रूप से बोई गई अफीम व गांजे की फसल पुलिस ने बरामद की है। पुलिस ने बताया, ग्राम शिवपुरिया के जंगल में किसान ने रायडे की फसल में अवैध खेती की थी। खेत से अफीम की 144 किग्रा और सूखे व गीते अफीम डोडा 28.05 किग्रा एवं 1.6 किग्रा अफीम जब्त की गई है। पुलिस ने आरोपी किसान रोडीलाल (50) को गिरफ्तार किया है।

भगोरिया पर्व | अंतरराष्ट्रीय जर्नल में खरगोन के प्राध्यापकों का लेख, पर्व की भ्रांतियों को किया दूर

शादी करने का नहीं, मेल-मिलाप का पर्व है भगोरिया

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

खरगोन. आदिवासी समाज का पारंपरिक पर्व भौंगर्या (भगोरिया) विवाह से जुड़ा उत्सव नहीं, बल्कि मेल-मिलाप और सामूहिक उत्सव का प्रतीक है। इस विषय पर प्राध्यापकों द्वारा किए गए शोध को एक इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ऑल रिसर्च एजुकेशन एंड साइंटिफिक मेथर्डस में प्रकाशित किया गया है। जिसमें पर्व से जुड़ी आम भ्रांतियों को स्पष्ट किया गया है। शासकीय महाविद्यालय भगवानपुरा में पदस्थ प्राचार्य डॉ. प्रकाश सोलंकी एवं सहायक प्राध्यापक डॉ. रजनी सोलंकी के शोध पत्र के अनुसार पश्चिमी मध्यप्रदेश के भौंगर्या हाट का साहित्यिक एवं वास्तविक अध्ययन करने पर यह पता चलता है।

शा. कॉलेज भगवानपुरा में प्राचार्य डॉ. प्रकाश सोलंकी एवं सहायक प्राध्यापक डॉ. रजनी सोलंकी के शोध पत्र को किया प्रकाशित।

मिथ्या जानकारी आदिवासियों पर आघात

प्रोफेसर्स के शोध पत्र के अनुसार भगोरिया पर्व में सांस्कृतिक धरोहर, उत्साह एवं उमंग के इस हाट बाजार को कुछ शोधकर्ताओं के द्वारा प्रणय पर्व, वैलेंटाइन-डे, भागकर शादी करने का पर्व, जीवन साथी का चयन करने का पर्व आदि नामों से दर्शाया। इस प्रकार की जानकारी पूर्णत: मिथ्या एवं अप्रामाणिक होकर आदिवासियों की भावनाओं को आघात पहुंचाने वाली है। आदिवासी समाज के इस पर्व को भोन्गर्यु ही कहते हैं। परंतु धीरे-धीरे अन्य भाषाओं के शब्द इसमें प्रवेश करने से वर्तमान में भौंगर्या, भगोरिया हो गया।

डांडा गड़ने के बाद नहीं होते मांगलिक कार्य

आदिवासी समाज के अपने नियमानुसार होलिका दहन के एक माह पूर्व पूर्णिमा को होली का डांडा गाड़ा जाता है। तब से विवाह या कोई भी शुभ कार्य नहीं होता है। जबकि यह पर्व होली का डांडा गड़ने एवं होलिका दहन के मध्य होता है। यह पर्व आदिवासी संस्कृति की अमूल्य धरोहर है, जो रिश्तेदारों के मेल-मिलाप, वस्त्र, आभूषण, खाद्य सामग्री, होली पूजा की सामग्री क्रय करने के हाट बाजार के रूप में प्रसिद्ध है। हाट बाजार में खेती का कार्य पूरा कर परिवार शामिल होते हैं। परिचितों एवं रिश्तेदारों से मिलते तथा एक दूसरे का हालचाल पूछते हैं।

नई पीढ़ी तक संस्कृति स्थानांतरित करने का माध्यम

भोंगर्या हाट सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक होकर एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में संस्कृति को स्थानांतरित करने का सशक्त माध्यम है। इसमें बच्चे, युवा, बुजुर्ग महिला एवं पुरुष सहित बड़े उत्साह के साथ पारंपरिक वेशभूषा में सजधज कर जाते हैं।

भोपाल : 3 हजार से अधिक बायोमेट्रिक कबाड़, आदेश कागजों में गुम

धूल खा रहीं दो करोड़ की बायोमेट्रिक मशीनें, रजिस्टर में ही दर्ज हो रही विद्यार्थियों की उपस्थिति

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

भोपाल. सरकार की योजना को किस तरह लापरवाही का दीमक खा जाता है, इसकी बानगी है, उच्च शिक्षा विभाग का बायोमेट्रिक मशीन को लेकर दिया गया आदेश। करीब दो करोड़ कीमत की तीन हजार से अधिक मशीनें खरीद तो ली गई, लेकिन आज तक इनका इस्तेमाल ही नहीं किया गया, लिहाजा वे कॉलेजों के स्टोर रूम में कबाड़ हो गई। दरअसल विभाग ने कॉलेजों में बायोमेट्रिक मशीनों की खरीद को लेकर आदेश दिया था। इसके अनुसार, 2023-24 में इन मशीनों को छात्रों व फैकल्टी के लिए अटेंडेंस के लिए लगाया गया था।

फैकल्टी की उपस्थिति ऐप से छात्रों के लिए नियम नहीं: विभाग ने अब अटेंडेंस के लिए नया सिस्टम लागू किया है, जिसके तहत फैकल्टी के लिए सार्थक ऐप का इस्तेमाल किया जा रहा है। हालांकि, इस नए सिस्टम में भी छात्रों की उपस्थिति को लेकर कोई सटीक व्यवस्था नहीं है।

कितनी मशीनें खरीदीं

कॉलेजों के अलावा बरकतउल्लाह यूनिवर्सिटी (बीयू) के 27 विभागों में भी बायोमेट्रिक मशीनें लगाई गई थीं, लेकिन आज इनकी स्थिति यह है कि कुछ ही दिनों के इस्तेमाल के बाद ये मशीनें खराब हो चुकी हैं।

छात्रों के लिए बायोमेट्रिक की व्यवस्था सख्ती से लागू की जानी चाहिए। अगर व्यवस्था छात्रों के लिए सख्ती से लागू हो तो शिक्षक भी खुद कक्षा में जाएंगे।

- प्रो. आनंद शर्मा, अध्यक्ष, प्राध्यापक संघ

गुजरात एटीएस ने आतंकी पकड़ा, निशाने पर था राम मंदिर

अहमदाबाद @ पत्रिका. गुजरात आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) की टीम ने दिल्ली से सटे हरियाणा के फरीदाबाद जिले से एक संदिग्ध आतंकी को पकड़ा है। इसके आईएसआई और प्रतिबंधित आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट ऑफ खुरासन प्रोविंस (आईएसकेपी) से जुड़े होने की आशंका है। हरियाणा के स्पेशल टास्क फोर्स के साथ मिलकर रविवार रात की कार्रवाई में यह संदिग्ध पकड़ा गया है। इसके पास से विस्फोटक सामग्री मिलने की भी बात कही जा रही है। जिसमें दो हैंडग्रेनेड बताए जा रहे हैं। जांच में सामने आया कि आरोपी के निशाने पर अयोध्या का राम मंदिर था। गुजरात एटीएस के आधिकारिक सूत्रों ने इस बात की पुष्टि की है कि हरियाणा के फरीदाबाद जिले से एक संदिग्ध आतंकी को पकड़ा है। इसका नाम अब्दुल रहमान अबूबकर है। इसकी आयु 19 साल की है। यह मूलरूप से उत्तरप्रदेश के फैजाबाद जिले के मिल्कीपुर का रहने वाला है। सूत्रों के तहत यह फैजाबाद में मटन की दुकान चलाता था। इसके अलावा ऑटो रिक्शा भी चलाता था। सूत्रों के तहत आरोपी अब्दुल रहमान ने अयोध्या जाकर नए बने राम मंदिर की कई बार रैकी भी की है। इससे जुड़ी जानकारी इसने सीमा पार भी भेजी होने की बात सामने आ रही है। इसके तार आईएसआई से जुड़े होने की बात सामने आ रही है।

अब्दुल रहमान

कई सोसाइटी मनमाने तरीके से वसूल रही थी अधिक ट्रांसफर फीस, सरकार को मिली थी ऐसी कई शिकायतें

हाउसिंग सोसाइटी की ट्रांसफर फीस की सीमा तय

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

गांधीनगर. गुजरात सरकार ने एक अहम निर्णय लिया है जिसमें राज्य में हाउसिंग सोसाइटी को लेकर ट्रांसफर फीस की सीमा तय की गई है। इसके तहत हाउसिंग और हाउसिंग सर्विस सोसाइटी में किसी भी संपत्ति की खरीद या बिक्री के समय सौदे की राशि का अधिकतम 0.5 फीसदी या 1 लाख रुपए (जो भी कम हो) से अधिक ट्रांसफर फीस नहीं वसूली जा सकेगी। प्रदेश के सहकारिता राज्य मंत्री जगदीश विश्वकर्मा ने राज्य सरकार के इस अहम निर्णय की जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि यह ट्रांसफर फीस की अधिकतम सीमा है, जिससे सोसाइटियां अपनी आवश्यकतानुसार इस राशि को कम कर सकती हैं और अपने उप-नियमों में इसका प्रावधान कर सकती हैं लेकिन यह सुनिश्चित किया गया है कि किसी भी परिस्थिति में यह राशि निर्धारित सीमा से अधिक नहीं हो सकती। हाउसिंग और हाउसिंग सर्विस सोसाइटी में अध्यक्ष, मंत्री और समिति के सदस्यों की ओर से संपत्ति के खरीद-बिक्री के समय लोगों से ट्रांसफर फीस वसूलने की प्रक्रिया में अब आम नागरिकों को बड़ी राहत मिलेगी।

राज्य में 30 हजार हाउसिंग सोसाइटी

गुजरात में 30,000 से अधिक हाउसिंग और हाउसिंग सर्विस सोसाइटियां हैं, जिनका संचालन सहकारिता कानूनों से किया जाता है। जब भी कोई व्यक्ति इन सोसाइटी में घर खरीदता है, तो सोसाइटी उस व्यक्ति से ट्रांसफर फीस वसूलती है लेकिन सहकारिता कानून और नियमों में ट्रांसफर फीस को लेकर कोई स्पष्ट प्रावधान नहीं होने के कारण कई सोसाइटी मनमाने तरीके से अधिक ट्रांसफर फीस वसूल रही थीं।

संचालन में आएगी अधिक पारदर्शिता

नए नियमों के अनुसार यदि कोई संपत्ति बिना किसी लेन-देन के किसी कानूनी उत्तराधिकारी को हस्तांतरित की जाती है, तो कोई ट्रांसफर फीस नहीं ली जाएगी। किसी भी व्यक्ति से डवलपमेंट चार्ज, दान या अन्य किसी भी नाम से ट्रांसफर के समय कोई अतिरिक्त राशि सोसाइटी से वसूली नहीं जा सकेगी। राज्य सरकार के इस फैसले से सोसाइटियों के संचालन में अधिक पारदर्शिता और नियमितता आएगी। साथ ही, इन सोसाइटियों से जुड़े लाखों सदस्यों को भविष्य में बड़ी राहत मिलेगी।

परेशानियां रोकने को बनाया नियम

विश्वकर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने हाउसिंग और हाउसिंग सर्विस सोसाइटियों में हो रही परेशानियों को रोकने के लिए आवश्यक कानून और नियम बनाने का निर्णय किया था। इसी क्रम में वर्ष 2024 में सहकारी कानून में संशोधन किया गया। अब राज्य सरकार की ओर से सहकारी कानून में किए गए संशोधन के तहत नए नियम तय किए गए हैं।

परिसंचरण का प्रभाव

कन्याकुमारी में मूसलाधार बारिश

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

चेन्नई. अरब सागर में परिसंचरण के प्रभाव के कारण कन्याकुमारी जिले में रविवार को भारी बारिश हुई। एक स्वतंत्र मौसम ब्लॉगर की रिपोर्ट के अनुसार पद्मनाभपुरम में सबसे अधिक 234.4 मिमी बारिश दर्ज की गई।

इसके बाद कोझीपोरविलई में 152.4 मिमी और थुक्कले में 105 मिमी बारिश हुई। आदयामदई सहित अन्य क्षेत्रों में 68.2 मिमी, सुरलाकोड में 67.4 मिमी और मुलंगिनाविलई में 67.4 मिमी बारिश हुई। शनिवार रात से दक्षिणी जिलों के कुछ हिस्सों में मूसलाधार बारिश हुई।

कहा, गारंटी योजनाओं के कार्यान्वयन से जुड़ी भविष्यवाणियां गलत साबित हुईं

दुनिया भर के अर्थशास्त्री कर रहे विकास के कर्नाटक मॉडल का अध्ययन: राज्यपाल

बेंगलूरु. राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने विभिन्न मोर्चों पर राज्य सरकार के प्रभावशाली प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि प्रशासन ने उन भविष्यवाणियों को गलत साबित कर दिया है कि महत्वाकांक्षी 'गारंटी' योजनाओं के कार्यान्वयन के कारण कर्नाटक विकास में पिछड़ जाएगा और वित्तीय प्रणाली खराब हो जाएगी।

बजट अधिवेशन के पहले दिन साल की पहली बैठक होने के कारण परंपराओं के मुताबिक विधानमंडल के संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि राज्य सरकार विकास का एक अनूठा मॉडल विकसित कर रही है, जिसका दुनिया भर के कई अर्थशास्त्री और विश्वविद्यालय कर्नाटक मॉडल का अध्ययन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कल्याणकारी योजनाओं के कुशल क्रियान्वयन के कारण असमानता की गंभीरता कम हो रही है।

राज्यपाल ने कहा, कल्याणकारी योजनाओं के कारण विकास में पिछड़ने की आशंकाओं को राज्य ने गलत साबित कर दिया है। राज्य ने हर क्षेत्र में अच्छी उपलब्धियां दर्ज की हैं। राज्य की आय बढ़ रही है। राज्य में निजी पूंजी रिकॉर्ड संख्या में आ रही है। राज्य ने हर क्षेत्र में अच्छी उपलब्धियां दर्ज की हैं। उन्होंने कहा, कल्याणकारी कार्यक्रमों के कुशल कार्यान्वयन के कारण असमानता की गंभीरता कम हो रही है। कर्नाटक प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में दूसरे स्थान पर है और जीएसटी की दर में वृद्धि अच्छी है।

कर्नाटक मॉडल अंधेरे में रोशनी: उन्होंने कहा कि कर्नाटक मॉडल का अध्ययन दुनिया भर के कई अर्थशास्त्रियों और विश्वविद्यालयों द्वारा किया जा रहा है। ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी ने अपने मानवाधिकार हब में इस मॉडल को 'अंधेरे में रोशनी' और 'दुनिया के लिए खाका' बताया है। संयुक्त राष्ट्र के प्रमुख ने इस मॉडल के बारे में जानने के लिए व्यक्तिगत रूप से कर्नाटक का दौरा किया और हमारे कार्यक्रमों की खुलकर प्रशंसा की।

राज्यपाल ने इस बात पर जोर दिया कि कल्याणकारी कार्यक्रमों पर प्रतिवर्ष 90,000 करोड़ रुपए से अधिक खर्च किए जा रहे हैं। प्रत्यक्ष नकद हस्तांतरण (डीबीटी) योजनाओं, सब्सिडी और प्रोत्साहनों से 1.25 करोड़ से अधिक परिवार लाभान्वित हो रहे हैं। कर्नाटक को 1 ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था बनाने के लिए व्यापक और प्रभावी प्रयास किए जा रहे हैं।

विधानमंडल के संयुक्त सत्र को संबोधित करते राज्यपाल थावरचंद गहलोत। पत्रिका

राज्यपाल के अपमान के खिलाफ मार्च में भाग लेते विपक्षी विधायक।

विपक्षी विधायकों ने निकाला मार्च

सत्र शुरू होने से पहले विपक्षी भारतीय जनता पार्टी और जनता दल-एस विधायकों ने कांग्रेस सरकार के राज्यपाल के कथित अपमान के खिलाफ अपना विरोध दर्ज कराने के लिए विधायक निवास से विधान सौधा तक मार्च निकाला।

5,000 एकड़ वन भूमि अतिक्रमणमुक्त कराई

उन्होंने कहा, कर्नाटक अपने 2024-25 के बजट का 15.01 प्रतिशत पूंजीगत व्यय पर खर्च कर रहा है, जो महाराष्ट्र, तमिलनाडु और केरल जैसे प्रगतिशील राज्यों से अधिक है। वित्तीय वर्ष 2024-25 की पहली तीन तिमाहियों में राज्य का राजस्व संग्रह 1,81,908 करोड़ तक पहुंच गया। दिसंबर 2024 के अंत तक राजस्व प्राप्तियों में 13% की वृद्धि हुई है, जबकि जीएसटी संग्रह में साल-दर-साल 12% की वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा, बेंगलूरु में दूसरा हवाई अड्डा स्थापित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। कारवार नौसैनिक अड्डे के पास हवाई अड्डे के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। वन क्षेत्र बढ़ाने के लिए अतिरिक्त 15,000 एकड़ भूमि को आरक्षित वन के रूप में अधिसूचित किया गया है। राज्यपाल ने कहा कि पिछले 20 महीनों में कर्नाटक भर में लगभग 5,000 एकड़ वन भूमि को अतिक्रमण से मुक्त किया गया है, जिसमें बेंगलूरु में 117 एकड़ भूमि भी शामिल है।

15 दिवसीय बजट सत्र आरंभ

15 दिवसीय बजट सत्र सोमवार को गारंटी योजनाओं की व्यवहार्यता पर चर्चा और 2025-26 के बजट में राज्य सरकार द्वारा 1 लाख करोड़ रुपए का ऋण लेने की योजना पर चिंताओं के बीच शुरू हुआ। सीएम सिद्धरामय्या, उप-सीएम डी.के. शिवकुमार ने राज्यपाल थावर चंद गहलोत का विधान सौध के प्रवेश द्वार पर गर्मजोशी से स्वागत किया।

वीरप्पा मोइली के बयान पर बयानबाजी

'मल्लिकार्जुन खरगे ने सीएम पद पर चर्चा न करने का दिया निर्देश'

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

बेंगलूरु. उपमुख्यमंत्री और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डी.के. शिवकुमार ने सोमवार को कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पार्टी सदस्यों को मुख्यमंत्री पद में बदलाव के मुद्दे पर चर्चा नहीं करने का निर्देश दिया है। विधानसभा परिसर में मीडिया से बात करते हुए शिवकुमार ने सत्ता बंटवारे को लेकर पत्रकारों के सवालों का जवाब दिया। उन्होंने कहा, खरगे ने हमें सत्ता बंटवारे के मुद्दे पर चर्चा न करने का निर्देश दिया है और मैं उनके शब्दों के प्रति प्रतिबद्ध हूं। पूर्व केंद्रीय मंत्री वीरप्पा मोइली के इस बयान के बारे में पूछे जाने पर कि उन्हें मुख्यमंत्री बनने से कोई नहीं रोक सकता, शिवकुमार ने जवाब दिया, वीरप्पा मोइली ने अपनी निजी राय व्यक्त की है। मैं इस पर कोई टिप्पणी नहीं करूंगा और न ही इस पर चर्चा करने की कोई जरूरत है।

विजयेंद्र ने साधा निशाना: हालांकि, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि मोइली ने संकेत दिया है कि शिवकुमार जल्द ही मुख्यमंत्री बनेंगे। इसके अलावा, कांग्रेस के एक विधायक ने दावा किया कि शिवकुमार दिसंबर में मुख्यमंत्री का पद संभालेंगे। उन्होंने कहा, कांग्रेस पार्टी के भीतर मुख्यमंत्री पद के लिए प्रतिस्पर्धा और तेज होगी। इसमें कोई संदेह नहीं है कि आने वाले दिनों में कर्नाटक में तेजी से राजनीतिक घटनाक्रम देखने को मिलेंगे।

विवाहेतर संबंधों के शक में ले ली जान

पत्नी की गोली मारकर हत्या, केरल जाकर खुद को भी गोली मारी

कोयम्बत्तूर @ पत्रिका. पत्नी की वफादारी पर संदेह होने पर 54 वर्षीय व्यक्ति ने कोयम्बत्तूर के पट्टनम में देसी पिस्तौल से अपनी पत्नी की गोली मारकर हत्या कर दी और बाद में केरल के पलक्काड़ जिले के वंदाझी गांव में अपने घर में सोमवार को खुद को भी गोली मारकर आत्महत्या कर ली।

पुलिस ने बताया कि मृतका की पहचान संगीता (42) के रूप में हुई है, जो कोयम्बत्तूर के कोविलपालयम में एक निजी पब्लिक स्कूल में किंडरगार्टन कोऑर्डिनेटर के रूप में काम करती थी और उसका पति केरल का रहने वाला कृष्णकुमार था। कृष्णकुमार को संदेह था कि उसकी पत्नी विवाहेतर संबंध में है, जिसके बाद से दोनों के बीच अक्सर झगड़ा होता रहता था। सोमवार को इस मुद्दे पर उनके बीच तीखी बहस हुई, जब उनके दोनों बच्चे स्कूल चले गए थे। झगड़े से गुस्साए कृष्णकुमार ने संगीता के सीने में गोली मार दी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। बाद में वह अपनी कार से वंदाझी गांव पहुंचा, जहां उसने खुद को गोली मार ली।

देसी पिस्तौल बरामद

पड़ोसियों से सूचना मिलने पर कोयम्बत्तूर की सुलूर पुलिस पट्टनम इलाके के लक्ष्मी नगर पहुंची और संगीता के शव को पोस्टमार्टम के लिए कोयम्बत्तूर सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल के मुर्दाघर ले गई। इस बीच केरल की पलक्काड़ पुलिस ने कृष्णकुमार के घर से देसी पिस्तौल बरामद की है और मामले की जांच कर रही है।

मामला दर्ज

मंदिर में बदमाशों ने दो पत्थर की मूर्तियों को क्षतिग्रस्त किया

दिंडीगुल @ पत्रिका. जिले में दिंडीगुल-करूर रोड पर लक्ष्मी नगर में श्री राम पेरुमाल मंदिर में सोमवार तडके अज्ञात बदमाशों ने दो पत्थर की मूर्तियों को क्षतिग्रस्त कर दिया।

पुलिस ने कहा जब पुजारी ने सुबह नियमित पूजा करने के लिए मंदिर खोला तो संबंधित मंदिरों में भगवान गणेश और गरुड़लवार की मूर्तियां क्षतिग्रस्त पाई गई।

पुलिस ने मंदिर का दौरा किया और अपराधियों की पहचान करने और उन्हें गिरफ्तार करने के लिए आस-पास के स्थानों पर लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज की जांच की। थाडीकोम्बू पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच कर रही है।

स्टालिन, उदयनिधि पर पलनीस्वामी का हमला

बाप-बेटा छात्रों को 'भ्रम' में ना रखें, नीट मामले में रहस्य का खुलासा करें

चेन्नई @ पत्रिका. अन्नाद्रमुक महासचिव एडपाडी के. पलनीस्वामी ने सोमवार को कहा मुख्यमंत्री एमके स्टालिन एवं उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन को मेडिकल पाठ्यक्रम में प्रवेश की परीक्षा 'नीट' को रद्द कराने के लिए उनकी पार्टी के 'रहस्य' का खुलासा करना चाहिए।

विपक्ष के नेता ने आग्रह किया कि यदि ऐसा नहीं किया जाता है तो उन्हें यह स्वीकार कर लेना चाहिए कि द्रमुक ने नीट रद्द करने को लेकर इस मुद्दे पर झूठ बोला था और उन्हें इससे संबंधित मौतों को कम से कम अब से रोकने के लिए कार्य करना चाहिए। नीट परीक्षा के भय से प्रदेश के विल्लुपुरम जिले के दिंडीवनम में एक छात्रा इन्दुमती की मौत पर शोक जताते हुए पलनीस्वामी ने पीड़ित परिवार के प्रति संवदेना जताई।

अब तक नीट रहस्य का खुलासा नहीं: पनीस्वामी कथित 'नीट गोपनीय-राजनीतिक ड्रामा' को लेकर द्रमुक पर निशाना साधते रहे हैं। उन्होंने दो मार्च को तेनी में एक सार्वजनिक बैठक में मांग की कि नीट को लेकर छात्रा की मौत की जिम्मेदारी द्रमुक शासन ले। पलनीस्वामी ने द्रमुक को झूठी उम्मीद जगा कर कथित तौर पर छात्रों को 'भ्रम' में रखने के लिए दोषी ठहराया। उन्होंने नीट को रद्द करने के लिए द्रमुक के पास कोई 'रहस्य' होने का दावा किया था। 2021 में सत्ता संभालने के बाद से द्रमुक अब तक अपने 'नीट रहस्य' का खुलासा नहीं कर सकी है। पलनीस्वामी ने 'एक्स' पर कहा, बाप और बेटे को तत्काल नीट के रहस्य का खुलासा करना चाहिए। ऐसा नहीं करते हैं तो स्वीकार कर लेना चाहिए कि द्रमुक ने झूठ बोला।

संदेशखाली पहुंचे शुभेंदु अधिकारी ने बांटी गीता-तुलसी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

बैरकपुर. पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी सोमवार को संदेशखाली पहुंचे।

आमाखाली घाट से लांच के जरिए पहुंचे अधिकारी पहले एक विवाह समारोह में शामिल हुए, फिर अपने किराए के मकान में जाकर स्थानीय लोगों को गीता और तुलसी के पौधे वितरित किए।

उन्होंने लोगों से हर घर में तुलसी लगाने और गीता पढ़ने का आग्रह किया। इससे पहले, उन्होंने राज्य में फर्जी वोटर कार्ड को लेकर ममता सरकार पर निशाना साधा था।

लोगों को तुलसी के पौधे और गीता देते हुए राज्य विधानसभा में विरोधी दल के नेता शुभेंदु अधिकारी

बंगाल चुनाव से पहले वोटर लिस्ट पर बवाल

कोलकाता @ पत्रिका. पश्चिम बंगाल में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने मतदाता सूची में गड़बड़ी का मुद्दा उठाया है। टीएमसी नेताओं ने दावा किया कि देश के बाकी राज्यों में रह रहे कुछ लोगों के ईपीआइसी (इलेक्ट्रिक फोटो पहचान पत्र) नंबर पश्चिम बंगाल के मतदाताओं से मेल खा रहे हैं। पार्टी का आरोप है कि इसका इस्तेमाल चुनाव में धांधली के लिए किया जा सकता है। टीएमसी के आरोपों पर केंद्रीय चुनाव आयोग ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि ईपीआइसी नंबर में समानता का मतलब ये नहीं है कि मतदाता फर्जी या डुप्लीकेट हैं।

आयोग ने स्पष्ट किया कि इस तरह के दुष्प्रचार से मतदाताओं में भ्रम फैलाया जा रहा है जबकि वास्तविकता ये है कि मतदाता लिस्ट और मतदान प्रक्रिया में पूरी पारदर्शिता बरती जा रही है।

बलात्कार के दोषी को आजीवन कैद 4 लाख मुआवजा देने का भी आदेश

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

चेन्नई. चेंगलपेट पोक्सो अदालत ने एक नाबालिग लड़की को शीतल पेय में नशीला पदार्थ मिलाकर पिलाकर उसके साथ बलात्कार करने के आरोप में एक युवक को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है।

गिण्डी ऑल वुमेन पुलिस स्टेशन क्षेत्र की एक 15 वर्षीय लड़की सितम्बर 2019 में घर पर अकेली थी। उसी दौरान सेम्मनजेरी का रहने वाला अरविंद (24) उसके घर गया, उसे कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ पिलाकर बेहोश कर दिया और उसके साथ बलात्कार किया। पीड़िता के माता-पिता की शिकायत के आधार पर गिण्डी ऑल-वुमेन पुलिस ने मामला दर्ज कर अरविंद को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। मामले की सुनवाई चेंगलपेट पोक्सो कोर्ट में न्यायाधीश नसीमा बानू के समक्ष चल रही थी।

आरोप सिद्ध होने पर न्यायाधीश नसीमा बानू ने अरविंद को आजीवन कारावास और 3,000 रुपए जुर्माने की सजा सुनाई। न्यायाधीश ने तमिलनाडु सरकार को पीड़ित लड़की को 4 लाख रुपए मुआवजा देने का भी आदेश दिया।

सरकार की ओर से अधिवक्ता लक्ष्मी उपस्थित हुई। फैसले के बाद पुलिस ने अरविंद की चेंगलपेट सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में जांच की और उसे पूझल जेल में भेज दिया।

हादसे से सबक | एजेंसी के एक भागीदार ने अर्जी की, दूसरे ने एनओसी जारी की

शिव शक्ति मार्केट की फायर एनओसी में निकला गड़बड़झाला

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सूरत. रिंगरोड स्थित कपड़ा बाजार क्षेत्र की शिव शक्ति मार्केट में लगी भीषण आग ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। मार्केट तक पहुंचने के लिए जब मार्ग ही नहीं था तो फायर एनओसी कैसे जारी की गई यह सवाल का जवाब हर कोई जानना चाहता है। इस बीत पता चला है कि शिव शक्ति मार्केट को जिस एजेंसी ने फायर एनओसी जारी की थी उसमे भी खेल नजर आ रहा है। क्योंकि जिस एजेंसी ने यह एनओसी जारी की उसके लिए एजेंसी के एक भागीदार ने आवेदन किया था और दूसरा जो एफएसओ (फायर सेफ्टी ऑफिसर) है उसने इस आवेदन को मंजूर कर एनओसी जारी की थी। ऐसे में अब इसे लेकर जांच की मांग हो रही है। आग हादसे के बाद शुरू की गई जांच में सामने आया है कि शिव शक्ति मार्केट को फायर एनओसी एफएसओ निकुंज पड़साला ने जारी की थी। वह सेफ केयर कन्सल्टेंसी के भागीदार हैं। बताया जा रहा है कि 19 फरवरी, 2024 को शिव शक्ति मार्केट के लिए एनओसी के लिए दिव्येश ढोला नाम के व्यक्ति ने आवेदन किया था और यह दिव्येश भी सेफ केयर कन्सल्टेंसी का ही भागीदार है। दिव्येश द्वारा आवेदन किए जाने के बाद फायर सेफ्टी ऑफिसर निकुंज पड़साला की ओर से 3 मार्च, 2024 को फायर एनओसी रिन्यू किया गया था। ऐसे में सवाल हो रहा है कि आखिर मार्केट प्रबंधन के बजाए जो एजेंसी फायर एनओसी रिन्यू करने का काम करती है उसकी के भागीदार ने एनओसी रिन्यू करने के लिए आवेदन क्यों किया? क्या इसके पीछे कोई खेल तो नहीं है।

सीएम भजनलाल ने की सहायता की अपील

अहमदाबाद. सूरत के शिव शक्ति टेक्सटाइल मार्केट में आग से प्रभावित प्रवासी राजस्थानी समुदाय को सहायता की अपील की गई है। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट में लिखा कि सूरत के शिव शक्ति टेक्सटाइल मार्केट में लगी आग में प्रवासी राजस्थानी समुदाय को हुई आर्थिक क्षति की सूचना दु:खद है। दुर्घटना को लेकर गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल एवं केंद्रीय जलशक्ति मंत्री सी आर पाटिल से प्रवासी राजस्थानियों की समुचित सहायता के लिए बात की।

पहले मनपा फिर रिन्यू का काम एजेंसियों का

किसी भी इमारत के लिए पहली बार जब फायर एनओसी जारी करनी होती है तो स्थानीय प्रशासन के दमकल विभाग द्वारा है प्रक्रिया की जाती है। जांच के बाद दमकल विभाग एनओसी जारी करता है, लेकिन बाद में इसे हर छह महीने में रिन्यू करवाना होता है और यह काम राज्य सरकार ने विभिन्न एजेंसियों को सौंप रखा है। 15 हजार रुपए फीस भी सरकार की ओर से इसके लिए तय की गई है। एजेंसियों का फायर सेफ्टी ऑफिसर जांच के बाद एनओसी रिन्यू करता है।

एजेंसी के खिलाफ पार्षद कर चुके हैं जांच की मांग

हादसे के बाद शिव शक्ति मार्केट को एनओसी कैसे जारी की गई इसे लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। इस दौरान मनपा की लाइट एंड फायर कमेटी के उपाध्यक्ष और भाजपा पार्षद नरेन्द्र पांडव ने भी इसे लेकर सवाल उठाए थे। उन्होंने कहा था कि एजेंसी से एनओसी जारी करने में चूक हुई है। उन्होंने इसे लेकर जांच की मांग की है, हालांकि अब तक मनपा प्रशासन की ओर से कोई इसे लेकर कोई कार्रवाई नहीं की गई है।

शेयर बाजार	सोना	चांदी	बिटकॉइन	इथर	बिनेंस	डॉलर	यूरो	पेट्रोल	डीजल
सेंसेक्स 73,086 (-112.16) ▸ भारत ◂ निफ्टी 22,119 (-5.40)	स्टैंडर्ड (24 कैरेट) ₹87,450 (प्रति 10 ग्राम)(+350); सोना (एमसीएक्स) ₹84,910 (प्रति 10 ग्राम)(+691)	चांदी (999) ₹95,550 (प्रति किग्रा)(+450); चांदी (एमसीएक्स) ₹95,404 (प्रति किग्रा)(+1076)	$ 92,582 (+7.48)	$ 2,357 (+5.22)	$ 604.1 (-0.74%)	₹87.29 (प्रति 1 डॉलर)	₹91.24 (प्रति यूरो)	₹106.45 (प्रति लीटर)	₹91.85 (प्रति लीटर)

पेज एक से जारी...

सिमट चुके कार्यकर्ता

आज भी कोई बड़ा नेता कार्यकर्ता की भाषा नहीं बोलता, जनता के बीच कार्य नहीं करता, अंग्रेजों की तरह सत्ताधीश रहना चाहता है।

कांग्रेस का जनाधार आजादी के काल में गांधी-नेहरू के वातावरण ने तैयार किया था। कांग्रेस ने उसे भोगा तो सही, किन्तु सींचा नहीं। सारे फल खा लिए गए। अब पत्ते पीले पड़ने लगे, झड़ने लगे। अब कोई बांगबां (माली) भी नहीं बचा जो राष्ट्रहित में कांग्रेस को पुनः हरा-भरा करके दिखा दे। पार्टी अपनी चिन्ता से बड़ी नहीं होती, राष्ट्र को समर्पित होकर ऊपर उठती है। कांग्रेस के शीर्ष में सत्ताभाव है, समर्पण और त्याग का अभाव है। कार्यकर्ता सिमट चुके। जो कांग्रेस को चला रहे हैं, उनसे ही कांग्रेस छुटकारा चाह रही है। नए कार्यकर्ता, करोड़ों की संख्या में, कहां से आएंगे, कौन तैयार करेगा, इनता धन कहां से आएगा। सबसे महत्वपूर्ण बात है-प्राण कौन फूंकेगा? कांग्रेस शीर्ष भारतीय दृष्टि से पूर्ण निष्प्राण है।

राजनेता और राजनीति का एकमात्र लक्ष्य राष्ट्र का उत्थान होता है। इस देश का यह दुर्भाग्य रहा है कि जिन नेताओं और दलों को जनता ने सिर-आंखों पर बिठाया, समय के साथ परिवार के स्वार्थ तक सिमट गए। माया-ममता-लालू-मुलायम आदि के दलों के नेता आज अपना गल्ला गिनने में ही व्यस्त हैं। आपातकाल के बाद कांग्रेस भी उसी पटरी पर चढ़ गई। राष्ट्र चिन्तन और कांग्रेस की जीवन-शैली गौण हो गए। चर्चा का केन्द्र गांधी परिवार रह गया। खरगे का कांग्रेस अध्यक्ष बन जाना लाचारी थी। कांग्रेस को नए सिरे से भारतीय संस्कृति से, जन जीवन से जोड़ पाना सहज नहीं है। गांधी परिवार को आदेश कौन दे पाएगा?

गांधी परिवार में दो पतंगे उड़ रही हैं-राहुल और प्रियंका। जब तक सोनिया गांधी की हवा है, ये उड़ती रहेंगी। बाद में कौन उड़ाएगा, कौन लूटेगा, समय बताएगा।

शेयर बाजार: भारत ही नहीं, सभी इमर्जिंग मार्केट्स से बिकवाली कर रहे विदेशी निवेशक

विदेशी निवेशकों ने 2025 में रोजाना बेचे 2700 करोड़ रुपए के भारतीय शेयर

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

मुंबई. अमरीकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के टैरिफ वॉर, फेडरल रिजर्व की नीतियों, चीन में आर्थिक प्रोत्साहन पैकेज की घोषणा, भारतीय कंपनियों की आय घटने, वैश्विक अनिश्चितता आदि वजहों से विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआइआइ) भारतीय शेयर बाजार में लगातार पिछले 6 महीने से बिकवाली कर रहे हैं। इस दौरान एफआइआइ ने रेकॉर्ड 3.50 लाख करोड़ रुपए के शेयर बेचे हैं, जिससे सेंसेक्स में 16% की गिरावट आई है। वर्ष 2025 में अब तक विदेशी निवेशकों ने 1.25 लाख करोड़ रुपए की बिकवाली की है। यानी एफआइआइ ने हर रोज औसतन 2700 करोड़ रुपए के भारतीय शेयर बेचे हैं, जिससे सेंसेक्स-निफ्टी में इस साल अब तक करीब 7% तो मिडकैप इंडेक्स में 17% और स्मॉलकैप इंडेक्स में 23% से अधिक गिरावट आई है।

ऐसा नहीं है कि विदेशी निवेशक सिर्फ भारत से निकासी कर अधिक रिटर्न की चाहत में अमरीका-चीन में निवेश कर रहे हैं। एफआइआइ भारत सहित सभी इमर्जिंग मार्केट्स में शेयर बेच रहे हैं। हालांकि सबसे अधिक बिकवाली भारत में हुई है। इमर्जिंग मार्केट्स में एफआइआइ ने सबसे कम बिकवाली थाईलैंड- फिलीपींस में की है, पर वहां के बाजार सबसे अधिक गिरे हैं। भारत में एफआइआइ बिकवाली के बीच घरेलू संस्थागत निवेशकों ने उतनी ही खरीदारी की है, पर शेयर बाजार की गिरावट को थामने में कामयाब नहीं हुए हैं।

13,000 अंक के करीब फिसला सेंसेक्स 26 सितंबर के अपने ऑल-टाइम हाई से, ***इससे 5 महीने में ही निवेशकों के ₹96 लाख करोड़ डूबे***

112 अंक गिरकर सेंसेक्स सोमवार को 73,086 पर बंद, ***निफ्टी 22,119 पर रहा***

10 साल में सबसे लंबी विदेशी बिकवाली

अवधि	शेयर बेचे	निफ्टी लुढ़का
नवंबर 2015-फरवरी 2016	27,585	↓ -13.92%
अक्टूबर 2016-जनवरी 2017	35,090	↓ -00.50%
अगस्त 2017-अक्टूबर 2017	38,523	↑ 02.70%
अप्रैल 2018-अक्टूबर 2018	61,469	↑ 03.40%
फरवरी 2020-अप्रैल 2020	72,178	↓ -14.92%
अक्टूबर 2021-जून 2022	3,03,134	↓ -10.60%
दिसंबर 2022-फरवरी 2023	41,973	↓ -07.96%
अक्टूबर 2024-मार्च 2025	3,46,960	↓ -15.82%

(शेयरों की बिक्री करोड़ रुपए में)

एफआइआइ की 2025 में उभरते बाजारों से निकासी

थाईलैंड, फिलीपींस **भारत पर ज्यादा असर..**

देश	राशि	बाजार गिरा
भारत	-1302	-6.9%
ताइवान	-514.6	-0.5%
द. कोरिया	-348.8	5.58%
इंडोनेशिया	-134.0	8.50%
मलेशिया	-105.2	-4.32%
वियतनाम	-63.1	3.31%
थाईलैंड	-52.6	-13.87%
फिलीपींस	-25.9	-7.53%

(उभरते बाजारों से विदेशी निवेशकों की बिकवाली करोड़ डॉलर में)

भारत में इन सेक्टर्स पर अधिक मार

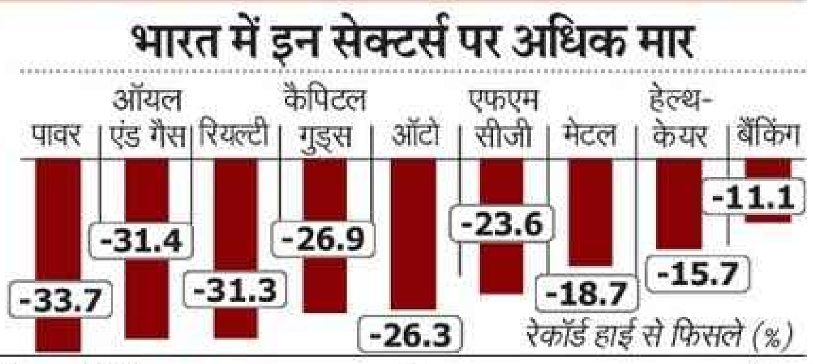

रेकॉर्ड हाई से फिसले (%)

मैन्युफैक्चरिंग: पीएमआइ 14 माह के निचले स्तर पर

नए ऑर्डर-उत्पादन में कमी से पीएमआइ 56.3 तक गिरा

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. भारतीय मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर की ग्रोथ फरवरी में सुस्त रही। मैन्युफैक्चरिंग पीएमआइ जनवरी के 57.7 से घटकर फरवरी 2025 में 14 महीने के निचले स्तर 56.3 पर आ गया। यह दिसंबर 2023 के बाद का सबसे धीमा विस्तार है। एसएंडपी ग्लोबल के मुताबिक, उत्पादन और बिक्री में सुस्ती के साथ इनपुट खरीदारी 14 महीने के निचले स्तर पर पहुंचने से यह गिरावट आई है। हालांकि, मांग बनी रही, लेकिन महंगाई के दबाव के चलते कंपनियों ने बढ़ती श्रम लागत का बोझ ग्राहकों पर डालना शुरू कर दिया, जिससे बिक्री घट गई।

बिजनेस सेंटिमेंट मजबूत बना रहा

मजबूत वैश्विक मांग भारतीय मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर की ग्रोथ को बढ़ावा देती रही, जिससे कंपनियों ने खरीदारी गतिविधियों और रोजगार में वृद्धि की। फरवरी में नए एक्सपोर्ट के ऑर्डर में उछाल आया। बिजनेस सेंटिमेंट भी मजबूत बना रहा, जिसमें सर्वे में शामिल करीब एक-तिहाई कंपनियों ने अगले साल उत्पादन में और तेजी की उम्मीद जताई है। पीएमआइ 50 से ऊपर रहना गतिविधियों में विस्तार को दर्शाता है।

छंटनी: ओला इलेक्ट्रिक फिर से 1,000 कर्मचारियों को निकालेगी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

बेंगलूरु. इलेक्ट्रिक स्कूटर्स बनाने वाली ओला इलेक्ट्रिक में एक बार फिर से छंटनी होने जा रही है। सूत्रों के मुताबिक, कंपनी करीब 1,000 कर्मचारियों और कॉन्ट्रैक्ट वर्कर्स को नौकरी से निकाल रही है। कंपनी अपने बढ़ते घाटे को कम करने की कोशिश में यह कदम उठा रही है। यह छंटनी खरीद, फुलफिलमेंट, कस्टमर रिलेशंस और चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर सहित कई विभागों में हो रही है। 5 महीने में कंपनी में दूसरी बार छंटनी हो रही है। कंपनी का दिसंबर तिमाही घाटा 50% बढ़ा है। साथ ही शेयर ऑल-टाइम हाई से 60% गिरे हैं।

पर्सनल फाइनेंस @ पत्रिका

निवेश: फंड ऑफ फंड्स कई म्यूचुअल फंड्स में करते हैं निवेश

एक फंड कई समाधान, एफओएफ करेंगे राह आसान

नई दिल्ली @ पत्रिका. उठापटक वाले बाजार में म्यूचुअल फंड के निवेशकों को अक्सर निवेश के लिए सही विकल्प तलाशने में मुश्किल आती है। ऐसे में फंड ऑफ फंड्स (एफओएफ) कारगर विकल्प हो सकता है। फंड ऑफ फंड्स कई अन्य म्यूचुअल फंड योजनाओं में निवेश करते हैं। क्वांटम एएमसी के चिराग मेहता ने कहा, एफओएफ निवेशकों को एक जगह कई समाधान उपलब्ध कराता है। इसमें निवेशकों को

डायवर्सिफिकेशन का लाभ मिलता है। मोतीलाल ओसवाल एएमसी के अखिल चतुर्वेदी ने कहा, कई फंडों में निवेश के कारण एफओएफ खराब प्रदर्शन करने वाले फंडों के प्रभाव को कम कर सकते हैं, जिससे रिस्क घट जाता है।

निवेश में विविधता

एफओएफ कई प्रकार के होते हैं। कुछ एफओएफ एसेट एलोकेशन पर आधारित होते हैं, जो इक्विटी, डेट और सोना-चांदी जैसी कमोडिटीज वाले साधनों में निवेश करते हैं। ऐसी योजनाओं में जोखिम भी अलग-अलग होता है। इसलिए इनमें विभिन्न जोखिम प्रोफाइल-आक्रामक, मध्यम और कंजर्वेटिव की योजनाएं शामिल हो सकती हैं। इक्विटी एफओएफ जैसी कुछ योजनाएं घरेलू इक्विटी फंड या विदेशी म्यूचुअल फंड और ईटीएफ में निवेश कर सकती हैं। कुछ एफओएफ इनहाउस फंड तक सीमित रहते हैं, जबकि कुछ दूसरे फंड हाउस की योजनाओं में भी निवेश करते हैं।

ये नुकसान भी: एफओएफ किसी लक्ष्य वाले म्यूचुअल फंड योजनाओं के डायरेक्ट प्लान में निवेश करते हैं। मगर एफओएफ का अतिरिक्त खर्च भी होता है जिसे वे निवेशक से वसूलते हैं। एफओएफ किसी निवेशक के पोर्टफोलियो में जरूरत से ज्यादा विविधता ला सकता है। अखिल चतुर्वेदी ने कहा, इससे पोर्टफोलियो के भीतर एकल रूप से शानदार प्रदर्शन करने वाले एसेट क्लास से अधिक लाभ हासिल करने की संभावना सीमित हो सकती है या बेहतर प्रदर्शन करने वाले फंडों का प्रभाव घट सकता है।

बेहतर टैक्सेशन: वर्ष 2024 से पहले इन योजनाओं पर डेट योजनाओं के तौर पर टैक्स लगाया जाता था, जहां स्लैब रेट के हिसाब से लाभ पर टैक्स लगाया जाता था। 2024 के बजट के बाद नियम बदल गए हैं। अब इक्विटी ईटीएफ में 90 फीसदी से अधिक रकम निवेश करने वाले एफओएफ पर 12.5% लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन टैक्स लगाया जाता है, बशर्ते लाभ 12 महीने की होल्डिंग अवधि के बाद बुक किया गया हो। 12 महीने से कम समय की होल्डिंग अवधि पर शॉर्ट टर्म कैपिटल गेन टैक्स 20% लगता है।

लॉन्ग टर्म के लिए करें निवेश

पहली बार निवेश करने वालों के साथ एक जगह कई समाधान तलाशने वाले निवेशकों के लिए एफओएफ आदर्श विकल्प हैं। निवेश सलाहकार पारुल माहेश्वरी ने कहा, एफओएफ उन निवेशकों के लिए अच्छा विकल्प है जिन्हें बाजार की अधिक जानकारी नहीं होती या जो अपने पोर्टफोलियो में खुद कोई बदलाव नहीं करना चाहते हैं। निवेशक को इक्विटी केंद्रित एफओएफ में कम से कम 5 साल के लिए निवेश करना चाहिए।

स्वास्थ्य बीमा: पिछले 10 साल हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी का प्रीमियम सालाना 5% से 15% तक बढ़ा, इस दौरान चिकित्सा की महंगाई दर सालाना 14% बढ़ी

प्रीमियम बढ़ने से 10% पॉलिसीधारकों ने रिन्यू नहीं कराया हेल्थ इंश्योरेंस

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. हेल्थ इंश्योरेंस का प्रीमियम बढ़ने से कई पॉलिसीधारकों को अपना बीमा बंद करना पड़ रहा है या फिर कम कवर वाला प्लान लेना पड़ रहा है। इस साल 10 में से एक व्यक्ति ने अपना हेल्थ इंश्योरेंस रिन्यू ही नहीं कराया। लगभग 10% लोगों का हेल्थ इंश्योरेंस प्रीमियम इस साल 30% या इससे भी ज्यादा बढ़ गया है। इनमें से सिर्फ आधे लोगों ने ही पूरा प्रीमियम भरा। बीमा कंपनियों का कहना है कि क्लेम रेश्यो बिगड़ने की वजह से प्रीमियम बढ़ा है। क्लेम रेश्यो यानी जितना प्रीमियम मिला, उसमें कितने का क्लेम किया गया।

52% पॉलिसीहोल्डर्स की पिछले 10 साल में प्रीमियम में सालाना 5-10% की बढ़ोतरी हुई, ***38% पॉलिसीहोल्डर्स का प्रीमियम सालाना 10-15% बढ़ा***

90% पॉलिसी रिन्यूवल पिछले साल के मुकाबले ***10% प्रीमियम बढ़ोतरी पर हुआ है***

कितना बढ़ा प्रीमियम पिछले 10 साल में 52% पॉलिसीहोल्डर्स के प्रीमियम में सालाना 5-10% की तेजी रही। इसका मतलब है कि अगर किसी का प्रीमियम 100 रुपये था तो 10 साल बाद वह 162-259 रुपये हो गया। 38% पॉलिसीहोल्डर्स की सालाना बढ़ोतरी 10-15% रही। यानी उनका 100 रुपये वाला प्रीमियम 259-404 रुपये हो गया। लेकिन 3% लोगों का प्रीमियम सालाना 15-30% की स्पीड से बढ़ा, जिससे उनकी जेब पर बोझ बढ़ गया है।

बीमा प्रीमियम राशि बढ़ने की ये वजह...

कुछ लोगों के प्रीमियम में बहुत ज्यादा बढ़ोतरी देखी गई, क्योंकि हेल्थ इंश्योरेंस का प्रीमियम हर साल एक जैसा नहीं बढ़ता। यह कुछ अंतराल पर अचानक बढ़ता है। बीमा कंपनियां हर तीन साल में मेडिकल महंगाई के हिसाब से अपने रेट बदलती हैं। मेडिकल महंगाई मतलब इलाज का खर्च बढ़ना। उम्र बढ़ने के साथ भी प्रीमियम बढ़ता है। बुजुर्ग लोगों के इलाज का खर्च ज्यादा होता है, इसलिए उनके प्रीमियम में भी ज्यादा बढ़ोतरी होती है।

ये विकल्प चुन रहे

कई लोग पैसे बचाने के लिए डिडक्टिबल का विकल्प भी चुन रहे हैं। डिडक्टिबल का मतलब है कि एक निश्चित रकम तक का खर्च आपको खुद उठाना होगा, उसके बाद ही बीमा कंपनी भुगतान करेगी। कई लोग सस्ते प्लान्स की ओर शिफ्ट हो रहे हैं या फिर कम कवरेज वाले विकल्प चुन रहे हैं। मेडिकल महंगाई और नई तकनीक के अलावा बीमा का दायरा बढ़ रहा है, जिससे प्रीमियम पर असर पड़ा। पॉलिसीबाजार के सर्वे के मुताबिक, स्वास्थ्य बीमा कंपनियों का प्रीमियम कलेक्शन चालू वित्त वर्ष 2024-25 में 10% कम हो गया है।

रिन्यूवल घटने के ये भी कारण एक्सपर्ट्स का कहना है हेल्थ इंश्योरेंस का रिन्यूवल घटने का कारण सिर्फ प्रीमियम में बढ़ोतरी नहीं, बल्कि क्लेम खारिज होना भी है। एक रिपोर्ट के मुताबित, हेल्थ इंश्योरेंस कंपनियों ने पिछले 3 साल में करीब 50% हेल्थ इंश्योरेंस क्लेम को पूरी तरह या आंशिक तौर पर खारिज किया है। इससे बाद ग्राहकों के मन में बीमा कंपनियों को लेकर संशय पैदा हुआ है कि महंगी पॉलिसी खरीदने के बावजूद जरूरत पर कंपनियां क्लेम खारिज कर देती हैं तो फिर बीमा का क्या फायदा?

बांग्लादेश: मोदी के साथ वार्ता की गुहार

भारत से अच्छे संबंध रखने के अलावा विकल्प नहीं: यूनुस

ढाका @ पत्रिका. बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस ने सोमवार को कहा कि बांग्लादेश के पास भारत के साथ अच्छे संबंध रखने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। यूनुस ने कहा, दोनों देश एक-दूसरे पर निर्भर हैं। उन्होंने कहा, हम ऐतिहासिक, राजनीतिक और आर्थिक दृष्टि से इतने करीब हैं कि हम अलग-थलग नहीं रह सकते। उन्होंने यह भी कहा कि पदभार संभालने के बाद उन्होंने भारत के पीएम नरेंद्र से मोदी से बात की थी।

मोदी के साथ द्विपक्षीय वार्ता की गुहार: बीबीसी बांग्ला के साथ एक साक्षात्कार में यूनुस ने कहा कि दोनों देशों के बीच कुछ तनाव की वजह हैं दुष्प्रचार। हालांकि यूनुस ने इस दुष्प्रचार के स्रोत का नाम नहीं बताया। यूनुस ने कहा, बांग्लादेश भारत के साथ अपनी गलतफहमी को दूर करने की कोशिश कर रहा है। यूनुस की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जबकि 3-4 अप्रेल को थाईलैंड में बिम्सटेक शिखर सम्मेलन होने जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, बांग्लादेश चाहता है कि यूनुस और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच इस दौरान एक बैठक आयोजित की जाए।

मणिपुर: बैन ग्रुप के दो कार्यकर्ता गिरफ्तार

इंफाल @ पत्रिका. मणिपुर में पिछले 24 घंटों के दौरान दो उग्रवादियों को गिरफ्तार किया गया, जबकि 20 हथियार स्वेच्छा से जमा किए गए। मणिपुर पुलिस ने बताया कि इंफाल-पूर्वी जिले के नगारियान हिल की पहाड़ी से प्रतिबंधित संगठन कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी (पीपुल्स वार ग्रुप)-केसीपी (पीडब्ल्यूजी) के दो कार्यकर्ताओं को पकड़ा गया।

पंजाब: फर्जी सरकारी वेबसाइट बनाई, पकड़ा

चंडीगढ़ @ पत्रिका. राज्य साइबर अपराध प्रभाग ने पंजाब सरकार के खनन विभाग की फर्जी वेबसाइट चलाने के मुख्य आरोपी गौरव कुमार को गिरफ्तार किया है। उसने अवैध खनन के लिए फर्जी परमिट जारी किए, जिससे राज्य को 40-50 लाख रुपए का नुकसान हुआ।

अमरीका: जुड़वां बहन के हत्यारे भाई को सजा

ह्यूस्टन @ पत्रिका. अमरीका में एक व्यक्ति को अपनी जुड़वां बहन की हत्या के जुर्म में 15 साल की जेल की सजा सुनाई गई है। घटना तीन साल पहले की है, जब 17 साल की उम्र में बेंजामिन इलियट ने अपनी बहन मेगन इलियट की चाकू मारकर हत्या कर दी थी। बेंजामिन ने बताया कि उसे लगा वह सपना देख रहा है। बचाव पक्ष ने कोर्ट में बेंजामिन के नींद संबंधी विकार पैरासोमनिया का हवाला दिया था।

ब्रिटेन: बच्चों की निजता को लेकर चिंता

लंदन @ पत्रिका. ब्रिटेन की प्राइवेसी वॉचडॉग इन्फॉर्मेशन कमिश्नर ऑफिस ने सोमवार को टिकटॉक, रेडिट और इमेज शेयरिंग वेबसाइट इमगुर द्वारा बच्चों की गोपनीयता की सुरक्षा को लेकर जांच शुरू की। टिकटॉक यह कैसे सुनिश्चित करता है कि 13-17 साल के बच्चों की निजी जानकारी का इस्तेमाल उनके फीड में कंटेंट सजेस्ट करने के लिए किया जा रहा है, इसकी जांच की जा रही है।

रिपोर्ट: बिजनेस लोन में महिलाओं की हिस्सेदारी 3%, नौकरियों में 48% इजाफा

महिलाओं में भी बढ़ रही लोन लेने की होड़, सालाना 22 फीसदी की बढ़ोतरी

नई दिल्ली @ पत्रिका. भारत में महिलाएं भी तेजी से कर्ज ले रही हैं। ट्रांसयूनियन सिबिल के साथ नीति आयोग की वुमन एंटरप्रेन्योरशिप रिपोर्ट के मुताबिक, कर्ज लेने वाली महिलाओं की संख्या पिछले पांच साल में सालाना 22% की दर से बढ़ी है। खास बात यह है कि कर्ज लेने वाली 60% महिलाएं कस्बों और ग्रामीण क्षेत्रों से हैं।

नीति आयोग की रिपोर्ट के मुताबिक, महिलाओं की ओर से लिए गए कर्ज का अधिकांश हिस्सा उपभोग जरूरतों और मकान-कार आदि खरीदने के लिए था, जबकि बिजनेस लोन में महिलाओं की हिस्सेदारी केवल 3% है। हालांकि वर्ष 2019 से अब तक व्यावसायिक कर्ज लेने वाली महिलाओं की संख्या 4.6 गुना बढ़ी है, लेकिन यह अभी भी कुल कर्ज का एक छोटा हिस्सा है। रिपोर्ट के मुताबिक, दिसंबर 2024 तक करीब 2.7 करोड़ महिलाएं अपने क्रेडिट स्कोर की निगरानी कर रही थीं। यह दर्शाता है कि महिलाएं न केवल कर्ज ले रही हैं, बल्कि अपने वित्तीय स्वास्थ्य पर भी नजर रख रही हैं।

60% कर्ज लेने वाली महिलाएं ***ग्रामीण क्षेत्रों और छोटे कस्बों से***

₹4.8 लाख करोड़ का लोन लिया महिलाओं ने मकान-कार ***जैसी सुविधाओं के लिए पिछले साल***

किस तरह का लोन ले रहीं महिलाएं

4.7 लाख करोड़ का गोल्ड लोन लिया महिलाओं ने वर्ष 2024 में, ***यह वर्ष 2019 के मुकाबले 5 गुना अधिक***

महिलाओं के लिए उपलब्ध ***नौकरियों में से 25% फ्रेशर्स के लिए***

क्रेडिट स्कोर चेक करने वाली महिलाएं बढ़ीं

साल	संख्या (करोड़ में)
2020	0.3
2021	0.6
2022	1.0
2023	1.9
2024	2.7

किस आयु वर्ग की महिलाएं ले रहीं लोन

ग्रुप (आयु)	हिस्सेदारी	इजाफा
मिलेनियल्स (28-45 वर्ष)	52%	↑ 38%
जेन जेड (18-28 वर्ष)	22%	↑ 56%
45 वर्ष से ज्यादा	26%	↑ 07%

जॉब मार्केट में बढ़ी हिस्सेदारी: फाउंडिट की रिपोर्ट के मुताबिक, वर्ष 2025 में अब तक महिलाओं के लिए नौकरी के अवसर पिछले साल की तुलना में 48% बढ़े हैं। यह वृद्धि मुख्य रूप से आइटी, बैंकिंग, वित्तीय सेवाएं और बीमा में बढ़ी मांग के कारण हो रही है।

पेज एक का शेष

ट्रंप के ...

फिलहाल भारत इससे बचा हुआ है। संकेत हैं कि दो अप्रेल से भारत पर भी टैरिफ लागू करने की योजना है। इसलिए गोयल की यात्रा बेहद महत्त्वपूर्ण मानी जा रही है। वह ट्रंप प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात करेंगे।

गोयल अमरीकी व्यापार प्रतिनिधि जेमीसन ग्रेयर और वाणिज्य सचिव हॉवर्ड लटनिक से भी मिलेंगे। वार्ता के दौरान भारत बाहरी टैरिफ को कम करने और द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) को आगे बढ़ाने को प्राथमिकता देगा। ट्रंप ने पिछले महीने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमरीका यात्रा से पहले भारत समेत कई देशों पर पारस्परिक शुल्क लगाने की घोषणा की थी। प्रधानमंत्री के साथ बातचीत के दौरान ट्रंप ने अपने फैसले को सही ठहराया था और कहा था कि अमरीकी उत्पादों पर भारत बहुत ज्यादा शुल्क लगता है। अमरीका भी अब यही नीति अपनाने जा रहा है। पीयूष गोयल ने पिछले महीने कहा था कि भारत और अमरीका व्यापार को सुगम बनाने के लिए आपसी रियायतें और टैरिफ में कटौती पर काम कर रहे हैं।

ऑटोमोबाइल, कृषि क्षेत्र के एक्सपोर्टर्स चिंतित:

1 ट्रंप ने कई मौकों पर कहा है कि वह **अप्रेल की शुरुआत में पारस्परिक शुल्क लगाने का इरादा** रखते हैं। इससे भारतीय एक्सपोर्टर्स, खास तौर पर ऑटोमोबाइल और कृषि क्षेत्र में चिंताएं बढ़ गई हैं।

2 विश्लेषकों का अनुमान है कि इस तरह के **टैरिफ से भारत को सालाना सात अरब डॉलर तक का नुकसान** हो सकता है।

3 अमरीका के साथ व्यापार तनाव कम करने के लिए **भारत ने पहले ही कुछ चीजों पर टैरिफ कम करने के कदम उठाए हैं।** हाई-एंड मोटर साइकिलों पर टैरिफ 50% से घटाकर 30% कर दिया गया। बॉर्बन व्हिस्की पर टैरिफ 150% से घटाकर 100% किया जा चुका है।

भारत की...

मोदी ने डॉल्फिन के आवास क्षेत्रों में स्कूली बच्चों के लिए एक्सपोजर विजिट आयोजित करने की सलाह दी। उन्होंने वण्यजीव संरक्षण में एआइ के इस्तेमाल को बढ़ावा देने की बात कही।

एशियाई शेरों की गणना इसी साल : मोदी ने जूनागढ़ में नेशनल रेफरल सेंटर फॉर वाइल्डलाइफ की आधारशिला रखी। उन्होंने घोषणा की कि एशियाई शेरों की 16वीं गणना इस साल की जाएगी। उन्होंने कोयंबटूर में वाइल्डलाइफ इंस्टीट्यूट बनाने और मध्यप्रदेश के गांधी सागर अभयारण्य और गुजरात के बन्नी ग्रासलैंड्स में चीता पुनर्वास कार्यक्रम का ऐलान किया। मोदी ने संकटग्रस्त पक्षी ग्रेट इंडियन बस्टर्ड (गोडावण) के संरक्षण की राष्ट्रीय कार्ययोजना बनाने के साथ घड़ियाल, गोडावण और भारतीय स्लॉथ बियर के संरक्षण के लिए टास्क फोर्स बनाने के निर्देश दिए।

'नवविवाहित तुरंत...

स्टालिन ने कहा कि 2026 के बाद परिसीमन प्रक्रिया होने पर संसद में दक्षिणी राज्यों का प्रतिनिधित्व कम हो सकता है, जबकि देश के सकल घरेलू उत्पाद और जनसंख्या नियंत्रण में हमारा महत्त्वपूर्ण योगदान है। स्टालिन ने परिसीमन पर चर्चा के लिए पांच मार्च को सर्वदलीय बैठक बुलाई है। उन्होंने राज्य भाजपा से बैठक का बहिष्कार न करने की अपील की।

भारत के...

भारत की पृष्ठभूमि पर बनी अमरीकी फिल्म 'अनुजा' लाइव एक्शन शॉर्ट फिल्म की श्रेणी में दावेदार थी, लेकिन ट्रॉफी तक नहीं पहुंच सकी। इस श्रेणी में 'आइ एम नॉट ए रोबोट' ने ऑस्कर जीता। 'अनुजा' बतौर निर्माता गुनीत मोंगा और प्रियंका चोपड़ा की फिल्म है।

समारोह में सेक्स वर्कर्स पर बनी हॉलीवुड की कॉमेडी फिल्म 'अनोरा' की धूम रही। इसने सर्वश्रेष्ठ फिल्म समेत पांच श्रेणियों में ट्रॉफी जीती। यह एडल्ट फिल्म है। 'द डिपार्टेड' (2007) के बाद पहला मौका है, जब किसी एडल्ट फिल्म को सर्वश्रेष्ठ फिल्म का खिताब दिया गया। 'एमिलिया पेरेज' के लिए सर्वश्रेष्ठ सह-अभिनेत्री की ट्रॉफी लेने के बाद जोई सल्दाना रो पड़ीं। उन्होंने आंसू पोंछते हुए कहा, यह अवॉर्ड जीतने वाली में डोमिनिकन मूल की पहली अमरीकी हूं... जानती हूं कि आखिरी नहीं हूं। ब्राजील की 'आइ एम स्टिल हियर' को सर्वश्रेष्ठ विदेशी फीचर का अवॉर्ड मिला। यह ब्राजील के राजनीतिज्ञ रूबेन्स पइवा की गुमशुदगी पर आधारित है।

डॉक्टरों ने...

सर्जरी करने वाली टीम में शामिल डॉ. ग्रेग मोलोनी के मुताबिक यह प्रक्रिया इतनी दुर्लभ है कि कई नेत्र सर्जनों को भी इसके बारे में जानकारी नहीं होती। इसमें रोगी के दांत से लेंस बनाकर आंख में प्रत्यारोपित किया जाता है। इससे नया कॉर्निया बनाया जा सकता है।

तीन मिनट में 66 कपकेक आइसिंग कर बनाया रेकॉर्ड

लंदन @ पत्रिका . ब्रिटेन की एक महिला ने तीन मिनट में सबसे ज्यादा कपकेक आइसिंग करके एक नया गिनीज वर्ल्ड रेकॉर्ड स्थापित किया है। 'द ग्रेट ब्रिटिश बेक ऑफ' शो में अपने प्रदर्शन के लिए मशहूर मिशेल इवांस-फेंची ने यह रेकॉर्ड बनाया है। उन्होंने सिर्फ तीन मिनट में 66 कपकेक आइसिंग किए।

आइसीसी वनडे
चैंपियंस ट्रॉफी
CHAMPIONS TROPHY 2025

आइसीसी वनडे टूर्नामेंट : पहला सेमीफाइनल आज दुबई में खेला जाएगा, साल 2000 के बाद चैंपियंस ट्रॉफी में दोनों टीमों के बीच करो या मरो वाला मुकाबला

25 साल बाद ऑस्ट्रेलिया से नॉकआउट में भिड़ंत

टीम इंडिया का अजेय रेकॉर्ड

दबदबा... टीम इंडिया ने लगातार जीते तीन मैच

दुबई @ पत्रिका. आइसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 अब अपने आखिरी मुकाम पर पहुंच गई है। टूर्नामेंट का पहला सेमीफाइनल मंगलवार को भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच दुबई में खेला जाएगा। दो बार की पूर्व चैंपियन भारत की कोशिश 2017 के बाद फिर फाइनल में जगह बनाने पर होगी। वहीं, ऑस्ट्रेलिया भी दो बार की पूर्व चैंपियन है और उसकी कोशिश 2009 के बाद खिताबी मुकाबले में पहुंचने पर होगी।

खास यह है कि भारत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी में कुल दो नॉकआउट मुकाबले खेले हैं और दोनों में जीत हासिल की है। साल 1998 में टीम इंडिया ने क्वार्टरफाइनल में ऑस्ट्रेलिया को 44 रन से हराया था। इसके बाद साल 2000 के क्वार्टरफाइनल में भी टीम इंडिया ने कंगारुओं को 20 रन से शिकस्त दी थी।

रोहित शर्मा, कप्तान भारत

2379 रन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ रोहित के नाम *45 वनडे मैचों में*

08 शतक और 09 अर्धशतक लगाए, *209 रन सर्वाधिक*

आइसीसी टूर्नामेंट में भारत और ऑस्ट्रेलिया में बराबरी की टक्कर

24 मैच कुल भारत ने *ऑस्ट्रेलिया से खेले*

11 मैच भारत ने जीते, 12 हारे और *01 बेनतीजा रहा*

टूर्नामेंट	मैच	जीत	हार	बेनतीजा
वनडे विश्व कप	14	05	09	00
चैंपियंस ट्रॉफी	04	02	01	01
टी-20 विश्व कप	06	04	02	00

ये भी जानें : भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 23 नवंबर 2023 के बाद पहली बार वनडे मुकाबला खेला जाएगा।

नॉकआउट मैचों में भी कड़ी टक्कर

08 मैच भारत ने ऑस्ट्रेलिया से खेले, *चार जीते, चार हारे*

टूर्नामेंट	मैच	जीत	हार
वनडे विश्व कप	04	01	03
चैंपियंस ट्रॉफी	02	02	00
टी-20 विश्व कप	01	01	00
टेस्ट चैंपियनशिप	01	00	01

16 साल बाद आमने-सामने : भारत व ऑस्ट्रेलिया के बीच चैंपियंस ट्रॉफी में 16 साल बाद मैच खेला जाएगा। दोनों टीमों के बीच आखिरी भिड़ंत 2009 में हुई थी लेकिन मैच बेनतीजा रहा था। चैंपियंस ट्रॉफी में दोनों के बीच 8 मैच खेले गए। दोनों ने 4-4 जीते।

स्मिथ, कप्तान, ऑस्ट्रेलिया

1310 रन स्टीव स्मिथ ने भारत के खिलाफ *29 वनडे में कुल ठोके*

05 शतक और छह अर्धशतक कुल लगाए, *149 रन सर्वाधिक स्कोर*

जीत का गुरुमंत्र
पहले बल्लेबाजी करना फायदेमंद

दुबई में पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम फायदे में रहेगी। यहां की विकेट सूखी और स्पिनरो की मददगार है। जैसे-जैसे मैच आगे बढ़ेगा, पिच और धीमी होगी। ऐसे में बल्लेबाजों के लिए रन बनाना मुश्किल हो जाएगा। दुबई में अभी ओस नहीं पड़ रही है। इसलिए दूसरी पारी में गेंदबाजी करना मुश्किल नहीं होगा।

टॉस बनेगा बॉस

दुबई में लक्ष्य का पीछा करना आसान नहीं होता लेकिन मुश्किल यह है कि टीम इंडिया 2023 के बाद वनडे में लगातार 13 बार टॉस हारी है। ऐसे में सभी की निगाहें कप्तान रोहित शर्मा पर होंगी। सर्वाधिक टॉस जीतने का रेकॉर्ड पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान रिकी पोंटिंग के नाम है, जिन्होंने सभी प्रारूपों में 324 मैचों में 170 बार टॉस जीता है।

घरेलू परिस्थितियों का फायदा नहीं : रोहित

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने उन खबरों को बकवास बताया, जिसमें कहा जा रहा है कि भारत को दुबई में घरेलू परिस्थितियों जैसा लाभ मिल रहा है। दरअसल, टीम इंडिया एक ही मैदान पर खेल रही है। रोहित ने कहा, हमने पिछले तीन मैच यहां खेले हैं और सभी में परिस्थिति अलग थीं। आपके बल्लेबाजों और गेंदबाजों को परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढालना होगा।

रोहित-विराट की परीक्षा

भारतीय बल्लेबाजी का दारोमदार कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली पर रहेगा। रोहित के लिए टूर्नामेंट अच्छा नहीं रहा है और वह तीन मैचों में सिर्फ 76 रन ही बना सके हैं। वहीं, विराट ने एक शतक से तीन मैचों में 133 रन बनाए हैं। ऑस्ट्रेलियाई आक्रमण के सामने दोनों दिग्गज बल्लेबाजों के आगे बड़ी पारी खेलने की चुनौती होगी।

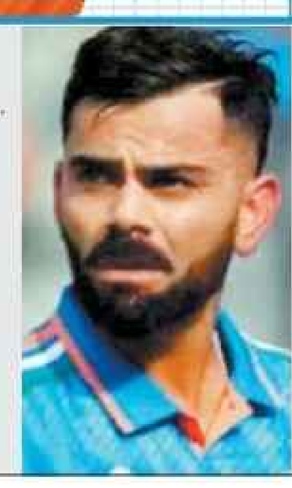

रणनीति : चार स्पिनरों के साथ टीम इंडिया करेगी कंगारू टीम पर अटैक

16 विकेट भारतीय *स्पिनरों ने चार मैचों में झटके*

भारतीय टीम चार स्पिनर अक्षर पटेल, रवींद्र जडेजा, वरुण चक्रवर्ती और कुलदीप यादव के साथ ऑस्ट्रेलियाई टीम के खिलाफ मैदान पर उतर सकती है। यह रणनीति न्यूजीलैंड के खिलाफ सफल रही थी। अक्षर और जडेजा बल्ले से भी दमखम दिखा सकते हैं। वहीं, तेज गेंदबाजी की जिम्मेदारी मोहम्मद शमी और हार्दिक पांड्या के पास रहेगी।

इनसे रहना होगा सतर्क...

ट्रेविस हेड, ओपनर, बल्लेबाज
09 वनडे भारत से खेले, *345 रन ठोके, एक शतक*

एडम जाम्पा, स्पिनर
23 वनडे भारत से खेले, *35 विकेट लिए*

ट्रेविस हेड ने इस चैंपियंस ट्रॉफी में दो मैच खेले हैं और 65 रन बनाए हैं। वहीं, स्पिनर जाम्पा ने दो मैचों में कुल चार विकेट हासिल किए हैं।

चैंपियंस ट्रॉफी
आज का मैच
भारत vs ऑस्ट्रेलिया
प्रसारण: दोपहर 2.00 बजे से
स्थान: दुबई

आज का पोल

क्या भारतीय टीम चैंपियंस ट्रॉफी में ऑस्ट्रेलिया को शिकस्त दे पाएगी?

YES NO

हमारे एक्स/फेसबुक पेज पर जाएं और विस्तार से अपनी राय रखें। @PatrikaNews

सोमवार का जवाब

हां **59%** नहीं **41%**

पिछला सवाल : क्या लोकेश राहुल के स्थान पर ऋषभ पंत को अंतिम एकादश में होना चाहिए?

आइपीएल : 2012, 2014 और 2024 में चैंपियन बनी है कोलकाता की टीम

खिताबी जीत की याद में...केकेआर टीम ने रजिस्टर्ड कराए तीन सितारे

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

कोलकाता. आइपीएल की टीम फ्रैंचाइजी कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) ने अपनी तीन खिताबी जीत को यादगार बनाने के लिए तारामंडल में तीन सितारे रजिस्टर्ड कराए हैं। केकेआर ने आधिकारिक तौर पर जेमिनी (मिथुन) तारामंडल के आसपास तीन सितारों को पंजीकृत किया है जो टीम के 2012 (कोरबो), 2014 (लोरबो) और 2024 (जीतबो) में उनकी खिताबी जीत के प्रतीक हैं। कोरबो, लोरबो और जीतबो केकेआर का स्लोगन हैं। वहीं, साफ आसमान में इन तारों को कोऑर्डिनेट्स (निर्देशांक) का उपयोग करके या क्यूआर कोड को स्कैन करके देखा जा सकता है।

टीम की जर्सी पहने रहाणे। उनकी टी-शर्ट पर तीन सितारे दिख रहे हैं।

रहाणे को बनाया टीम का नया कप्तान

आइपीएल 2025 के लिए अजिंक्य रहाणे कोलकाता टीम के नए कप्तान बनाए गए हैं। वहीं, वेंकटेश अय्यर को उपकप्तान बनाया गया है। रहाणे ने कहा, केकेआर की अगुवाई सम्मान की बात है। हमारे पास एक संतुलित टीम है। मैं खिताब का बचाव करने की चुनौती स्वीकार करने को लेकर बेहद उत्साहित हूं।

कप्तानी का अच्छा अनुभव रहाणे को अंतरराष्ट्रीय व घरेलू क्रिकेट में कप्तानी का अच्छा अनुभव है। उनकी कप्तानी में टीम इंडिया ने 2020-21 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उसके घर में टेस्ट सीरीज जीती थी। आइपीएल की बात करें तो रहाणे ने आइपीएल में कुल 25 मैचों में कप्तानी की है। इस दौरान टीम ने नौ मैच जीते हैं और 16 में शिकस्त मिली है।

सम्मान : 21 अप्रेल को मैड्रिड में आयोजित होगा समारोह, इस सूची में शामिल ऋषभ एकमात्र क्रिकेटर

लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स अवॉर्ड के लिए नामित हुए पंत

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. भारतीय क्रिकेट टीम के विकेटकीपर ऋषभ पंत को लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स अवॉर्ड के लिए नामित किया गया है। पंत को बेस्ट कमबैक ऑफ द ईयर की कैटेगरी में जगह दी गई है। दिसंबर 2023 में ऋषभ पंत कार दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गए थे। इसके बाद उन्होंने करीब एक साल बाद मैदान पर वापसी की।

इन छह खिलाड़ियों के बीच होगी टक्कर...

नाम	देश	खेल
ऋषभ पंत	**भारत**	**क्रिकेट**
रेबेका एंड्रेड	ब्राजील	जिम्नास्ट
कैलेब ड्रेसेल	अमरीका	तैराक
लारा बेहरामी	स्विट्जरलैंड	स्कीइंग
मार्क मार्केज	स्पेन	मोटर स्पोर्ट्स
एरियन टिटमस	ऑस्ट्रेलिया	तैराकी

इसलिए मिलता है यह अवॉर्ड... अवॉर्ड उन खिलाड़ियों को मिलता है, जिन्होंने किसी दुर्घटना या गंभीर बीमारी से उबरने के बाद मैदान पर वापसी की है।

डब्ल्यूपीएल टी-20 : गुजरात ने यूपी को दी मात

बेथ मूनी शतक लगाने से चूकी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

लखनऊ. गुजरात जाइंट्स ने यहां खेले गए महिला प्रीमियर लीग टी-20 (डब्ल्यूपीएल) मुकाबले में यूपी वारियर्ज के खिलाफ 81 रन से जीत हासिल की। पहले बल्लेबाजी करते हुए गुजरात की टीम ने कप्तान बेथ मूनी के अर्धशतक से पांच विकेट पर 186 रन का स्कोर बनाया। जवाब में यूपी की टीम 17.1 ओवर में 105 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। गुजरात की छह मैचों में यह तीसरी जीत है। वहीं, यूपी को छह मैचों में चौथी हार झेलनी पड़ी है। गुजरात के लिए बेथ मूनी ने 59 गेंदों में 96 रन की नाबाद पारी खेली। प्लेयर ऑफ द मैच बनीं मूनी ने 17 चौके लगाए। वहीं, गेंदबाजी में काशवी गौतम व तनुजा कंवर ने तीन-तीन विकेट झटके।

बेथ मूनी, गुजरात

नवारो ने जीता खिताब
6-0, 6-0 से जीतने वाली 5वीं खिलाड़ी

मैक्सिको @ पत्रिका. अमरीका की एम्मा नवारो ने एमिलिया अरंगो को हराकर मेरिडा ओपन टेनिस टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम कर लिया। इसके साथ ही नवारो 6-0, 6-0 के स्कोर से डब्ल्यूटीए फाइनल जीतने वाली इस सदी की केवल पांचवीं खिलाड़ी बन गई हैं। विश्व की आठवें नंबर की खिलाड़ी नवारो ने इस टूर्नामेंट के दौरान एक भी सेट नहीं गंवाया। उन्होंने केवल 55 मिनट में अपने करियर का दूसरा खिताब जीता।

प्राग मास्टर्स : दोनों भारतीय संयुक्त रूप से शीर्ष पर

प्रग्गनानंदा ने अरविंद से ड्रॉ खेला

पांचवें दौर की बाजी के दौरान **दोनों भारतीय खिलाड़ी।**

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

प्राग. ग्रैंडमास्टर आर प्रग्गनानंदा ने अपने हमवतन खिलाड़ी अरविंद चितंबरम के साथ प्राग मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट के पांचवें दौर में ड्रॉ खेला और इन दोनों के पास अब पूरे एक अंक की बढत हो गई है। अरविंद और प्रग्गनानंदा के 3.5 अंक हैं, जबकि चीन के वेइ यि, अनीश गिरि, वियतनाम के कुआंग लीम ली और जर्मनी के विंसेंट केमेर इनके एक अंक पीछे हैं।

अभी चार बाजी शेष : दस खिलाड़ियों के राउंड रॉबिन टूर्नामेंट में अभी चार बाजियां शेष हैं। पांचवें दौर में सिर्फ एक मुकाबले का नतीजा निकल सका जब वेइ यि ने शैंकलैंड को हराया। अनीश ने डेइ वान से ड्रॉ खेला।

रोइंग चैंपियनशिप

500 से अधिक रोवर चुनौती पेश करेंगे

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

भोपाल. 42वीं नेशनल सीनियर रोइंग चैंपियनशिप की शुरुआत सोमवार से यहां बड़े तालाब स्थित मध्यप्रदेश राज्य वॉटर स्पोर्ट्स अकादमी, बोट क्लब में हुई। राज्य के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने इस चैंपियनशिप का शुभारंभ किया। सात मार्च तक चलने वाली इस चैंपियनशिप में 14 इवेंट में 25 राज्यों की रोइंग टीमों के 500 से अधिक खिलाड़ी चुनौती पेश करने के लिए उतरेंगे। इसमें पुरुषों के अलावा महिला खिलाड़ी भी कई स्पर्धाओं में शिरकत करेंगी।

महिला क्रिकेट : छह टीमें टूर्नामेंट में शिरकत करेंगी

विश्व कप क्वालीफायर पाक में

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

कराची. पाकिस्तान इस महीने के आखिर में छह टीमों के महिला एकदिवसीय क्रिकेट विश्व कप क्वालीफायर की मेजबानी करेगा । पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के एक अधिकारी ने सोमवार को इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि हम तारीखों और स्थान के लिए आइसीसी के संपर्क में हैं। इस इवेंट में हिस्सा लेने वाली छह टीमें पाकिस्तान, स्कॉटलैंड, आयरलैंड, श्रीलंका, थाईलैंड और वेस्टइंडीज हैं। टूर्नामेंट के सभी मैच कराची, मुल्तान या फैसलाबाद में होंगे।

CROSSWORD (वर्ग पहेली) **7273...**

बाएं से दाएं... 1. नींव, संगे-बुनियाद रखना (4), 4. स्याही, मसि (4), 7. दुर्गा (3), 8. अपूर्व, अंधेर, अनूठा (3), 9. मल्लाह, केवट (3), 10. अभिवादन, प्रणाम (3), 11. कुटुंब, खानदान (2), 12. दसवां (3), 14. ध्वनि, आवाज (2), 15. मनुष्य (3), 16. गीला, आर्द्र (2), 17. संतोष की बात, लूट का माल (4), 19. धन, सम्पत्ति (2), 20. दही में प्याज, ककड़ी आदि डाल कर बनाया गया खाद्य पदार्थ (3), 21. गुणा करने पर प्राप्त संख्या (5), 23. अंगीकार करना, स्वीकार करना (3), 25. दयालु, ईश्वर, रहमान (3), 26. पदार्थ का तत्वगतज्ञान (4)

ऊपर से नीचे... 1. छावनी, डेरा, पड़ाव (3), 2. शर्म, हया (2), 3. जज (4), 4. नित्य, प्रतिदिन (2), 5. ओस (4), 6. सत्यनिष्ठ, सच्चा, नेकनीयत (5), 8. गला (4), 11. स्तुति योग्य (4), 13. लाश, मृत देह (2), 14. शेषनाग (4), 15. पराजय, शिकस्त (2), 16. ओर, पक्ष (3), 18. मत पर अडिग रहना (4), 19. बारात ठहराने का स्थान (4), 21. तासीर, खूबी, अच्छाई, लियाकत (2), 22. धुन, लौ (3), 24. मैं का बहुवचन (2)

हल 7272

SUDOKU 7008...

5			2					
1				4		3		
	3	6			9			1
		3	9					7
					2			5
8								9
	6		3			8		
	4					1		
					7	5		4

हल 7007

6	1	5	8	3	9	7	4	2
9	7	2	1	4	5	3	8	6
4	3	8	7	6	2	1	9	5
7	8	9	3	5	6	4	2	1
1	5	3	4	2	8	9	6	7
2	4	6	9	7	1	5	3	8
5	9	7	2	8	3	6	1	4
8	6	1	5	9	4	2	7	3
3	2	4	6	1	7	8	5	9

कैसे खेलें : वर्ग को 1 से 9 तक अंकों से ऐसे भरें कि आड़ी व खड़ी पंक्ति के साथ ही 3 गुणा 3 के बॉक्स में 1 से 9 तक अंक आएं। कोई अंक दुबारा नहीं आए।

एफए कप // 1996-97 के सीजन के बाद पहली बार नॉकआउट में नहीं पहुंची टीम

चैंपियन मैनचेस्टर यूनाइटेड को हराकर फुलहम क्वार्टरफाइनल में

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

मैनचेस्टर. मौजूदा चैंपियन मैनचेस्टर यूनाइटेड का एफए कप फुटबॉल टूर्नामेंट में सफर पांचवें दौर के मुकाबले में हार के साथ ही समाप्त हो गया। रविवार देर रात यहां खेले गए मुकाबले में फुलहम ने मैनचेस्टर यूनाइटेड को पेनल्टी शूटआउट में 4-3 से हरा दिया। दोनों टीमों के बीच मुकाबला निर्धारित समय तक 1-1 से बराबर रहा था। पेनल्टी शूटआउट में भी दोनों टीमें 3-3 से बराबरी पर थीं, लेकिन फिर फुलहम के गोलकीपर बर्न्ड लिनो ने अगले दोनों शॉट रोक कर फुलहम को नॉकआउट में जगह दिला दी।

2023-24 में मैनचेस्टर यूनाईटेड ने जीता था खिताब, ***2-1 से हराया था फाइनल में मैनचेस्टर सिटी को***

एक-दूसरे को दी कड़ी टक्कर

फुलहम और मैनचेस्टर यूनाइटेड के बीच इस मुकाबले में कड़ी टक्कर देखने को मिली। फुलहम ने केल्विन बैसी के पहले हाफ के स्टॉपेज टाइम में किए गए गोल से 1-0 की बढ़त बना ली थी। इसके बाद 71वें मिनट में ब्रूनो फर्नांडीस ने गोल कर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। पेनल्टी शूटआउट में भी दोनों के बीच कड़ी टक्कर रही।

गोलकीपर लिनो रहे जीत के हीरो : फुलहम की जीत के हीरो गोलकीपर बर्न्ड लिनो रहे। लिनो ने शानदार खेल दिखाया और फिर पेनल्टी शूटआउट में दो सफल बचाव किए।

गोलकीपर बर्न्ड लिनो के साथ जीत का जश्न मनाते फुलहम के खिलाड़ी।

अंतिम-16 के ड्रॉ घोषित

फुलहम का सामना क्रिस्टल पैलेस से

पांचवें दौर की समाप्ति के बाद एफए कप के नॉकआउट दौर के ड्रॉ भी घोषित कर दिए गए हैं। क्वार्टरफाइनल में फुलहम का सामना क्रिस्टल पैलेस होगा, जबकि एस्टन विला प्रीस्टन से, बोर्नमाउथ टीम मैनचेस्टर सिटी से और ब्राइटन एंड होव की टीम इप्सविक से भिड़ेगी।

इन चार टीमों के पास मौका : फुलहम, क्रिस्टल पैलेस, बोर्नमाउथ और ब्राइटन ने कभी भी एफए कप नहीं जीता है। इन आठ में से मैनचेस्टर सिटी ही सबसे मजबूत टीम दिख रही है। ऐसे में फुलहम, बोर्नमाउथ जैसी टीमों के पास पहला खिताब जीतने का मौका होगा।

ब्राजील में जमा रंग

सांबा की थिरकन से गुलजार कार्निवल

रियो डी जेनेरियो. सांबाड्रोम में कार्निवल के दौरान यूनिडोस डी पैड्रे मिगुएल सांबा स्कूल के कलाकारों की नृत्य परेड देखने के लिए उमड़े लोग। इस स्कूल ने 60 साल बाद टॉप सांबा लीग परेड के शीर्ष 12 स्कूलों में वापसी की है, इससे कलाकार बहुत उत्साहित थे।

दिल्ली हाईकोर्ट ने दिशा-निर्देश जारी किए

स्कूलों में स्मार्टफोन उपयोग पर पूर्ण रोक उचित नहीं

नई दिल्ली @ पत्रिका. दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा है कि प्रौद्योगिकी का उपयोग बहुत बदल चुका है, विशेष रूप से शिक्षा व संबंधित उद्देश्यों के लिए, इसलिए स्कूलों में छात्रों के स्मार्टफोन उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध अव्यावहारिक है। कोर्ट ने कहा कि नीति के रूप में, छात्रों को स्कूल में स्मार्टफोन लाने से पूरी तरह न रोकें, पर उपयोग को नियंत्रित और निगरानी में रखें। माता-पिता, शिक्षकों और विशेषज्ञों के साथ विचार-विमर्श कर नीति तैयार की जाए। दिशा-निर्देश जारी करते हुए कोर्ट ने कहा, 'स्मार्टफोन के अनियंत्रित व अनुचित उपयोग के दुष्प्रभाव हैं, पर इसके कई लाभ भी हैं जैसे कि यह माता-पिता व बच्चों के बीच समन्वय और बच्चों की सुरक्षा का माध्यम बनता है।'

नियमित समीक्षा-संशोधन भी हो

कोर्ट ने कहा कि नीति की नियमित समीक्षा व संशोधन भी जरूरी है

- स्कूल स्मार्टफोन रखने की व्यवस्था करें, स्कूल टाइम के दौरान फोन जमा करें।
- छात्रों को जिम्मेदार ऑनलाइन व्यवहार, डिजिटल शिष्टाचार और स्मार्टफोन के नैतिक उपयोग के बारे में स्कूल शिक्षित करें।
- छात्रों की काउंसलिंग हो कि अत्यधिक स्क्रीन टाइम व सोशल मीडिया का अधिक उपयोग चिंता, ध्यान में कमी व साइबर-बुलीइंग जैसी समस्याएं दे सकता है।
- नीति के तहत ध्यान रखा जाए कि स्मार्टफोन उपयोग सुरक्षा और समन्वय के लिए हो, मनोरंजन या अन्य कार्यों के लिए नहीं।
- स्कूलों को विशेष परिस्थितियों के अनुसार नीति लागू करने का अधिकार दिया जाए।
- पारदर्शी व निष्पक्ष नियम हों। दंड का भी प्रावधान हो, पर अत्यधिक कठोर नहीं। अनुशासन के लिए स्मार्टफोन जब्त करने जैसे कदम भी उठाए जा सकते हैं।

डेनमार्क का स्कूलों में मोबाइल-टैबलेट पर प्रतिबंध लगाने का फैसला

कोपनहेगन @ पत्रिका. डेनमार्क सरकार ने प्री-सैकंडरी स्कूलों में बच्चों के लिए मोबाइल फोन और टैबलेट पर प्रतिबंध लगाने का फैसला किया है। डेनमार्क ने पूर्व में ऐसा कानून लाने से इनकार कर दिया था लेकिन एक आयोग की सिफारिश पर अब स्कूलों और स्कूल के बाद के क्लबों में प्रतिबंध लगा कर फोनमुक्त किया जा रहा है।

पत्रिका पोल

Q क्या रूस का अमरीकी विदेश नीति को सराहना ध्रुवीकरण का संकेत है?

कल का सवाल था

क्या किसी देश में एक ही आधिकारिक भाषा होनी चाहिए?

जवाब

77% हां 23% नहीं

क्यूआर कोड स्कैन करें...

सदन में सम्राट चौधरी ने पेश किया बजट, कहा- राज्य का हो रहा विकास

बिहार की प्रमुख खबरें पढ़ने के लिए क्यूआर कोड स्कैन करें

सीएम योगी का बड़ा फैसला, एक्सप्रेसवे के दोनों तरफ बनेंगे अस्पताल, हाइवे किनारे शराबबंदी

उत्तर प्रदेश की प्रमुख खबरें पढ़ने के लिए क्यूआर कोड स्कैन करें

सुप्रीम कोर्ट: मध्यप्रदेश का रोकने वाला नियम रद्द

दृष्टिहीन भी बन सकते हैं जज

नई दिल्ली @ पत्रिका. सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को एक अहम फैसले में कहा कि दृष्टिबाधित और कम दृष्टि वाले उम्मीदवार न्यायिक सेवा के तहत पदों के लिए चयन में भाग लेने के पात्र हैं। दृष्टिबाधित अभ्यर्थियों को न्यायिक सेवा के लिए 'अनुपयुक्त' नहीं कहा जा सकता। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर. महादेवन की बेंच ने मध्यप्रदेश सेवा न्यायिक सेवा परीक्षा नियम 1994 के नियम 6ए के संबंध में स्वत: संज्ञान मामले में फैसला सुनाते हुए उसे रद्द कर दिया। कोर्ट ने कहा कि किसी भी व्यक्ति को केवल शारीरिक अक्षमता के आधार पर न्यायिक सेवा में भर्ती से वंचित नहीं किया जा सकता। न्यायिक सेवा में भर्ती के लिए विकलांग व्यक्तियों से भेदभाव के बजाय उन्हें समावेशी ढांचा सुनिश्चित करने के लिए सकारात्मक कार्रवाई करनी चाहिए।

यू-टर्न: अमरीका का रूस के खिलाफ साइबर ऑपरेशन रोकने का ऐलान

मास्को-वाशिंगटन आए करीब, ट्रंप की यूरोप को नसीहत - रूस से डरें नहीं

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

वाशिंगटन. कीव. यूरोप के यूक्रेन के साथ एकजुट होने की कोशिशों के बीच अमरीका ने साफ कर दिया है कि वह अब यूक्रेन के लिए रूस के खिलाफ खड़ा होने को तैयार नहीं। अमरीकी राष्ट्रपति ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए स्पष्ट संदेश दिया है कि हमें पुतिन के बजाए देश के अंदर ही अपराधी प्रवासियों और ड्रग माफिया पर ध्यान देना होगा। नहीं तो हमारी हालत भी यूरोप जैसी होगी।

दूसरी ओर अमरीकी रक्षामंत्री पीट हेगसेथ ने पेंटागन में साइबर कमांड को रूस के खिलाफ आक्रामक साइबर ऑपरेशन रोकने का आदेश दिया है। अमरीका का यह कदम यूक्रेन पर शांति वार्ता की दिशा में दुनिया को अहम संदेश माना जा रहा है। गौरतलब है कि ट्रंप ने भी सोशल मीडिया पर एक री-पोस्ट के जरिए यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की को दो टूक बता दिया है कि यूक्रेन के पास अमरीका के सामने झुकते हुए खनिज डील पर समझौता करने के अलावा कोई रास्ता नहीं है। ट्रंप ने यूरोप को भी संदेश दिया है कि अमरीकी समर्थन के बिना यूक्रेन लंबे समय तक रूस का मुकाबला नहीं कर सकेगा। ट्रंप ने इस पोस्ट में यह भी संकेत दिए हैं कि खनिज डील होने पर अमरीका की यूक्रेन में मौजूदगी उसे रूस से सुरक्षा देगी।

अमरीका की नई विदेश नीति का रूस ने किया स्वागत

ट्रंप ने कहा है कि वह मंगलवार रात संसद में अहम घोषणा करेंगे।

तेजी से सुधार रहे संबंध: क्रेमलिन

क्रेमलिन प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने रविवार को अमरीका की बदली हुई विदेश नीति का स्वागत करते हुए साफ कर दिया कि अमरीकी नीति में नाटकीय बदलाव काफी हद तक रूसी नीति से मेल खाती है। क्रेमलिन ने ट्रम्प को 'कॉमन सेंस' वाला राजनेता बताते हुए कहा कि पिछले दोनों रूस -अमरीका के द्विपक्षीय संबंधों को समग्रता में काफी नुकसान पहुंचा है। लेकिन अगर राष्ट्रपति व्लादीमिर पुतिन और राष्ट्रपति ट्रम्प राजनीतिक इच्छाशक्ति को बनाए रखते हैं, तो दोनों के संबंधों में तेजी से सुधार आएगा। माना जा रहा है कि ट्रंप और पुतिन जल्द मिलेंगे।

यूरोप से सैनिक वापस बुलाएगा अमरीका

उधर, अमरीकी मीडिया ने दावा किया है कि, अगर यूरोप यूक्रेन की मदद के लिए एकतरफा आगे बढ़ता है तो अमरीका का ट्रम्प प्रशासन यूरोप से 20,000 अमरीकी सैनिकों को वापस बुला लेगा। गौरतलब है कि पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन ने 2022 में यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के जवाब में इन सैनिकों को यूरोप में भेजा था। पोलैंड में फिलहाल लगभग 10,000 अमरीकी सैनिक तैनात हैं, जिनमें से लगभग आधे तो बाइडन के 2022 के फैसले के बाद ही तैनात किया गया। गौरतलब है कि हाल में यूरोप ने संकेत दिए हैं कि वह यूक्रेन के समर्थन में सेना भेज सकता है।

जेलेंस्की बोले, खनिज डील को अब भी तैयार

जेलेंस्की ने बीबीसी को सोमवार को दिए एक इंटरव्यू में दोहराया है कि वह अमरीका-यूक्रेन खनिज समझौते पर हस्ताक्षर करने को तैयार हैं। पिछले सप्ताह ट्रम्प के साथ वाइट हाउस में हुई तीखी बहस के बावजूद, जेलेंस्की ने कहा कि वह अभी भी अमरीका के साथ 'रचनात्मक वार्ता' के इच्छुक हैं। जेलेंस्की ने कहा, मैं बस इतना चाहता हूं कि यूक्रेनी पक्ष को सुना जाए और दुनिया यह जाने की हमलावर कौन था।

युद्ध विराम को तैयार नहीं जेलेंस्की : लंदन में बैठक के बाद फ्रांस-ब्रिटेन के एक माह के लिए आंशिक युद्ध विराम के प्रस्ताव को जेलेंस्की ने खारिज कर दिया। जेलेंस्की ने एक इंटरव्यू में कहा कि बिना सुरक्षा गारंटी युद्धविराम नहीं हो सकता। जेलेंस्की की इस टिप्पणी पर ट्रंप ने कहा, मैंने पहले ही कहा था कि जेलेंस्की शांति नहीं चाहते।

घर या गांव... तंजानिया के इस शख्स के 20 पत्नियां और 104 बच्चे

डोडोमा@ पत्रिका. तंजानिया के मजी अर्नेस्टो मुइनुची कपिंगा का परिवार। कपिंगा के 20 पत्नियां, 104 बच्चे और 144 नाती-पोते हैं। उसका कहना है कि उसे 50 बच्चों के तो नाम याद हैं, बाकी के नाम उन्हें तभी याद आते हैं जब वह उन्हें देखते हैं।

विदेश मंत्रालय ने कहा

यूएई में भारतीय महिला को दे दी गई मौत की सजा

नई दिल्ली @ पत्रिका. उत्तर प्रदेश की बांदा जिले की निवासी 33 वर्षीय शाहजादी खान को 15 फरवरी को अबू धाबी, यूएई में फांसी दे दी गई। शाहजादी अल वथबा जेल में बंद थीं और उन्हें एक बच्चे की मृत्यु के मामले में मौत की सजा सुनाई गई थी। विदेश मंत्रालय का प्रतिनिधित्व करते हुए अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ने सोमवार को दिल्ली हाईकोर्ट को बताया कि अंतिम संस्कार 5 मार्च को निर्धारित किया गया है।

पत्रिका एक्सप्लेनर

2030 में दो बार आएगा रमजान

अलग-अलग मौसम में क्यों आते रोजे व मुस्लिम त्योहार

मुस्लिम धर्मावलंबियों का पवित्र रमजान माह और रोजे शुरू हो गए हैं। दिलचस्प है कि 2016 में रमजान के रोजे जून की तपन में थे और साल 2030 में रोजे दिसंबर की सिहरन में आएंगे। केवल रमजान ही नहीं मुस्लिम समाज के अधिकतर त्योहार हर बार अलग-अलग मौसम और अंग्रेजी कलेंडर के अलग-अलग महीनों में आते हैं। जानते हैं क्या है इसका कारण...

मुस्लिम त्योहार का आधार कौनसा कैलेंडर है?

तमाम मुस्लिम त्योहार इस्लामिक कैलेंडर के अनुसार मनाए जाते हैं। इसे हिजरी कैलेंडर कहा जाता है। हिजरी कैलेंडर चंद्रमा के अनुसार चलता है जिसकी औसत महीना 29.5 दिन का होता है जो चंद्रमा के एक चक्र को पूरा करने का समय है। ऐसे में हिजरी वर्ष के बारह महीनों में 354 या 355 दिन ही होते हैं।

क्यों बदलती रहती हैं तारीखें?

ग्रेगोरियन कैलेंडर के 365 या 366 दिन के मुकाबले हिजरी वर्ष में 10-11 दिन कम होने से रमजान, ईद, बकरीद, मोहर्रम और ईद मिलादुन्नबी हर साल अंग्रेजी कैलेंडर के हिसाब से लगभग 10-11 दिन पहले आ जाते हैं। इससे अनेक बार त्योहार का मौसम बदल जाता है।

एक ही त्योहार साल में दो बार संभव?

जी हां, दो कैलेंडर के 10-11 दिनों का अंतर साल-दर-साल जुड़ते-जुड़ते 30 दिन से ज्यादा हो जाता है तब एक ग्रेगोरियन वर्ष में दो बार एक ही मुस्लिम त्योहार आ सकता है। 2030 में रमजान माह के रोजे दो बार आएंगे- एक बार जनवरी में और फिर दिसंबर में। इससे पहले ऐसा 1997 में हुआ था।

फिर उसी समय दुबारा कब आते हैं?

लगभग 32 वर्षों में यह चक्र एक बार पूरा हो जाता है यानी जो मुस्लिम त्योहार जिस महीने या मौसम में आता है उस तारीख के आसपास या उस मौसम में फिर 32 साल बाद ही आते हैं।

प्रस्तुति: **चांद मोहम्मद शेख**

प्रतिनिधि सभा: दायित्व में बदलाव संभव

बेंगलूरु बैठक में भाजपा को नए प्रचारक दे सकता है संघ

नवनीत मिश्र
patrika.com

नई दिल्ली. राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की इसी माह बेंगलूरु में होने वाली अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की बैठक में बड़े नीतिगत निर्णय हो सकते हैं। संघ के 36 सहयोगी संगठनों से जुड़े कुछ प्रचारकों के दायित्व में फेरबदल भी हो सकता है।

सूत्रों का कहना है कि हालिया कई वर्षों से भाजपा में संघ से प्रचारक नहीं भेजे गए हैं। वर्तमान मे राजस्थान, कर्नाटक, महाराष्ट्र और गोवा जैसे प्रदेशों में संगठन महामंत्रियों के पद खाली चल रहे हैं। ऐसे में अगर प्रचारक आए तो खाली पद भरे जा सकते हैं। भाजपा में संगठन महामंत्री या संगठन मंत्री का दायित्व संघ से आने वाले प्रचारकों को ही मिलता है। संगठन मंत्री का कार्य भाजपा व संघ के बीच समन्वय बनाकर मूल काडर के हितों की चिंता करना होता है।

प्रतिनिधि सभा की बैठक 21 से 23 मार्च तक बेंगलुरु के चेलनड्डी में होगी। हर साल संघ की तीन सबसे बड़ी बैठक होती हैं। पहली बैठक मार्च में होती है, दूसरी प्रांत प्रचारक बैठक जुलाई में और तीसरी बैठक दिवाली के आसपास अक्टूबर में होती हैं। इसमें मार्च और जुलाई की बैठक में प्रचारकों के दायित्व में फेरबदल से जुड़े निर्णय भी होते हैं। चूंकि अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा ही संघ की सर्वोच्च निर्णायक इकाई होती है, ऐसे में इस बैठक में बड़े फैसले होते हैं।

एक साल की कार्ययोजना बनेगी

अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की बैठक में अगले एक वर्ष की कार्ययोजना भी तय होगी। इसके अनुरूप सरसंघचालक व सरकार्यवाह सहित शीर्ष पदाधिकारियों के आगे के प्रवास कार्यक्रम तय होंगे। इसके अलावा संघ के 100 साल पूरे होने पर चल रही गतिविधियों पर भी इस बैठक में चर्चा होगी।

कश्मीर: बिछ गई बर्फ, चलें संभल-संभलकर

कुपवाड़ा @ पत्रिका. कश्मीर के कुपवाड़ा जिले के तराथपोरा बाजार में बर्फबारी के बीच लोग बर्फ से ढकी सड़क पर संभलकर चलते हुए।

ट्रेंडिंग न्यूज

ट्रंप की धमकी, 'किंग' की शरण में ट्रूडो

कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ब्रिटेन की यात्रा के दौरान किंग चार्ल्स तृतीय से मुलाकात करेंगे, जहां वह कनाडा को अमरीका का 51वां राज्य बनाने की अमरीकी राष्ट्रपति की धमकियों पर चर्चा करेंगे।

एकजुटता की मांग, चर्चा में खालिदा का भाषण

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री और बीएनपी की चेयरमैन खालिदा जिया का लंदन से दिया गया भाषण तेजी से वायरल हो रहा है। देश में एकता की जरूरत को रेखांकित करने वाले भाषण में जिया ने हसीना और अवामी लीग के खिलाफ एक भी शब्द नहीं कहा।

ईरान: वित्तमंत्री बर्खास्त, वीपी भी हटे

आर्थिक कुप्रबंधन के आरोपों के बीच ईरान की संसद ने देश के वित्त मंत्री अब्दोलनासेर हेममती को महाभियोग चलाकर बर्खास्त कर दिया। उधर, उदारवादी उपराष्ट्रपति जवाद जरीफ ने भी सोमवार को इस्तीफा दे दिया।

सेवा भी समृद्धि भी | अयोध्या में घर बन रहे आतिथ्य गृह

रामभक्तों के लिए खुले घरों के दरवाजे

देव कुमार सिंगोदिया
patrika.com

अयोध्या. अयोध्यावासियों ने अपने घरों को आतिथ्य गृहों में ढाल दिया हैं। रामनगरी के करीब 2 हजार परिवार रामभक्तों को ठहरने, विश्राम, भोजन आदि सेवाएं देकर आय के स्रोत बना रहे हैं तो सेवाभाव का भी अनुभव कर रहे हैं।

पर्यटन विभाग ने ऐसे घरों के लिए लाइसेंस जारी किए हैं। अयोध्या होटलियर एसोसिएशन के अनुसार महाकुंभ के 45 दिन में महज होटल रेस्टोरेंट ने 50 करोड़ रुपए से अधिक का व्यापार किया है। इनमें करीब 25 करोड़ रुपए रेस्टोरेंट और इतने ही होटल व होम स्टे संचालकों ने कमाए हैं। व्यवसायियों की माने तो 2000 घर में पेइंग गेस्ट का चलन आ गया है। राम मंदिर तक बाइक, ई-रिक्शा, ऑटो आदि से पहुंचा रहे हैं। पर्यटन व्यवसाय से जुड़े लोगों के अनुसार महाकुंभ में करीब 4 हजार बैटरी रिक्शा से चालकों ने प्रतिदिन दो हजार रुपए तक कमाई की है।

श्रद्धालुओं को ठहराने की व्यवस्था से मिल रहा बड़े पैमाने पर रोजगार, लोगों ने अपने घरों को होम स्टे में बदला, पेइंग गेस्ट का भी चलन।

भजन-भोजन से दिन की शुरुआत

पेइंग गेस्ट सिस्टम में सुबह चाय के बाद घर के मंदिर में दर्शन करवाते हैं। भोग लगाकर भोजन परोसा जाता है। ऐसे भक्तिमय ट्रीटमेंट से अध्यात्म की नगरी में आए मेहमानों का उत्साह और आनंद दोगुना हो जाता है। रामनवमी, रामजानकी विवाह, विजयादशमी और दीपावली आदि पर्व-त्योहारों पर उत्सव का आनंद बढ़ जाता है।

अलविदा | 1,173 से ज्यादा बार रक्तदान करने वाले हैरिसन का निधन

चला गया 24 लाख बच्चों को 'गोल्डन आर्म'

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सिडनी. इंसान की एक बांह से लाखों बच्चों को सहारा मिल सकता है! ऐसी ही 'गोल्डन आर्म' थी जेम्स हैरिसन की, जो छह दशकों तक आगे बढ़ी और 1,173 से ज्यादा बार रक्तदान करते हुए 24 लाख से ज यादा नवजातों की जिंदगी बचाई। हैरिसन का हाल में ऑस्ट्रेलिया में 88 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। उनके खून में मौजूद दुर्लभ एंटीबॉडी एंटी-डी से बनी दवा ने गर्भस्थ शिशुओं को हैमोलाइटिक डिजीज ऑफ द फेटस एंड न्यूबॉर्न से सुरक्षा दी।

ऐसे हुई थी शुरुआत... हैरिसन के 14 साल की उम्र में सर्जरी के दौरान रक्त चढ़ाया गया था। बाद में 18 वर्ष की उम्र में पहली बार रक्तदान किया। इसके बाद 81 साल की उम्र तक हर दो हफ्ते में रक्तदान किया।

अब रक्त से लैब मे एंटी-बॉडी बनाने के प्रयास

1960 के दशक में एंटी-डी उपचार से पहले, एचडीएफन से ग्रस्त आधे से ज्यादा नवजात नहीं बच पाते थे। अब उनके रक्त से वैज्ञानिक लैब में एंटी-डी एंटीबॉडी बनाने की कोशिश कर रहे हैं, ताकि पूरी दुनिया की गर्भवती महिलाओं के लिए स्थायी व सुलभ इलाज तैयार किया जा सके।

क्या है एचडीएफएन: हेमोलाइटिक डिजीज ऑफ द फेटस एंड न्यूबॉर्न स्थिति तब होती है जब गर्भावस्था के दौरान मां की लाल रक्त कोशिकाएं शिशु की रक्त कोशिकाओं से मेल नहीं खातीं। ऐसे में मां की रोग प्रतिरोधक प्रणाली शिशु की रक्त कोशिकाओं को खतरा मानकर उनके खिलाफ एंटीबॉडीज बनाने लगती है। इससे बच्चे को गंभीर एनीमिया, हृदय विफलता या मौत का भी खतरा हो सकता है। एंटी-डी इंजेक्शन अजन्मे शिशुओं इस जानलेवा रक्त विकार से बचने में मदद करते हैं।

"स्वत्वाधिकारी राजस्थान पत्रिका प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक व प्रकाशक गजराज भण्डारी द्वारा 2/3 आई एन एस बिल्डिंग, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित एवं राजस्थान पत्रिका प्रा. लि. भूखण्ड संख्या 68-69, फेज VII, सैक्टर-35, गुरुग्राम (हरियाणा) एवं मैसर्स विभा पब्लिकेशन प्राईवेट लिमिटेड, डी-160 बी, सैक्टर 7, गौतमबुद्ध नगर (यू.पी.) से मुद्रित। आर.एन.आई. नं. डेलहिन/2005/15156, सम्पादक: भुवनेश जैन।